हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 2000 (प्रथम बैठक)

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 10 मार्च 2000

	पृश्ठ संख्या
कार्य सलाहकारी समिति की पहली रिपोर्ट	(3)1
प्र नों ध्यानकर्शण प्रस्ताव की सूचनाएं	(3)3
राज्यपाल के अभिभाशध्या पर चर्चा	(3)3

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार 10 मार्च, 2000

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन,सैक्टर–1 चण्डीगढ़ में प्रात 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिह कादियान) ने अध्यक्षता की।

कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table fixed by the Business Advisory Committee in regard to various business.

"The Committee met at 4.00 P.M. on Thursday, the 9th March, 2000 in the Chamber of the Hon'ble Speaker>

The Committee recommends that unless the speaker otherwise directs the Assembly, whilst in Session, shall met on Tuesday, Wednesday, Thursday and Fariday at 9.30 A.M. and adjourn at 1.30 P.M. and will again meet at 2.00 P.M. without question being put.

The Committee also recombinants that on Thursday, the 16th March, 2000, Assembly shall meet at 9.30 A.M. and adjourn after conclusion of the Business entered in the list of Business for the day.

The committee also recommends that the Thursday, the 16th March, 2000, Assembly Hal meet at 9.30 A.M. and

adjourn after conclusion of the Business entered in the list of Business for the day.

The Committee, after some discussion, also recommends that the Business from 10th March, 2000 to 16th March, 2000 be transacted by the Sabha as under:-

Friday, the 10th March, 2000 (9.30 A.M.) (First Sitting)	Discussion on Governor's Address.
Friday, the 10the march, 2000 (2.00 P.M.) (Second Sitting)	Resumption of Discussion on Governor's Address.
Saturday, the 11the March, 2000	Off-day
Sunday, the 12th March, 2000	Holiday
Monday, the 13the March, 2000 (11.00 A.M.)	(1) Resumption of discussion on Governor's Address and voting on Motion of Thanks.
	(2) Presentation, discussion and Voting on Supplementary estimates for the year 1999-2000 (2nd installment) and Report of the committee on Estimates thereon.
Tuesday, the 14th March, 2000 (9.30 A.M.) (First Sitting)	Presentation of Budget Estimates for the year 2000-

	2001
Tuesday, the 14th March, 2000 (2.00 P.M.) (Second Sitting)	Presentation of Budget Estimates for the year 2000-2001
Wednesday, the 15the March, 2000 (2.00 P.M.) (2nd Sitting)	Resumption of discussion on Budget Estimates for the year 2000-2001.
	(1) Motion under rule 30
	(2) Resumption of discussion on Budget Estimate for the year 2000-2001 and reply be the Finance Minister.
	(3) Discussion and Voting on Demands for Grants for the year 2000-2001.
Thursday, the 16th March, 2000 (9.30 A.M.)	(1) Motion under rule 15.
	(2) Motion under rule 16.
	(3) The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 2000-2001.

	(4) The Haryana Appropriation Bill in respect of Supplementary Estimates for the year 1999-2000 (2nd Installment)
	(5) Legislative Business.
	(6) Any other Business"

Mr. Speaker: Now, the Parliamentary affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Finance Minster (Sh. Sampat Singh): Sir, I beg to move—

That this house agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Motion moved—

That this house agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

Mr. Speaker: Question is—

That this house agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

प्र नों/ध्यानकर्शण प्रस्ताव की सूचनाएं

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, आज जीरों आवेर का तो समय होना चाहिए, क्योंकि मैने म्यूनिसिपल कमेटीज को अबोलि ा करने के बारे में अपनी कालिंग अटैं ान मो ान दे ररखी है। अगर जीरों ओवर नही हुआ तो फिर मेरी इस मो ान का जवाब कहां से आऐगा।

श्री अध्यक्षः अब तक परम्परा यही रही है कि जब प्र नकाल नही होगा तो जीरों ओवर भी नही होता है।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, फिर मेरे इसमो ान का जवाब कैसे आयेगा? (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष होदय, मैनपे भी अपनी एक कालिंग अटैं ान मो ान दी हुई है, उसका क्या हुआ (विध्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आपकी मो ान आज सुबह 9.20 पर ही आई है। और उसके बाद हमने उसकों एग्जामिन करने के लिए भेजन दिया हैं जब उसका जवाब आ जायेगा तब आपकों बता दिया जायेगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरी भी कांलिंग अटैंशन मो ान हैं

श्री अध्यक्षः आपकी कालिंग अटैं ान मो ान भी अंडर कंसीडरे ान है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion onthe Governor's address will take place. Sh. Ram Pal Majra, M.L.A. may move his motion.

श्री रामपाल माजरा (पाई): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं–

कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित भाब्दों में पे ा किया जाए–

''कि इस सत्र में इकट्ठे हुए, हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यंत कृतज्ञ है जो उन्होने 9 मार्च, 2000 को सदन में देने की कृपा की है।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का अभिभाशण किसी भी सरकार का आईना होता है, जिसमें सरकार की तस्वीर नजर आती ह। इस अभिभाशण रूपी आईने में हरियाणा सरकार की तस्वीर खूबसूरत, मनमोहक, रचनात्म्क, प्रगति, पारद ा्रिक सवं प्रजातांत्रिक दिखाई देती हैं इसलिएमै आप सबसे कहूंगा कि आप सभी राज्यपाल महोदय के धन्यवादा प्रस्ताव में भाामिल हों। अध्यक्ष होदय, हमीर सरकार की भाुरूआत धर्म के क्षेत्र के भापथ समारोह से हुई है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा की लाईफ लाईन एस0 वाई0 एल0 नहर है, उसे बनाने पर हमारी सरकार ने वि ोश जवज्जों दी है। पहले की सरकारे आई और चली गई लकिन

उन्होने एस0 वाई0 एल0 नहर की तरफ कोई ध्यान नही दिया। वे भूग गये थे कि एस0 वाई0 एल0 नहर के बिना हरियाणा की परूासी धरती की प्यास धरती की प्यास नही बुझेगी और हरियाणा प्रदे ा की प्यासी धरत पर एस0 वाई0 एल0 नहर के लिए तरसती रहेगी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी के समय में एस0 वाई0 एल0 नहर के अर्थ वर्क लाईनिंग का कार्य 95 प्रति ात हुआ था किसानों की सरकार होने के नाते उन्होन सबसे ज्यादा प्राथमिकता एस0 वाई0 एल0 नहर बनाने की दी थीं अध्यक्ष महोदय, जब 20, फरवरी 1991 को चन्द्र ोखर जी इस दे ा के प्रधानमंत्री थे तब इस नहर का काम पूरा करवाने के लिए चौधरी देवी लाल जनी इसका कट्रैक्ट बोर्डर रोड आर्गेनाईजे ान को दिया था। उस वक्त के सबसे बड़े अधिकारी ने इसबारेमें सारी जांच पड़ताल करके काम भाुरू करवाना था लेकिन उस समय किन्ही कारणों से यह नहर बन नही सकी। अब उसी लाइन पर चलकर हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने केन्द्र की सरकार से अनुरोध किया है। और बार–बार मीटिग की है। कि किसानों की लाइफ–लाइन एस0 वाई0 एल0 को जल्दी पूरा किया जाए। जैसा कि इस अभिभाशश्ण में द ार्या गया है कि प्रदे ा की सरकार मुख्य रूप से इस बात पर केन्द्रित है हरियाणा प्रदे ा के किसानों को पानी देने के लिए एस0 वाई0 एल0 नहर का निर्माण पूरा किया जाए और इसक बनने से हरियाणा प्रदे ा की प्यासी धरती की एक ओर जहां प्यास बुझेगी वहां किसानों की अर्थ व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। थ्कसानों की अर्थ व्यवस्था सुदृढ़ होगी तो प्रदे ा

सुदृढ़ होगा। सरकार द्वाराउठाया गया यह पहला कदम अति प्र ांसनीय है। सरकार की एस0 वाई0 एल0 बनाने की जो प्राथमिकता है उससे लगता है कि प्रदे ा की सरकार और मुख्यमंत्री जी इस बात से ज्यादा चिन्तित है। कि हरियाणा प्रदे ा के किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जाए। इससे पहले की सरकार ने हरियाणा प्रदे ा मैं भाराब बन्दी को लागू किया ओर भाराब बन्दी के नाम पर हरियाणा प्रदे ा के नौजवानों को रास्ते से भटकाया गया औश्र प्रदे ा के नौजवान रास्ता भटक गये। जिन बच्चों के बस्तों में किताब, कलम और दवात होनी चाहिए थी उनके बस्तों मं काफी लम्बे समय तक भाराब की बोतलें मिली और यहां तक कि कुछ राजनीतिक लोग भी इस धन्ध को करने लगैं इस आनन–फानन मे भाराब बन्दी हटा भी दी गई और उसका असरयह हुआ कि हरियाणा प्रदे ा के नौजवान रास्ते से भट गये ओर अपराध करने लगे गये। कही पैट्रोल पम्प लूटे गये तो कही हत्याएं हुई और कही पर फिरौती वसूली में हरियाणा के नौजवान लग गये। हमारी सरकार ने इस बात को देखे बगैर कि हरियाणा प्रदे ज्ञ में किस वजह से भाराब बन्दी लागू की गई बी अज्ञेरक्यों भाराब बन्दी हटा दी गई, उस वक्त में नौजवानों पर बनाये गये 48664 मुकदमें वापिस ले लिए प्रदे ा सरकार ने यह एक प्र ांसनीय काम किया है क्योंकि सरकार ने ऐसा करके उनकों मुख्य धारा में भाामिश्श्ल करके सही रास्ते पर लाने का काम किया है। इसके अलावा जो नौजवान इस आ ाा में थे कि वे नौकरी लगेगे लेकिन वे नौकरी लग नही पाए जिस कारण उनकी

नौकरी की निर्धारित आयु सीमा खत्म हो गई है। ऐसे नौजवानों के लिए हमारी सरकार ने आयु सीमा बढ़ाकर 35 वर्श से 40 वर्श की हैं सरकार ने प्रदे ा के नौजवानां के लिए भलाई का काम किया है। पहली सरकारें गरीबों के बच्चों को नौकरी नही देती थी। अगर नौकरी देते भी थे तो उसके लिए पैसे का पैमाना निर्धारित था। पैमाना होने की वजह से गरीबों के बच्चे नौकरी नही लग पायें आज की सरकार ने इस बात को मद्देनजर रखा है कि भ्रश्टाचार को खत्म किया जाए, इससेनौज्वानों को फिरसे आ ाा बन्धी है। इसलिए नौकरियों में आयु सीमा 35 से 40 वर्श करने कासरकार का यक एक सराहनीय काम हैं पहले के मुख्य मंत्री यह कहा करते थे कि बुढ़ापा पैं ान हो ही नही सकती, अगर हो सकती तो मै कर देता। उस समय चौधरी देवी लाल जी कहा करते थे कि बुढे मर न जाना मै तेरी पै ान कर दूंगा। चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा प्रदे ा की कलमदानसंभालते ही हरियाणा प्रदे ा के बूढो की पैं ान भ्रुरू कर दी। उनकी सरकार के प चात् फिर जो सरकार आई तो उस सरकार ने उस पै ान को काटना भ्रुरू कर दिया था। कही पर जमीन की पाबन्दी लगा दी तो कही पर यह पाबन्छी लगा दी कि उसका एक लड़का नौकरी में था। उन सरकारों ने पै ान काटने काकमा किया न कि नई पैं ान बनाने का। इस अभिभाशण में वि ोश तौर पर द ार्या है कि अब ऐसी कंडी ान्ज हटा दी गई है। पांच एकड़ भूमि की कंडी ान हआ दिया गया है और किसी का लड़का नौकरी करता है उस कंडी ान को भी हटा दियागया है और नये

सिरे से सर्वे कराकर उन पात्रों को पैं ान के लिए ाामिल किया गया है जो काफी समय से वंचित कर दिये गये थे। इसके लिए मै मुख्य मंत्री जी की सराहना करता हूं। हमारी सरकार ने पैं ान भी दुगुनी करके 100/– रूपये से 200/– रूपये प्रति माह कर दी है। मुख्य मंत्री जी ने यह एक सामाजिक संरचना का कार्य किया हैं

अध्यक्ष महोदय, किसानों पर पहले की सरकार ने झूठे मुकदमें बनवाये थे। उनकी सरकारों में निसिग, कादमा, टोहाना, मंडियाली, नारनौंद, कालेखां इगरा व मण्डियाली आदि में ने जाने कितनी जगहों पर हरियाणा के अन्दर किसानों पर गोलिया चलाई गई थी। उन सरकारों के दौरान किसानों को गोलियोंसे भून दिया गया थज्ञ। इस सरकार ने आते ही सर्वप्रथम किसानों की समस्याओं की तरफ ध्यान दै हुए जो झूठे मुकदमें किसानों पर पहले की सरकारों के समय में बनाए गए थे, वे वापस ले लिए ताकि कोइ किसान बेवजह परे ाानन हो। इसी प्रकार से सरकार ने किसानों कीसमस्याओं को समझते हुए खाद के रेट प्रति कट्टे 5 से 10 रूप्ये कम किए ताकि किसानों को कुछ राहत मिल सके। सरकार ने थोड़े सयम में ही किसानों को सुवधिा देते हुए हरियाणा प्रदे ा के लिए दोनई चीनी मिलें लगाने का फैसला लिया। सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति को मध्यनजर रखते हुए ही`सा निर्णय लिया क्योकि किसान के लिए गन्ने की फसल एक ऐसी फसल हैं जिसमें दूसरी फसलों की अपेा कम बीमारी

लगती हैं गन्ने फी फसल अधिक वर्शा हो या सूखा पड़ा जये तेा उसको भ्झी सहन कर लेती है। गन्ने की फसल किसान को कम घाटा पहुंचाती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने दो हैफेड के तह कैटल फीड प्लांट भी लगाने का फैसला लिया है। इसी के साथ–साथ सरकार ने हैफेड के तहत कैटल फीड प्लांट भी लगाने का फैसला लिया है। हमारे सदन के सभी साथियों को पता है कि पीछे बाढ़ की समस्य की तरफ वि ोशतौर से ध्यान दिया है ओर इस बारे में बड़ी चिन्तित भी है। इसलिए सरकारने फैसला लिया कि मानसून आने से पहले पहले हमार प्रदेश की जितनी भी नहरें, ड्रैने वे रजवाहे आदि है उन सभी की सफाई सरकार करवाएगी ताकि हमार प्रदे ाबाढ़ रहित प्रदे ज्ञ को सके। इसके साथ–साथ हमारी सरकार ने भाई बहन के नाम कोई जमीन ट्रांसफर करवाती थीतो उस पर 14–15 प्रति ात स्टाम्प डयूटी लगती थी उसकसे समाप्त कर दिया हैं यह इस सरकार का अति सराहनीय कदम है। और सरकार वाईक इस काम के लिए बधाई की पात्र है। सरकार किस के लिए होती है? सरकर हाती है Government of the people. लेकिन पिछली सरकारों ने इसके मतलब को न समझते हुए क्या दिया? उन्होने कर दिया Government off the people, buy the people, far the people. वि ोशतौर पर इस सरकार ने एक बौर बहुत ही सरहानीय कार्य किया है। यह सराहनीय कार्य सरकार आपके द्वज्ञरा तक पहुंच कर किया। पहले लोगों को कोई डैपूटे ान जब मुख्य मंत्री जी से या मंत्रियों से मिलने आता था तो लोगों यहां पर धर्म ाालाओं में

औरहोटलों में 2–3 दिन तक ठहर कर चले जात`थे लेकिन उनका मुख्यमंत्री जी से ओर कई बाद मंत्रियों से सम्पके नही हो पताथा जिस वजह से उनकासमय और पैसा दोनों बर्बाद होते थे। सरकार ने इसबात को समझते हुए सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम चलाया जिसके जरिये लोगों का समय और पैसा भी बचा। इतना हीनही मुख्यमंत्री जीने मौके पर फैसले लिए। मोके पर ही मुख्य मंत्री जी ने गांवों वालो से पूछा कि बताओं आपकी समस्या क्या है? लोगों ने समस्याएं बताई उनका निदान भी उसी समिय करने की कोि ा ा की। जहां पर स्कूल अपग्रेड करने थे, मौके पर ही आदे ा दिए गए। कहने का मतलब यहहै कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आज गांवों–गांवों में हरिजन चौपाले बनाने का काम, स्कूलों की अपग्रेडे ान का काम या जो भी अन्य काम उस संबंधित गांव से थे, सभी परकार्य चल रहा हैं इस प्रकार के जो कार्य मौजूदा सरकार ने किए वे कोठी में बैठकर नही किए जाते बल्कि लोगों के बीच में जाकर उनकी सस्याओं को समझते हुए किए जाते हैं सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम जिस पर सरकार ने चलाया है उस बारे में मेरा सभी माननीय साथियों से निवेदन है कि वे भी इस प्रकार के प्रोग्राम चलाएं ताकि लोगों की समस्याओं को निपटाना भीघ्र हो सके। सरकारआपके द्वारा कार्यक्रम हम सबके लिए एक सबक है।

पहली सरकारों के सय में जब सदन में बहस चलती थी तो यहां पर बैठकर विपक्ष की बातों पर ध्यान नही दिया जाता

था। हम देखा करते थ्झे कि प्रोफैसर सम्पत सिंह जी जब विधान सभा में कागजल लहरा कर कुछ कहने की कोि ा ा किया करते ो तो उनकी बात को सुना नही जाता था, उनको वह कागज पढ़ने नही दिया जाता थ। उस समय हम सोचा करते थे कि पता नही क्या बात है जो कि उनको पढ़ने नही दिया जा रहा ै। मैडिकल कॉलेज अग्रोहा की ग्रान्ट बंद कर दी गई थी जो जब यह मामला यहां पर हाउस में उठाया जाता तो मुख्य मंत्री कहते थेकि मैने ग्रान्ट बन्द नही की दूसों पूर्व मुख्यमंत्री ने बंद की है। जब दूसरे मुख्यम ंत्री जसे इस बारेम ें पूछा गया तो उन्हाने कहा कि वह ग्रान्ट मैने बन्द नही की वह तो दूसरे मुख्यमंत्री से इसबारे में पूछा गया तो उन्होने कहा कि वह ग्रान्ट मैने बन्द नही की वह तो दूसरे मुख्य मंत्री ने बन्द की थी। अध्यक्ष महोदय, वे लोग एक–दूसरे का नाम ले लेते थे परन्तु वर्तमान सरकार के मुखिया ने इस बात को जानने की कोई कोि ा ा नही कि वह ग्रान्ट किसने और क्यों बन्द कीं वहां की परे ाानी हो देखकते हुए वर्तमान सरार के मुखिया ने सरकार बनते ही अढ़ाई घण्टे में ही मैडिकल कॉलेज अग्रोहा को सात करोड़ रूप्ये ी ग्रान्ट जारी कर दी और वह कॉलज जो कि बन्द पड़ा था उसकस ताला खोने का काम ओरकॉलेज को दोबारा चालू करने काकाम इस सरकार के मुखिया ने ही किया। वे लोग जो कि कहते थे कि यह सरकार केवल किसानों की सरकार है, उनका यह भ्रम भी सरकार ने दूर कर दिया। टैक्सों का सरलीकरण करके चाहे वह फार्म 14–ए या 15–ए फार्म की बात हो, चाहे चुंगी समाप्त करने की बात हो वह

काम भी इस सरकार ने किया है। चुगी की प्रथा 20 सालपुरानी प्रथा थी अब उस प्रथा को समाप्त किया गया हैं इसके अलावा इस सरकार ने अनेकों क्षेत्रों मेंनये आयाम स्थापित किए है म्यूनिसिपल कर्मचारियों की समस्रूओं को भी हल यिा गया हैं जब म्यूनिसिपल कमेटीज के कर्मचारियों की हड़ताल हुई थी तो उस वक्त छोटे–छोटे कर्मचारियों को जेलों में डाल दिया गा थ। किस प्रकार से हरियाणा प्रदे ा की की उस समय कीसरकार ने नादिर ााही दिखा कर उनकम्रचारयेां को नौकरियों से बर्खास्त कर दिया था। म्यनिसिपल कमेटियों के कर्मचारियों तथासरकार के कर्मचारियेांके खिलाफ झूठे मुकद्दमें बना कर उन्हें नौकरियों से वंचित कर दियाथा। वर्तमान सरकार के मुखिया ने परमानैंट कर्मचारियों की नौकरियो से वंचित कर दिया था। वर्ममान सरकार के मुखिया ने परमानैंट कर्मचारियों को नौकरियों पर बहाल किया और उनके खिलाफ जो झूठे मुकद्दमें बनाए गए थे उनको वापिस लिया औरएक नई प्रथा कायम की। इस सरकार के मुखिया चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने मैडिकल कॉलेज, अग्रोहा की ग्रान्ट बहाल की, टैक्सों का सरलीकरण किया, चुंगी समाप्त की ओर बर्खास्त कर्मचारियों को बहाल करके जो नये आयाम स्थापित किए है मै उनके लिए इस सरकार को बंधाई देता हूं। विधवाओं की पैं ान 100/– रूपये से बढ़ा कर 200/– रूपये प्रति माह करके उनको सम्मान दिया गया है। इसीप्रकार से चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार ने जच्चा–बच्चा के लिए अजवायन और पंजीरी के लिए 500/– तथा 300/– रूपये की रा ि ा गरीब हरीजन माता

कोदे कर उन्हें सामाजिक संरक्ष्ज्ञण प्रदान किया हैं अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से हरियाणा प्रदे ा में गरीबी रेखा से नीचे जो लोग जी रहे है। उनके लिए हरिजन कन्याओं की भाादी के लिए 5100/– रूपये कन्यादान के रूप में दे कर एक ऐतिहासिक फैसला किया गया हैं आज हरियाणा प्रदे ा ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और सारे दे ा के अन्य प्रदे ाों में भी इस प्रकार के फैसले लेने के बारे में विचार चल रहाहै औरवे प्रदे ा हरियाणा का अनुकरण कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकारसे भाहीदों की भाहादत की रा ि ा कभी एक दो लाख होती थी और वह रा ि ा पांच लाख रूपये करवाईथी लकिन जब वे स्वयं हरियाधा प्रदे ा के मुख्य मंत्री बने तो इस पांच लाा की रा ि ा को बढ़ा कर दस लाख रूपये कर दिया गया। ऐसे भाहीदों के परिवारों के लिए 10 लाख रूप्ये की रा ि ा का अनुदान दे कर उन भाहीदों को सच्ची श्रद्धांजति अपिर्तत की है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे हरियाणा के किसान जब भी गन्ने का रेट बढ़वाने के लिए मांग करते थे तो उन्हें कोई ऐजिटे ान बगैरह करना पड़ता था। उस एजिटे ान में उन पर लाठिया चलवाई जाती थी वे ठण्डे पानी केफवारे बरसाए जाते थे। उसके बाद भी जो रेट बढ़ाया जाता था वह 50 पैसे या एक रूपया बढ़ाया जाता था। हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने गन्ने का रेट 100 रूपए प्रति क्विंटल किया है जो कि बहुत ही सराहनीय है। मजदरों की मजदूरी के लिए भी इस

सरकार ने कई अच्छे काम किए है। व्यापारियों और कृशकों के लिए भी बहुत अच्छे अच्छे काम किए है और करते चले आ रहे है। मै तो आप सब मित्रों से यही कहूंगा कि आप सब इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करें। हरियाणा प्रदे ा में सूखे की समस्या थी लेकिन इस सरकार लेकिन इस सरकार ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध करवाई। केन्द्र पूल से 19 प्रति ात से 27 प्रति ात बिजली लेने का काम भी इस सरकार ने किया। मै तो यह कहूंगा कि यह तो अभी ट्रेलर है पूरी फिल्म तो बजट मैं देखेने को मिलेगी। यह कह कर मै अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद करता हूं और एक बार फिर सभी साथियों से निवेदन करता हूं कि वे सब इस प्रस्ताव का समर्थन करें। धन्यवाद

Mr. Speaker: Now, Shri Kirshn Pal will second the motion.

श्री कृश्ण पाल (मेवला महाराजपुर): अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के एड्रैस पर जो प्रस्ताव भाई राम पाल माजरा जी ने रखा है मै उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मै इस बारे में अपनी कोई बात कहूं उससे पहले मै चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी को ओरचुनाव मे लगे अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहूंगा कि चौधरी साहब के नेतृत्व में चुनाव प्रक्रिया कु ालता पूर्वकसम्पन्न हुई। दे ा मे जहां चुनावों में दंगे होने की बात सुनी जारही थी वही हमारे यहां पर चुनाव भाान्तिपूर्वक सम्पन्न हुए हैं अध्यक्ष महोदय, इसके लिए हरियाणा की जनता भी बधाई की पात्र

है। अध्यक्षम होदय, 24 जुलाई 1999 को चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व में हरियाणा की सरकार बनी थी। यह पहली बार हरियाणा में हुआ है कि किसी सरकार के रहते हुए जनता नेउसी सरकार में अपना वि वास जताया है। उसके पक्ष में वोटिंग हुई है। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने व्यापारियों, किसानों, उद्योगों और मजदूरों के प्रति जो अच्छे निर्ाय लिए थे आज यह सब उसी का परिणाम हैं उन सब निर्णयों को देखते हुए हरियाणा की जनता ने सरकार की बागडोर फिर से इनके हाथों में सौंप दी हैं मै इसके लिए भी हरियाणा की जनता को बधाई देना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के जो किसान गन्ना पैदा करत है जब वे गन्ने की अच्छी कीमतें मांगते थे तो धरना देते या प्रजिटे ान करते थे तोउनकों लाठियों से मारा जाता था लेकिन ओम प्रका ा चौटाला ज ने उनको हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा 110 रूपये प्रति क्विंटल का रेट दिया हैं इसके अलावा 10 रूपये प्रति बोरी यूरिया की और डी0 ए0 पी0 की बोरी पर 5 रूप्ये का प्रोत्याहन दिया है उसके लिए भी मै इस सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं। इस सरकार ने वृद्धावस्था पैं ान डबल कर है, विकलांगों की पैं ान भी डबल कर हैं अनुसूचित जाति की कन्याओं की भाादी पर 5100/– रूपएदेने की जो घोशणा की है इससे जनता में एक अच्छा संदे ा जाता है, इसके लिए भी मै सरकार को बधाई देना चाहता हूं अध्यक्ष महोदय, चाहे संड़कों की

मरम्मत करने की बात हो चाहे नालियां बनाने की बात हो, चाहे प ा औशधालय बनाने की बात हो चाहे आौशधालय बनानेी की बात हो, सभी क्षेत्रों में सरकार ने बहुत ध्यान दिया है। जब मुख्य मंत्री जी जगह–जगह पर जनता दरबार लगाते थे तो उस समय विपक्षी कहते थे कि उनके द्वारा की गयी सारी घोशणाए झूठी है। लेकिन मै उनको बताना चाहता हूं कि जहां–जहां पर भी उनके द्वारा ये दरबार लगाये गये वहां–वहां परी भी उनके द्वाराये दरबार लगाये गये वहां–वहां पर एक हफ्ते के अंदर पैसों के ड्राफ्ट बनकर चले गये ओर उसके कुछ ही दिनों बाद वहां काम भाुरू हो गये औरउसी का यह परिणाम है कि हरियाणा की जनता ने आज उनको सत्ता की बागडोर सौंपी है। अध्यक्ष महोदय,सूखे की वजह से जो बिजली में कमी आयी थी उसकसे सरकार ने केन्द्र दूसरे डिपार्टमैंट्स में समायोजि किया है जिसके लिए भी मै सरकार को बधाई देना चाहता हूं। जो मार्किट फीस पहले दो प्रति ात कर दी गयी थी उसकसे चौटाला साहब ने एक प्रति ात किया इसके लिए भी मै इनको बधाई देना चाहता हू। इसी तरह से दो प्रति ात ग्रामीण विकास उपकर की समाप्ति के लिए भी मै सरकार को बधाई देनाचाहता हूं। पहले मंडियों में खुली बोली द्वारा आढ़तियों को प्लोटों की नीलामी की जाती थी लेकिन अब इस सरकान ने इन आढ़तियों की भावनाओं को समझते हुए यह नीति बदल दी हैं इसके लिए भी मै सएरकाएर को बधाई देना चाहूंगा सरकार की बदली हुई नीति से अब आढ़तियों को और व्यापारियों को राहत मिलेगी।

श्री मांगे राम गुप्ताः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, गुर्जर साहब यह बात नही कर सकते क्योंकि उस समय इन्ही की सरकार ने यह फैसला किया था ये भी तो उस समय उस सरकार में भाामिल थे। अगर चौटाला साहब यह बात कहे तब तो मानी जा सकती हैं

श्री कृश्ण पालः अध्यक्ष महोदय, अगर उस समय हमारी बात मान ली गयी होती तो हम सरकार से बाहर नही आते। जब हमारी बात नही मानी गयी तो उसके बाद ही हम सरकार से बाहर आ गये। बाद में चौटाला साहब ने हमारी बात मान ली इसलिए आज हम उनको समर्थन दे रहे हैं अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से सरकार द्वारा बिक्रीकर नियमों को सरलीकरण करना भी एक अच्छा कदम है इससे व्यापारियों को राहत मिलेगी। मै इसके लिए भी सरकार को बधाई देना चाहता हूं। व्यापारियेां को ओर दुकानदारों के लिए स्वयं कर निर्धारण स्कीम को लागू करना भी एक अच्छा कदम है। इसी तरह से सरकार द्वारा नयी औ़द्योगिक नीति का आरंभ करना एवं किसानों और कर्मचारियों के विरूद्ध बनाये गये केसिज को वापस लेना भी एक बहुत ही अच्छा कदम हैं इसके लिए भी मै सरकार को बधाई देना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, हम अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रांट बहाल करने की मांग समय–समय पर करते रहे लेकिन हमारी बात नही मानी गयी। यह ग्रांट भजन लाल जी ने बंद की थी और बसी लाल जी ने भी उसको ऐसे ही रखा लेकिन चौटाला साहब ने उसको बहाल करके

एक अच्छा काम किया हैं मै इसके लिए उनको बंधाई देना चाहता हूं। इसी तरह से अध्यापकों को लिए राज्य स्तरीय पुरूस्कार को दुगना करना भी एक अच्छा कदम है। मै सरकार द्वारा ि ाक्षकों को प्रोत्साहन देने के लिए बधाई देना चाहता हूं। इसी तरह से कारगिल के भाहीदों को दी जाने वाली रा ि ा को दुगना करना भी सरकार काएक सरहानीय कदम है मै इसके लिए भी इनको बधाई देना चाहता हूं। पिछली सरकार ने पहले तो यह रा ि ा बहुत कहने पर दो लाख रूपये की थी लेकिन जब हमने इस बारे में बार–बार कहा तब जाकर यह रा ि ा पांच लाख रूपये की गयी थी लेकिन चौटाला साहब ने इस रा ि ा को दुगना कर दिया। जिससे भाहीदों के लिए सम्मान पैदा हुआ उसके लिए मैं श्री ओम प्रका ा चौटाला की सरकार को बधाई देना चाहता हूं। जो जख्मी सैनिक थे उनके लिए सहायता रा ि ा 3 लाख से बढ़ाकर 6 लाख कर दी उसके लिए भी मै इनको बधाई देना चाहता हूं। न ाबंदी के दौरान जो लोगों के खिलाफ और वि ोशकर युवकों के खिलाफ केस बनाए गऐ थे उनकें से 48664 मामलों को वापस लेना एक नया संदे ा है और उसके लिए भी मैं श्री ओम प्रका ा चौटाला जी को बधाई देना चाहता हू। सरकारी नोकरियों मे प्रवे ा की आयु 35 वर्श से बढ़ाकर 40 वर्श की गई उससे बेरोजगारों युवकों को लाभ होगा उसके लिए भी मै चौटाला जी की सरकार को बधाई देना चाहता हूं। आर्थिक एवं औद्योगिक विकास के लिए भी नये–नये कदम उठाए गए। अंतर्राश्ट्रीय पूंजी निवे ा को आकर्शित करने के लिए कई प्रयास किए गए। नयी औद्योगिक नीति नवम्बर

से भुरू की गई ताकि नये निवे ा प्राप्त हो सकें। निरीक्षकों के दौरे कम किए गऐ आर चुंगी की समाप्ति से वाणिज्य व व्यापार के क्षेत्र में आने वाली कठिनाईयों को समाप्त कर दिया गया लेकिन इसके साथ ही साथ मै सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि इससे भाहरी क्षेत्रों में विकास के काम में रूकावट आई है, मै मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि भाहरेां को चहुमखी विकास हो सके इसके लिए अलग से रा ि ा का प्रबन्ध करें ताकि भाहरों का विकास सुचारू रूप से हो सके। इंडस्ट्रियल मॉडल टाउन ि ाप्स को विकसित करने के लिए औद्योगिक विकास निगम बना गए हैं राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उद्यमियों को आवंटित करने हेतु 4 हजार एकड़ विकसित भूमि का भूमि बैंक बनाने का प्रसताव हैं इसके लिए श्री चौटाला जी कीसरकार बधाई की पात्र है। हरियाणा वित्त निगत ने बुनकरों और ि ाल्पियों के उत्पादन की समुचित बिक्री व्यवसाि करके उनको प्रोत्साहित करने का काम किया हैं

अध्यक्ष महोदय, अब मै बिजली के बारे में बात करना चाहूंगा। आप जातने है कि बिजली के लिए पिछले 15 साल से हरियाणा का किसान, व्यापारी व उद्योगपति चिंतित था और किसी भी प्रदे ा के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए बिजली का सुनि ि चत और सुचारू होना बहुत जरूरी हैं बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेको ंकार्य किए गऐ ंपानीपत के 110 मेगावाट के 4 बिजलीघरों को अपग्रेड किया गया और उनके पॉवर फैक्टर लोड़ को भी बढ़ाया गया। पानीपत की छठी यूनिट को भुरू किया

गया। फरीदाबाद में 420 मेगावाट की चालू की गई है तीसरी 46 मेगावाट की यूनिट के जून 2000 तक भुरू होने की संभावना हैं जब सूखे की स्थिति पैदा हो गई थी, फसल के नश्ट होने की संभावना पैदा हो गई थी तो उस वक्त इनहोने सैन्ट्रल गवर्नमैंट से निवेदन कर के 27 फायदी बिजली को बढ़ावाया इससे दस लाख यूनिट बिजली की बढ़ौतरी प्रतिदिन हुई है उसी के कारण जहां 25 सितंबर 1999 को 518.40 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई हुई है वही उससे गत वर्श उसी समय 458.05 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई हुई थी। इसके अतिरिक्त भी अनेक सब स्टे ान लगाए गऐ कुछ को अपग्रेड किया गया इससे रबी की फसल अच्छी हुई और भीतकालीन वर्शा के कम होने के बावजूद भी रबी की फसल को बचाना संभव हो सका। इसके अतिरिक्त राश्ट्रीय ताप बिजली निगम के आंटा गैस स्टे ान से हिस्सा बढ़वाया गया। इन दोनों कार्यो के परिणामस्वरूप हमार उपलभ्यता 10 लाख यूनिट प्रतिदिन बढ़ रही है। 110 मेगावाट वाला थर्मल प्लांट 112 अपग्रेड हुआ है इस प्रकार हरियाणा में बिजली की पैदावार बढ़ी है। इसके लिए चौटाला साहब बधाई के पात्र हैं यह सरकार बिजली की ट्रांसमी ान और डिस्ट्रीब्यू ान प्रणाली के सुदृढीकरण की ओर वि ोश ध्यान दे रही है ताकि उपभोक्ताओं के लिए बिजली की अच्दी गुणवत्ता सुनि ित की जासके। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए चालू वित्त वर्श में 13 नए ग्रिड सब स्टे ान भुरू किए गए है। 97 सब स्टे ान की क्षमता में वृद्धि की गई है। 264 किलोमीअर लम्बी उच्च वोल्टेज की लाईनं बिछाई गई हैं जिससे

यमुनानगर, भााहबाद, पेहवा, अम्बाला, और पंचकूला के आसपास के क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व वोल्टेज में काफी सुधार हुआ हैं 5950 अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे है तथा पुरानी तारों को बदला जा रहा है। कि जिससे बिजली के क्षेत्र में सुधार हुआ है। इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है।

अध्यक्ष महोदय, सिंचाई प्रणाली को सुधारने के लिए अनेक कार्य किए गये। अनेक माईनरों को बनाया गया, रजवाहों को बनाया गया, मानसून आने से पहले नहरों की सफाई की गई जिसके कारण सिंचाई के क्षेत्र में सिंचित मात्रा को बढ़ाया गया है तथा किसानों के खेतों की अंतिम टेल तक पानी पहुंचाया गया है। इसके लिए मै चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी को बधाई देना चाहता हूं।

भाहरों के विकास के लिए भी अनेक कार्य किये किए गये है। हरियाणा भाहरी प्राधिकरण द्वारा अनेक भाहरों में नगर पार्क बनाये गये है तथा भाहरी सड़कों की वि ोश मरम्मत का कार्य भाुरू किया गया है। यहां विद्यालय, डिस्पैसरियां, क्लब, सामुदायिक केन्द्र तथा पुलिस थाने बनाकर समाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान किया है। इसके लिए भी मै चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी को बधाई देना चाहता हूं। फरीदाबाद में जहां गरीब तबके के लोगों को मूलभूत सुविधाए प्रदान करने के लिए केन्द्र सरकार से जो ग्रांट आती थी पिछली सरकार ने उसे बन्द कर दिया था। मै माननीय मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा

कि ग्रांट को पुनः बहाल किया जाये। फरीदाबाद में जहां अनाुधिकृत कालोनियों है उनमें 29 प्रति ात बिजली के मीटर नही लगे हुए है परन्तु बिजली की सप्लाई वहां पर फिर भी चालू है इससे सरकारी रैवन्यू की काफी नुकसानहो रहा है। मै मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा कि वे इन कालोनियों में बिजली के मीटर लगवाये ताकि सरकारी पैसे का नुक्सान न हो। ऐसा तभी सम्भव होगा जब वे इन कालोनियों को रैगुलराइज करेंगे।

अध्यक्ष महोदय, कृशि के क्षेत्र में भी अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गये है। 1999–2000 के लिये खाद्यान्नां के उत्पाद का लक्ष्य 122.50 लाख टन रखा गया है, जिसमें 37 लाख टन खरीफ के लिए और 85.50 लाख टन रबी की फसल के लिये हैं इसी प्रकार गन्ने, कपास ओर तिहलन काउत्पादनलक्ष्य क्रम ाः गुड के रूप में 9 लाख टन, 12 लाख गांठे कपास के लिए और 10.20 लाख टन तिलहन के लिए रखा गया है। पिछले वर्श 1999 के दौरान अत्यधिक कम वर्शा होने के कारण फसल उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। राज्य में 1999 के दौरान खरीफ का उत्पादन 30.70 लाख टन हुआ जबकि 1998 के दौरान 31.54 लाख टन उत्पादन हुआ था जिसमें इस वर्श थोड़ा सा कम हुआहैं चालू वर्श के दौरान तिहलन का उत्पादन लगभग 7.19 लाख टन होने की आ ाा है जबकि गत वर्श 6.42 लाख टन उत्पादन हुआ था। गन्ने का उत्पादन 8 लाख टन होने की आ ाा है जबकि गत वर्श के दौरान 6.88 लाख टन उत्पादन हुआ था। कृशि क्षेत्र में काफी

विकास हुआ है इसके लिए मै सरकार को बधाई देना चाहता हूं। हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा किसानों के उत्पादन की नियमित बिक्री के लिए उन्नत तथा सुलभ बाजार सुविधाये जुटाने के लिए काफी महत्वपूर्ण कार्य किया है। जिसके लिए वह बधाई का पात्र है। वर्श 1969 में बोर्ड के गठन के समय राज्य में केवल 58 मुख्य यार्ड और 60 उप–वार्ड थे। इस समय, बोर्ड के पास समूचे राज्य में फैले 105 मुख्य यार्ड 178 उप–यार्ड और 142 खरीद केन्द्र है। वर्श 1998–99 के दौरान मार्किट भाुल्क के रूप में वसूल किये गये 100 करोड़ रूप्ये के मुकाबले चालू वित्त वर्श के लिए 120 करोड़ की वसूली का लक्ष्य रखा गया हैं सड़कों की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर करने के लिए हरियाणा कृशि विपणन बोर्ड द्वारा 6000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों को गड्ढा रहित बना दिया गया हैं गागवानी को प्रोत्साहन देने के लिए 12.5 करोड़ रूपये की लागत से उचानी करनाल में एक बागवानी प्रि ाक्षण संस्थान बनाया जारहा है। ग्रामीण विकास के लिए इस सरकार ने कई महत्वपूर्ण कार्य किये है। गांवों की गलियों को पक्का करवाना, गांवों में नालियों को पक्का करवाना, मैचिंग ग्रांट स्कीमों को डबल करना,गांवों के विकास के लिए सरकारी स्कूलों के कमरों को बनवान आदि अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए है, इसलिए भी मै सरकार को बधाई दनेा चाहता हूं। वन के क्षेत्र में हां भौगोलिक क्षेत्र का केवल 3.39 प्रति ात क्षेत्र अभिलिखित वन क्षेत्र है। वर्श 1990–91 से 1999–2000 तक की अवधि के दौरान 39390 हैक्टेयर पंचायत भूमि पर अरावली पहाड़ियों में भाामलात

भूमि की बुवाई परियोजना के अधीन वनरोपण किया जा चुका है। जिससे दूशित पर्यावरण को रोकने में सहायता मिलेगी।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में मै इतना ही कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने पिछले 7 महीने में जो महत्वपूर्ण कार्य किए है, उनको देखकर ही हरियाणा की जनता ने इन्हें वोट दिए ओर हरियाणा की सत्ता इनको सौपी। इसके अलावा मै। इन सबकों बधाई देताहूं। अध्यक्ष महोदय, इन्ही भाब्दों से साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्रीमती अनीताः अध्यक्ष महोदय, इन्होने इतना अच्छा भाशण दिया लेकिन मुख्य मंत्री महोदय अभी भी खु ा दिखाई नही दे रहे हैं (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाए। यह विधान सभा की बैठक है, न कि कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग है (ाोर)

Motion moved—

"That an address be presented to the Governor in the following terms—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 9th Marhc, 2000."

सदस्यगण, प्रत्येक मैम्बर के हिस्से में करीब 10 मिनट के समयआता है इसलिए सभी मैम्बर समय सीमा में रहकर अपनी

बात को समाप्त करें। सभी मैम्बर्ज ने अपनी बात कहनी है इसलिए सभी को बराबर समय दिया जाएगा।

श्री भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, कल महामहिम राज्यपाल महोदय ने सदन में भाानदार अभिभाशण दिया। इन्होने बहुत हीसुन्दर भाब्दों में इसकी व्यवस्था की। सरकार जो भाशण उनको बनाकर देगी वह तोउनको पढ़ना ही पड़ेगा। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, आज नई सरकार बनी हुई हमारे सामने बैइी है, इस सरकार को अभी हम कुछनही कहेगे क्योंकि इसकों बने हुए अभी चार दिन ही हुए है 4 दिन के अन्दर हम इनको क्या कह सकते है? लेकिन पिछले 7 महीनों में जब से श्री ओम प्रका ा चौटाला जी मुख्य मंत्री बने है उसके बारे में कहूंगा किसी ने इनके सामने अपनी 10 मांगे रखी तो इन्होने राज लेने के लिए उनकी 20 मांगे पूरी करने का वायदा किया कि किसी तरह राज इनके हाथों में आ जाए। इन्होने इतनी घोशणाएं कर दी कि अगर 30 साल तक भी ये मुख्य मंत्री बने रहे तो भी ये घोशणाएं पूरी होनी मु ाकल है। (ाोर) मैने तेा अभी कुछ कहा ही नही है केवल असलियत ही बताई है, क्येाकि बंसी लाल ने बहुत से ऐसे काम कर रखे थे जिनको ठीक करने में समय तो लगना ही थी। बहुत से काम कर रखे थे जिनको ठीक करने में समय तो लगना ही थी। बहुत से ऐसे झमेले है जिनका मै आग्र चलकर जिक्र करूंगा। कल राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में एस0 वाई0 एल0 का जिक्र किया। उन्होने एस0 वाई0 एल0 का जिक्र तो कर दिया

औश्रसारी सरकारे इसका जिक्र करती रही है परन्तु काम किसी ने नही किया।मै अपने मुंह से तारीफ करता अच्छा नही लगता कि हमारी सरकार क समय में ही एस0 वाई0 एल0 कैनाल के पानी का फैसला हुआ। भजन लाल ने ही श्रीमति इन्दिरा गांधी जो आज इस संसार में नही है, से एस0 वाई0 एल0 कैनाल की आधारि ाला रखवार्ठ और काम भुरू हुआ था। यह रिकार्ड की बात है। (ाोर) एस0 वाई0 एल0 का 90 प्रति ात काम हमारी सरकार के समय में ही हुआ। यह रिकार्ड की हीबात है। बाद में पंजाब में उग्रवाद के मामले में तेजली आ गई। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मै अर्ज कर रहा था कि मै पिछली बातें नही करूंगा और अभी कहने का इतना कुछ है नही। अगर यह सरकार अच्छे काम करेगी तो हम इसकी तारीफ करेगे और अगर वे गलत काम करेंगे तो हम इनके विरूद्ध लड़ाई लड़ेगे। अध्यक्ष महोदय, अब मै एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में कहना चाहूंगा जो हरियाणा प्रदे ा की जीवन रेखा है। एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी अगर चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी हरियाणा की जनता को दिलवा देगे तो हम इन्हें देवता मान लेगे। चौधरी बंसी लाल जी ने यही हाउस के अंदर कहा था कि वे हरियाणा के अन्दर गंगा का पानी लेकरआयेगे तब मैने चौधरी बंसी लाल जी से कहा कि वे हरियाणा के अन्दर गाां का पानी हरियाणा में ले आयेगे तो मै अपने हाथ से आपके पैर धोकर पी लूंगा। अध्यक्ष महोदय, पंजाब के अन्दर बादल साहब मुख्य मंत्री है और हमारे यहां परचौधरी ओम प्रका ा

चौटाला जी मुख्य मंत्री है, चौधरी देवी लाल जी हैं इनका वादल साहब के साथ्ज्ञ एक परिवार का रि ता है। (विध्न)

श्री गोपी चन्दः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी भी तो अपनी अचीवमैंट्य के बारे में बताये। जब इनकी सरकार थी उसवक्त इनकी सरकार ने क्या किया?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथीगोपी चन्द ज पहल बार विधान सभा में आयेहै। इनको क्या मालू हमने क्या–क्या कार्य किये है? (विध्न)

श्री अध्यक्षः गोपी चन्द जी, प्लीट आप बैठिये।

श्री गोपी चन्दः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी जो बात कर रहे है उस बारे में हम इनसे भी तो पूछ ही सकते है कि इन्होने अपनी सरकार के वक्त में इस बारे में क्या किया? (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः गोपी चन्द जी, प्लीट आप बैठिये। जय प्रका ा जी, प्लीज आप भी बैठिये। (विध्न एवं भाोर)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, इस सदन में इसबार कई नये सदस्य चुनकर आये है। लेकिनवे अब तक जैसा गांव में माहौल देखा करते थे वैसा ही यहां पर करने की कोि ा ा कर रहे हैं सभी पार्टियों के नेता अपने इन नये साथियों को बता दें कि यह विधन सभा है। औरइ केस

डैकोरम को कायम रखना हम सबकी जिम्मेवारी है कोई भी सम्मानित सदस्य सम्मानित इसलिए कहा जाता है क्यों वहा यहां हाउस में पहुंच गया हैं इसलिए हम सब सम्मनित सदस्य है और हमें अध्यक्ष की अनुमति लेकर ही बोलै। अगर अपने आप ही खड़े होकर बोलेगे तो उसका परिणाम अच्छा नही होगा। जो लोग सदन की द र्क गैलरी में बैठे है वे लोग आपकी बातें सुन रहे है और देख रहे है। उन्होने सोचा था कि आप यहां आकर सुधार जायेगे लेकिन अब वे भी आपका व्यवहार यहां देखकर ऐसा सोचते होगे कि हममें गलती हुई हैं इसलि आप अध्यक्ष परमि ान लेकर ही बोले।

डा० जय प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, जा बात लीडर आफ दी हाउस ने कही है वह आत आप कह सकते थे, ये नही कर सकते थे।

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, चौटाला याहब ने जो बात सभी पाटियों के नेताओं से कही है, उस परसभी नेता चिंतन करें औरकिसी भीसदस्य को ऐसी बात नही कहनी चाहिए जिससे किसी को तकलीफ होती हो। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री महोदय से यह बात जरूर कहना चहूंगा कि 31 नये सदस्य इनकी पार्टी के है औश्र 8 नये सदस्य हमीर पार्टी के हैं ये आपने सदस्यों को काबू में रखे मै तो अपने 8 को रख लूंगा। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै अज्र कर रहा था कि एस0 वाई0 एल0 नहर जो हरियाणा प्रदे ा की जीवन रेखा है। इसका पानी हरियाणाम ें हर

ाहल में आना चाहिए। हम इस मामले में पूरी तरह से सरकार के साथ है। जहां कही भी हमारी जयरत हो, हमारे विधायकों की जरूरत हो,एजीटे ान करने की जरूरत हो, कही चलने की जरूरत हो तो हम बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेगे। अध्यक्ष होदय, हम इनका पूरा साथ देगे और इनकी मेहरबानी होगी अगर ये एस0 वाई0 एल0 का पानी हरियाणा को लाकर देगे। हरियाणा के लोगों को बड़ी परे ानी है और आधी से ज्यादा धरती सूखी पड़ी है, पीने कापानी नही हैं अध्यक्ष महोदय, अब बिजली की बात आती है,पूर्व मुख्य मंत्री श्री बंसी लाला जी 24 घण्टे बिजली देने का नारा दिया करत`थे औश्र कहा करते थे कि हम हरियाणाको 24 घण्टे बिजली देगे लेकिनसमझ नही आता कि ये चार घण्टे भी बिजलनी नही मिली। अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रका ा चौटाला की सरकार आने से पहले ये भी कहते थे कि हम बिजली, पानी मुफ्त देगे। अब पता नही कि ये ऐसा करनेवाले है या नही। अभी तक तो ऐसा हो नही पाया है। बिजली के उदारीकरण के लिए वर्ल्ड बैक ने जो लोन सैंक ान कियाथा, कहते है कि वह लोन भी कैन्सल कर दिया गया हैं ओर वर्ल्ड बैक हरियाणा को लोन नही देगा। सरकार को गुडविल के आधार पर ही वर्ल्ड बैंक या बिजनैस मैन लोन देते है। सरकार की गुडविल पर भूरा भरोसा हो कि वह स्कीम के आधार पर ठीक काम करेगी तभी लोन मिलता है। अगर गुडविल न हो तो कोई लोन नही देता।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः पंवार जी, कहिये, आपका क्या प्वाइट ऑफ आर्डर है?

श्री कृश्ण लालः सर, जैसा कि पूर्व मुख्य मंत्री श्री भजन लाल बिजली के सम्बन्ध में बोल रहे है, मै आकपे माध्यम से उनसे पूछना चाहता हूं कि (ाोर एवं व्यवधान) 1993 के अन्दर इन्होने एक अमरीकन कम्पनी जो कि नीरा कम्पनी के नाम से है उसको बिजली के प्राइवेटाइजे ान के लिए ढाई करोड़ रूपये दिये थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इनके ज्यादा पुराने सदस्य भी बीच–बीच में खड़े होकर बाल रहे है जो कि ठीक नही हैं

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इस सदस्य ने तो इनकी पुरानी बात याद कराई हैं

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसबात को तोसरकार ही देखे कि हमारी बात ठीक थी या नही। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, मै अर्ज कर रहाथा कि बिजली और पानी के बारेमें। फिर किसानों की बात आती है। किसान दे ा की रीढ की हड्डी है। गवर्नर एड्रैस में एक पैरा तो किसानों के बारेमें डाला है। लेकिन क्या क्या योजना है ओर किस योजना पर कितना पैसा खर्च करेगे,

ऐसा कुछ भी नही हैं ग्रामीण विकास योजना पर चर्चा तो डउाल दी लेकन ऐसा कुछ नही दिखाया कि देहातों में रहने वाले किसान भाईयों, रिजन भाईयों, बाल्मिकी भईयों और छोटे दुकानदार भाईयों के लिए क्या कुछ करना है, ऐसा कुछ भी जिक्र नही है जो कि होना चाहिए था। इसके अलावा अध्यक्ष होदय, इसरकार ने 29 नगरपालिकाओं को भंग कर दिया है जब कि पंचायत के चुनाव चालू है। इसलिए इन नगरपालिकाओं को भी फिर चालू किया जाए, जो कि जरूरी है क्योंकि लोगों में बड़ा भारी रोश है।

अध्यक्ष महोदय, कुछ ऐसे प्रोजैक्टस भी थे जिन पर पहले से काम चल रह ाथ। अब इन प्रोजैक्टस को इस अभिभाशण में कोई जिक्र नही किया गया। इसी प्रकार से ि ावाललि डिवैल्पमैंट बोर्ड जेा गनाया गया था उसकस भी इस अभिभाशण में कोई जिक्र नही किया गया है ं ि ावलालिक डिवै्ल्पमैंट बोर्ड जो बनाया गया था उसका भी इस अभिभाशण में कोई जिक्र नही किया गया हैं ि ावालिक डिवैल्पमैंट बोर्ड इसलिए बनाया गया था ताकि इस पहाड़ी एरिया को उन्नत किया जा सके और इसे सुन्दर बनाया जा सकें। ऐसे कुछ और जो प्रोजैक्टस है जिनका इस अभिभाशण में कोई जिक्र नही कियागया हैं स्पीकर साहब, अन्त में मै केवल इनता ही कहनाचहूंगा कि अभीअभी यहनई सरकार बनी है। आन`वाले समय में सरकार के कार्य देखेगे। इसके बाद जो छः महीने बाद सै ानहोगा उसमें खुलकर विार रखेगे ताकि तब तकसरकार को भी अपना कार्य करने का मौका मिल सके। अब मै

ज्यादा न बोलते हुए निवेदन करता हूं कि मेरा समय भ्झी आप हमारे जो नए विधायक आए है, उनको दे दिया जाये ताकि वे भी अपने विचार खुलर कर सदन में रख सकें। धन्यवाद।

श्रीमती अनीता (साल्हावास): माननीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मै आपका धन्यवाद करती हूकि आपने मुझे राज्यपाल महोदयके अभिभाध्या परबोलने का अवसर दिया। मै इस अभिभाशण पर चर्चा करते हुए सरकार के नोटिस में कुछ मुद्दे लाना चाहूंगी जिन पर सरकार को उचित ध्यान देकर काम करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहती हूं कि सरकार ने जो एक स्कीम हरिजन की लड़कियों की भाादी के लिए बनाई हुई है कि किसी हरिजन लड़की की भाादी हेागी तो सरकार की तरफ से उसकसे 5100 रूपये दिए जाएंगे। इस बारे में मै आपके माध्यम से कहना चाहती हूंकि एक एक गांव में एक दिन में तीन तीन हरिजन लड़कियों की भाादियों हुई है लेकिन किसी को कोई पैसा सरकार की तरफ से नही मिला। इसबारेमें हम अधिकारियों के पास चक्कर लगाते रहे लेकिनहमारी किसी ने नहीसुनी जिस वजह से उस गरीब हरिजन भाईयों की कोई मदद नही हो पाई। सरकार जो कह रही हैं कि हम हरिजन की भलाई के लिए काम कर रहे है, सरासर गलत है हमारे एक माननीय साथी ने जो यह कहा कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत हमारे एरिया में कोई अधिकारी नही पहुंचा। कभी–कभार कोई एस0 डी0 एम0 या डी0

एस0 पी0 किसी गांव में पहुंचा भी तो वह भी चाय आदि पीकर वापस आ गया लेकिन उन्होने भी लोगों की समस्याओं को निपटाने में कोई कार्य नही किया। मै आपके नोटिस में लाना चाहूंगी कि लोगों के छोटे–छोटे कार्य जैसे ड्राईविंग लाईसेंस या डेमिसाइल सटिफिकेट बनवाना हो तो वह भी नही हो पा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यमसे कहना चाहूंगी कि आज कि दिन हरियाणा प्रदे ा में और खासकर मेरे हल्के में सड़कों की बहुत ही खस्ता हालत है। सड़कों पर गढ्ढे नजर आते है। उन सड़कों पर बड़े–बड़े होल बने हुए हैं मेरे हल्के मे किसी सड़क पर आज तक तारकोल तो दूर कोई रोड़ी त नही डाली गई। वहां पर सड़कों की ऐसी हालत है कि आप अपनी गाड़ी दूसरे गेयर से तीसरे गेयर में डाल कर नही ले जा सकते।

अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा में आज के दिन ला एण्ड आर्डर की स्थिति बहुत ही चिन्ताजनक बनी हुई है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार की जानकारी के लिए बताना चाहूंगी कि मरे हल्के में एक पुलिस स्टे ान के तहत एक डकैती डाली गई। उस डकैती का आत कि कोई पकका सुराग सरकार नही लगा पाइ। वहां पर 5 पिस्तौल एक कारतूसों से भरा थैला तो बराबर किया गया लेकिन उस केस में सिर्फ एक महिला को गिरफ्तार किया गया है बाकी किसी को नही किया गया, जो दूसरे पकड़े एक थे उन सब को बरी कर दिया गया। इससे साफ पता चलता है कि आज के दिन हमारे प्रदे ा में ला एण्ड आर्डर की स्थिति

बहुत खरबा है। इसी वजह से आज के दिन भााम के वक्त महिलाओं को अपने घर से निकलना बहुत ही दूभर हो गया हैं जिन लोगों ने हमें वोट दिए थे उनको धमकाया जा रहा है। मेरे हल्के के जिन बनियो भाईयों ने मुझे वोट दिए थे उनको डराया धमकाया जा रहा है। कि आप लेागों ने कांग्रेस को वोट क्यों दिए? वे लोग डर के मारे किसी से कुद नही कर पा रहे है। इसी प्रकार से महिलाओं में भी बराबर कर डर बना हुआ है। (विध्न)

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री सुभाश चन्द्र): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर हैं माननीय सदस्या जिस ढंग से बोल रही है वह ठीक नही है, इन्हे तमीज से बोलना चाहिए। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै आकपे माध्यम से बात कर रहा हूं और इनसे कह कहना चाहूंगा कि इन्हे ठीक तरीके से बोलना चाहिए। (विध्न एंव भाोर)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। ये मंत्री है और इनको किसी मैम्बर को बीच में नही टोकना चाहिए, जबइनका वक्त आएगा तो ये जवाब दे लें। (विध्न)

श्री सुभाश चन्दः अध्यक्ष महोदय, मै जानता हूं कि इनकी पहली स्पीच है इसलिए मै इनकी स्पीच में इनको टोकना नही चाहता। मैने आपके माध्यम से केवल इतनी ही ात कहनी कि इन्होने बनिया जाति की बात कही है इलिए मुझे बीच में बोलना पड़ा। (विध्न)

श्रीमती अनीताः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहती हूंकि भाहीदों को दी जाने वाली रा ि। क्याकेवल चुनाव तक हीथी? आज वह रा ि। कहां चली गई है? इलैक्क्शन के बाद वह किसे मिल रही है? मुख्यमंत्री जी की तो बात छोड़िये, कोई मंत्री भी आज उनको पूछने के लिए आता है, क्यो वे भाहीद नही है? क्या वह मात्र चुनावी वायदा ही था? उसके बाद कोई सरकारी अफसर तक भ उनके हाल–चाल पूछने के लिए नही गया। (विध्न)

जहां तक नालों की समस्या के बारें में सम्बन्ध है, इस बारें में मै कहना चाहूंगी कि साल्हावास क्षेत्र मे ंनहर का पानी नही चल रहा हैं लेकिन जब फसल पक कर तैयार खड़ी है तेा फसल पकाने के नाम पर वहां नहरों में ज्यादा पानी छोड़ दिया गया। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी तथा सदन को बताना चाहूंगी कि इसवक्त कईगांवों में पानी खड़ा है जिससे फसल को नुकसान हुआ है इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि उन किसानों को फसल का मुआवजा दिया जाए और जिन खेतों मे पानी खड़ा है उस पानी को खेती से निकलवाने का प्रबन्ध किया जाए ताकि किसान अगली फसल वहां पर बो सकें। अध्यक्ष महोदय, बिजली और पानी की बात बार–बर कही जाती हैं मै सरकार का ध्यान पीने के पानी की तरफ दिलाना चाहती हूं। कई गांव ऐसे है जहां पर पीने के पानी की भारी दिक्कत है औरवहां पर पीने का पानी उपलब्ध नही हैं कई बड़े–बड़े गांव है

जहां पर पीने का पानी नही है वहां पर एक कैण्टर आता है ओर 3 रूपये एक पानी के घड़े का लिया जात है। जो आदमी तनी रूपये का घड़ा लेकन पानी पिएगा उसका गुजारा कैसे होगा और उसको नहाने ततथा कपड़े धाने के लिए पानी कहां से उपलबध होगा?

श्री अध्यक्षः आप उन गांवो के नाम बताए जहां पर पीने का पानी नही मिल रहा है।

श्रीमती अनीताः मातन हेल और उसके सथ लगते कई बड़े–बड़े गांव है जहां पर पीने कापानी उपलब्ध नही हैं (विध्न) अध्यक्ष महोदय, जब तक चुनाव नही हुएथे तेा मुख्य मंत्री जी वायदा रकते थे कि मुफ्त बिजली पानी देगे। हमरे हल्के में लोगों ने बिजली क बिल नही भरे जिसकेकारण हमारे बिजली के कनैक ान्ज कटे पड़े हैं मेरे अपने टयूबवैल का बिल 20 हजार रूपये का था जो कि मैने नही भरा औश्र हमारा कनैक ान भी कटा हुआ हैं अध्यक्ष महोदय, मै आकपे माध्यम से यह कहना चाहूंगी कि मुख्यम ंत्री जी को इस प्रकार की घोशणाएं नही करनी चहिए। सारे हरियाणा को खु ाहाल बनाने की बात होनी चाहिए। ऐसा नही होना चाहिए कि मुख्यमंत्री की बढ़ाई कर दी ओर दो–चार मंत्री बन गए। इस तरह से काम नही चलेगा। अध्यक्ष महोदय, सारे हरियाणा के विकास की बात होनी चाहिए। इन्ही भाब्दों के साथ मै अपनी बात समाप्त करती हूं और अपना स्थान ग्रहण करती हूं।

श्री गोपी चन्द (गुड़गांव): माननीय अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो कल अभिभाशण दिया वह वास्त में बहुत ही सराहनीय है तथा उसमें एक नई दिशा जनता के लिए दी गई हैं हरियाणा की जनता के लिए बहुत सी बातें इसमें रखी गई हैं मै वि ोशकर गुडगांव के बारें में कहनाच चाहूंगा क्योंकि मेरी नुमाईन्दगी गुडगांव से है इसलिए मै उसके बारे में कुछ बातें रखूंगा क्योंकि गुडगांव एक औद्योगिक क्षेत्र है। (विध्न) मै अपनी बात रख रहा हू। अध्यक्ष महोदय, अगर मेरे से ोई गलती हो जाए तो मै उसके लिए माफी चाहूंगा। यहां औद्योगिक विकास की गति को बढ़ाया गया है। इन सात महीनों में विकास की गति को काफी बढ़ावा गया है वह बहुत ही सराहनीय है ओर प्रसं ानीय है। अध्यक्ष महोदय, जहां लोग उद्योग के लिए प्लाट लेने के लि कई कई महीने इन्तजार करते रहते थे लकिन आज आप जब चाहें प्लाट के लिए अप्लाई कर सकते है और अब उससे अगले दिन ही उसको प्लांट दे दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, गुडगांव में सी0 ए0 यू0 को रेट्स बढद्या दिए गऐ थे जिससे उद्योग पलायन करने लग गए थे। मेरी सरकार से मांग है। कि जो सी0 एल0 यू0 के अनाप– ानाप रेट बढ़ाए गए है इनमें भी कुछ राहत दी जाए। एच0 एस0 आई० डी0 सी0 और हुड्डा ने हमें बहुत ही रगड़ा मारा है। एच0 एस0 आई0 डी0 सी0 ने हमारे यहां पर जो विकास के कार्य करने के लिए कहा था। मै चाहूंगा कि सरकार उस बारे में पता करके बताएं कि उन विकास कार्यो का क्या हुआ है? सरकार किसानों की जो जमीन ले लेती है उसके बदलते में उनको कोई

जमीन दे ताकि वे दोबारा से बससकें। उस जमीन से उनके बच्चं को चाहे वे दलित है, पिछड़े वर्ग के लोग है या दूसरे लोग है उनका गुजारा चलता था। उनकी जमीन सरकार द्वारा ले लिए जाने पर वे कुछ नही करते है। मै यह कहूंगा कि 50 प्रति ात के करीब उनका नौकरियों दी जाएं। वहां के जो भाम ाान है मन्दिर है और जो दूसरी जमीन है उस पर कब्जा कर लिया जाता है। हुड्डा को नए सैक्टरों को बसाने की जो बीमारी है उसका एक एडीए ान है 'Harassment until death to allotee.'

अध्यक्ष महोदय, जो गन्ने के रेट्स बढ़ाए गए है वह बहुत ही प्रसं ानीय कार्य है। इतिहास में ऐसे रेट्स कही पर भी नही मिलेगें इन्होने जो मुआवजा माफ करने की बात कही थी उस बारे में सर्वे किया गया तो यह कहा गया था कि इसमें 100 परिवार ही आते हैं जिनका कर्ज माफ नही हुआ था। मै आपको यह बताना चाहूंगाकि 17 गांवों के 1000 के करीब ऐसे परिवार है जनका मुआवजा माफ नही किया गया हैं अध्यक्ष महोदय, इस सरकार से पहले की सरकार के वक्त में मन्दिर, भाम ाम और दूसरी जगहों की भूमि अधिग्रहण कर ली जाती थी ओरबाद मे अहसान करके थोड़ी–थोड़ी भूमि छोड़ दी जाती थी या पैसा लेकर के छोड़ी जाती थी। मेरी आपसे यह प्रार्थना है कि जो खाली जगह है उसको ही लिया जाए, भाम ाान ओर मन्दिर आदि की जमीन छोड़ दी जाए। आज भाहरें में बड़ी बड़ी इमारते बन रही है। हर भाहर कंक्रीट का भज्ञहर बन रहा है। वहां पर जो तीन

दर्जन गावं है वे आज स्लम बनते जा रहे है। मै पूछना चाहूंगा कि पिछले आठ सालों में कितने गांवों को विकास करने के लिए एडाप्त नही किया गया। जो पहले से ही एडोप्टेड गांव थे उनमें भी विकास के काम नही करवाए गए इसलिए वे आज स्लम बनकर रह गये है। मेरा सरकार से कहना है कि उन गांवों को स्लम न बनने दिया जाए बल्कि हुड्डा का वहां पर एक एस0 ई0 बिठाया जाएं। उन सभी गांवों में वैसी ही सुविधाएं जाएं जैसी वहां पर हुड्डा के कसैक्टर्ज में दी जा रही है।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्थानीय स्व ाासन की बात है, मै यही कहूंगा कि भाहरों की तरफ बहुत ध्यान दिया गया है। वहां पर आज ाजे अनअथोराइज्ड कालेनीज है उनको अनअथोराइज्ड न कहा जाए बल्कि उनमें पूरी सुविधाएं दी जाएं क्योंकि वे कालीनज वर्शो से बसी हुई है। इसी तरह से वहां के स्लम क्षेत्र के लिए वि ोश पैसा दिया जाए।

वैसे तो ऐजुके ान की तरफ काफी ध्यान दिया गया है ओर अभिभाशण में भी सौ से अधिक प्राइमरी स्कूल खोलने की बात कही गयी है परन्तु ऐजुके ान के मामले में यदि कोई जिला सबसे पिछड़ा है तो वह गुडगांव है। गुड़गांवा का मेवात एरिया ऐजुके ान में बहुत पीछे है। इसके लिए मै किसकों दोश दूं। अध्यक्ष महोदय, सन 1969 के बाद गुड़गांव बहुत बढ़ा है लकिन वहां र एक भी नया ऐजूके ान इंस्टीच्यूट नही खोला गया है। पिछले 41 सालों में वहां पर कोई नया मैडीकल कालेज नही

खोला गया और न ही लड़कियों के लिए कोई नया तीसरा कालेज खोला गया है इसलि मेरी सरकार से मांग है कि वहां पर एक मैडीकल कालेज एवं रीजनल सैंटर खोला जाए जिसमें उपरोक्त सभी तरह के कालेज हो। इसी तरह से एक डिग्री कालेज भी वहां पर खोला जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, गुड़गांव में कम्पयूटर की सबसे ज्यादा मांग है। लेकिन मुझे दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि गुड़गांव के साथ इस मामले में भी भेदभाव बरता गया है। पिछले साल विदे ी सहायता से लड़कियों के लिए जो कम्पयूटर कोर्सिज भाुरू किये गये थे, गुडगांव उसमें भी अभागा रहा क्योंकि वहां पर कम्पयूअर कोर्सिज भाुरू नही किये गये। मै चौटाला साहब को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होने गुडगांव की जनता की मांग पर अपने सात महीने के भाासनकाल में वहां पर कम्पयूटर कोर्स खोले जिसमें 120 बहनों को दखिला दिया गया। जिन जिन क्षेत्रों में भी गुडगांव के साथ भेदभाव किया गया है उनकी तरफ वि ोश तवज्जो दें।

अध्यक्ष महोदय, अब मै स्पोर्टस की बात कहूंगा क्योंकि यहां पर कई स्पोर्टसमैन भी है ओर मै भी स्वयं स्वोर्टमैन रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, 13वे ऐि ायाड में जिन खिलाड़ियों में जो भारतीय महिला हाकी टीम की कप्तान प्रीतम ठाकरान नाम की खिलाड़ी थी वह मेरे ही गांव की थी लेकिन अफसोस यह देखकर हुआ कि छोटे–छोटे राज्यों ने भी अपने खिलाड़ियों को सब कुछ दिया लेकिन हरियाणा ने अपने इन खिलाड़ियों को सम्मानित नही

किया। लेकिन अब मुझे फख्र है कि प्रीतम ठाकरान को पूरे हरियाणा का मौडल देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष महोदय, गुड़गांव के स्पोर्टस के नाम पर बाबा आदम के जमाने का एक नेहरू स्टेडियम है। मुख्यमंत्री जी ने गुड़गांव की जानता की मांग पर एक स्पोर्टस कम्पलैक्स का उद्घाटन किया है मै इसके लिए उनको बधाई देना चाहता हूं। जाहं तक उसमे ंऐस्टो टर्फ स्थापित करने की बात थी उसको भी सरकार ने माना है जोकि एक अच्छा कदम है। मै सरकार को इसलिए भी बधाई देना चाहूंगा कि पिछले चार वर्शो में पहली बार हरियाणा में खेल उत्सव आयोजित किया जा रहा है।

अब खेल उत्सव आयोजित करके खेलों को प्रोत्साहन देने का अहम कदम उठाया गया है मेरी सरकार से यह मांग है। कि हमारे यहां जो 45

एकड़ क्षेत्र में स्पोर्टस कॉम्पलैक्स बना हरे है उसके साथ साथ पटियाला की तर्ज पर एक स्पोर्टस कालेज भी बनाया जाए जहां पर एन0 आई0 एसण की क्लासिज चलाई जा सकें।

टब मै रोड्ज का जिक्र करना चाहूंगा। दिल्ली से गुडगांव तक रोडज की वह हालत होती थी जो देखते ही बनती थीयह हालत किसीसे दुपि नही थी उसमे ंकाफी सुधार हुआ है। मेरी तो यही मांग है कि मेरे गुडगांव क्षेत्र मे ंखंडसा रोड है जिसमें बहुत बड़ी मंडी लगती है, 3–4–5 वार्ड लगते है, 30

वरसैंट भाहर की आबादी है और 10गांव है इसके बावजजूद भी किसी ने पिछले दो साल से इस रोड़ को ठीक करने की जरूरत नही समझी। स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से गुजारि ा करनाच ाहूंगा कि मेरे हल्के की खांडसा रोड का टॉप प्रायोरिटी पर ठीक करवाया जाए। सरकार का खजाना भ्ज्ञरने में हमे ाा गुडगांव आगे रहता है। लेकिन हमारे यहां आज तक मिनी सैक्रेटेरियट नही है। एक आफिस कहीं है और दूसरा कही है। मेरी सरकार से गुजारि ा है कि गुडगांव जैसे महत्वपूर्ण जिले में जो कि दिल्ली के नजदीक है वहां भीघ्र मिनी सैक्रेटेरियट बनना चाहिए ताकि सभी ऑफिस एक छत के नीचे आ सकें ओर वहां की जनता को अपनी कार्यो के लिए इधर–उधर न जाना पड़े।

अध्यक्ष महोदय, अब मै ट्रांसपोर्टे ान के बारें में कहना चाहूंगा। हमारे यहां की ट्रांसपोर्टे ान की हालत किसी से छुपी नही हैं हम दिल्ली का बोझ सहन करते है। हमारे यहां ट्रांसपोर्टे ान की बाहत जरूरत है। मेरा तो पुनः यही निवेदन है कि इस रोडवेज को बचा लो।

आज ला एण्ड आर्डर सबसे अहम बात है। अब तक इसका सबसे ज्यादा खामियाजा हमारे गुडगांव का भुगतानपड़ा हैं गुडगांव में बैक लुटे, डाकखाने लुटे, मर्डर हुए और उसके विरोध में जब हम जैसे लोगों ने आवाज उठाई तो हम पर गोलिया चलाई गई। डी–गैंग गुड़गांव के सभ प्रमुख व्यापारियों को धमकिया देती थी कि इतना पैसा नही दोगे तो यह कर दिया

जाएगा, वह कर दिया जाएगा। गुडगांव ही नही बल्कि पूरे हरियाणा प्रदे ा की कानून व्यवस्था का दिवाला पिट गया था। पिछले कुछ महीने से मामला कुछ सुधरा है लेकिन यह इसी तरह से रहे बल्कि इसमें कुछ ओरसुधार लाने की आव यकता है। जहां तक विकास की बात है, दिल्ली के नजदीक हम है। चहो फूलों की खेती का मामला हो या होर्टीकल्चर का हो, गुड़गांव से दिल्ली की मंडी नजदीक है ओर हमारेयहां खपत भी है इसलिए इस दि ाा में काम किया जाए। इस अवसर पर मै यदिमेवात के बारे में जिक्र नही करूंगा तो अपने फर्ज से कोताही करूंगा। हमारेसाथी कह रहे थक विधान सभा में पारदि ार्ता नही ळै तो मै तो यह कहना चाहूंगा कि पहलेसे तो अब बहुत अच्दी सिचुए ान हैं मेवात में जब महामारी आई थी उस वक्त 9 हजार आदमी उस महामारी में मरे थे। उस समय चौकीदारों के रजिस्टर छुपा लिए गए थे हम लोगों ने घर घर जागर मृत लोगों की लिस्ट तैयार की थी और लीडर आफ दि अपोजी ान ने जब लिस्ट सदन के पटल पर रखनी चाही तो उसे रखने नही दिया गया और ये लोग पारदि ार्ता की बात करते है। मै गुजारि ा करूंगा कि मेवात ने आपकी झोली भरी है इसलि मेवात क्षेत्र का आप बहुत ध्यान रखना। मेवात सबसे पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। इसलिए इसका आप विकास में प्राथमिक देना। नहरों के बारे में कहना चाहूंगा कि हमारे यहां मेवात कैनाल हैं उसके बारे में हम बहुत कुछ कहते रहे मगर उस पर कोई काम नही हुआ है। हम उम्मीद करते है कि मेवात कैनाल पर अब काम होगा। माननीय चौधरी भजन लाल जी

इस सरकार की कारगुजारियों के बारे में कुछ कहर रहे थे तो मै तो यकही कहूंगा कि अभी इस सरकार के कार्यो का मूल्यांकन उचित नही होगा। मै तो सड़कों पर घूमने वाला आदमी हूं और बी0 ए0 तक इतिहास का स्टुडैंट रहा हूं। इतिहास में सबसे कम समय में सबसे ज्यादा काम करने के लिए भोर ाह सूरी का नाम जाना जाता है। उसक वक्त सबसे कम समय में सबसे ज्यादा काम करवाए है तो वह चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने पिछले सात महीने में करवाए है। मै तो यही गुजारि ा करूंगा इस सदन में महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण पढ़ा है, सभी आपस में मतभेद भुलाकर इस अभिभाशण को थम्पिंग मैजोरिटी से पारित करें। धन्यवाद।

श्री भगवान सहाय रावत (हथीन): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, ने इस सदन को अभिभाशण के माध्यम से सम्बोधित करके हमें कृतज्ञ किया है। आजउनके अभिभाशण पर चर्चा चल रही है। मै इस अभिभाशण के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। और अपने दृश्टिकोण से इस सरकार की जो उपलब्धियां रही है ओर इस अभिभाशण में सरकार का जो संकल्प है उसके बारें में अपेन विचार व्यक्त करना चाहूंगा। साथ ही मै इस सरकार से स्थानीय स्तर पर, जिला स्तर परऔर प्रदेश स्तर पर जो अपेक्षाएं है उनका भी अपने भाशण के माध्यम से समावे ा करना मेरा नैतिक कर्त्तव्य बनता है। सर्वप्रथम तो मुझे इसबात की खु ाी है कि आज चौधरी देवी लाल जी के पद

चिन्हों परचलते हुए चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेकर पहलीबार इस सरकार को सहकारिता व रचनात्मक दृश्टि से वोटिंग के आधार पर निर्माण करवाया है उसके लिए यह सारा सदन, पूरा हरियाणा और हम वि ोश रूपय ेस उनके आभारी है। इस बात का श्रेय वर्तमान सरकार को औरमाननीय मुख्यमंत्री जी को जाता है। कि उनके नेतृत्व में जो चुनाव हुए वे भाान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए है। सरकार ने पहली बार इस प्रदे ा में वोटिंग म ाीन के द्वारा चुनाव करवाये इसके लिए यह सरकार बधाई के पात्र है। मै यहां पर एक पंक्ति और जोड़ना चाहता हूं कि जब भी इस प्रदे ा में कोई चुनाव हो सरकार उसमे ंवोटिंग म ाीन का उपयोग करें तो सभी दिककतों से छुटकारा मिल जायेगा यह मेरा सरकार से निवेदन है। जैसा कि आदरणीय चौटाला साहब ने एस0 वाई0 एल0 नहर के निर्माण के बारे में अपने भाशण में उल्लेख किया ओर माजरासाहब ने जो भी इसबात का उल्लेख किया और हमारे आदरणीय साथी श्री गोपी चन्द गहलोत ने भी हरियाणा प्रदे ा की सिंचाई की व्यवस्था के बारे में खासकर दक्षिणी हरियाणा के मेवाम क्षेत्र की मेवात कैनाल के बारें में जिक्र किया। वे आगरा कैनाल को भाायद भूल गये। इसके बारेें में मै सरकारसे अनुरोध करना चाहूंगा कि एस0 वाई0 एल0 के निर्माण के बारे में यह सरकार संकल्प ले ओर साथ में विपक्षी पार्टियों के नेताओं के बारे में आग्रह करें यह मेरा व्यक्तिगत सुझाव है। इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहूंगा कि इस प्रकार की निरर्थक बातों में पड़ते हुए कि पहली सरकार ने

यह नही किया वह नही किया सीधे ही एक प्रस्ताव पारित करते तो मेरे ख्याल से उसके लिए यह सारा सदन और हम सब इस बात के लिए तत्पर होगे। अध्क्ष होदय, मै अगर पिछले भाासनकाल के समय ही और चौटाला साहब के अब के भाासनकाल की उपलब्धियों के बारे में वर्तमान और भविश्य की उपलब्धियों के बारे में जिक्र करूं तो भायद इस सदन में काफी समय लग जायेगा। परन्तु इस बात की पुश्टि हमें चुनाव के दौरान देखेने को मिली। जब हम चुनावों के मैदान हरियाणा प्रदे ा के गांवों में जाते थे तेा हर गांव का पांच साल काबच्चा भी चौधरी देवी लाल जी के नाम सेपरिचित था औरजो प्रत्या ी वहां परचुनाव लड़रहे थे उनमें वे चौधरी देवी लाल जी छवि को देखकर हर गांव का बच्चा उनका नाम ले रहा हथा। इसके बाद मै बुढ़ापा पैं ान के बारे में कहना चाहता हूं। पा चात्य जगत के जो बुद्धिजीवी बनते है ओर जो कम्पयूनिस्ट डोमीनेटिड दे ाों में रह रहे है उन्होने भी इस समान दृश्टिकोण को नही अपनाया जो चौधरी देवी लाल जी ने बुढ़ापा पैं ान सम्मान स्वरूप बुजुर्ग लोगों को देकर एक अह्म कार्य किया है। मै चौटाला साहब का आभारी हूं कि उन्होने बुढ़ापा पैं ान को दुगना कर दिया है और दूसरी विकलांग पैं ानओर बेरोजगारी भत्ते को भी बढ़ाया है। मै तो यहां तक कहता हूं कि भगवान चौधरी देवी लाल जी की लम्बी उम्र दे और वे 100 साल तक जियें जिनहोने बुजुर्ग लोगों को बुढ़ापा पै ान जैसा सम्मान दिया। मै तो चौटाला साहब से अनुरोध करूंगा कि वे इस बुढ़ापा पैं ान को हर साल 100 रूपये बढ़ाते रहे तो इससे ज्यादा और

जन कल्याणकारी कार्य कोई हो नही सकता। चौधरी बसी लाल जी भाायद सदन में मौजूद नही है परन्तु उनका एक विधायक तो भाायद मौजूद होगा। मै चौधरी बंसी लाल जी को इससमय याद दिलाए बगैर नही रह सकता क्यों उनके भाासनकाल में जब उन्होने भारब बंदी लागू की तो इस दे ाका भविश्य ओर दे ा की जिम्मेवारी जिन नौजवानों के कन्धों परह होती है वे अपने कर्त्तव्य निश्ठा से अलग हटकर भाराबं बदी की आड़ में तस्करी के विना ाकारी मार्ग परचले पडत्रें क्येांक उनके भविश्य का अपना दुश्टिकोण नही था। मै समझता हूं उस वक्त हमारे विपक्ष के साथियों ने औरविपक्ष के नेता ने और आर्यसमाज जैसे समाजिक संस्थाओं ने इसकी सराहना की थी। लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि भाराबबंदी के पीछे एक सूक्ष्म दुश्टि छिपी हुई थी जिसको आप सभी जानते है। कि भाराब बंदी के बाद नौजवान पीढ़ी रास्ता भटककर नाजायज भाराब बेचने के धन्धे में फस गई थी। बूढे मां–बाप जिनको आंखों से अपने बच्चो के भविश्य का सुन्दर सपना था, अपने बच्चों को गरीबी की मार के कारण आत्मनिर्भर नही बना पए थे। बेरोजगारी से विव ा होकर अपने बच्चों को ऐसा करने से रोक नही पपए। ऐसे नौजवानों पर पिछली सरकार ने मुकद्दमें बना दिए थे। ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार ने आते ही उन सारे केसिज को वापिस लेकर उनके साथ बहुत न्याया किया हैं मै समझता हूं कि परमात्मा ने उन्हें एक मौका दिया है। कि वे अपने आप को आत्म निर्भर बना सकें और दे ा के निर्माण में अपनी भूमिका अदा कर सकें अध्यक्ष महोदय, इसके

अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि आदरणीय चौधरी ओम प्रका ा चौआला जी के नेतृत्व में बनी हमारी पार्टी की सरकार का यह संकल्प है कि हरियाणा प्रदे ा पूरी तरह से बाढ़ रहित प्रदे ा बने। हमारे मेवात और हथीन क्षेत्रों में ऐसे बहुत से इलाके है। जहां पर सेम ओर बाढ़ की भयानक समस्या है।, उन इलाकों के बारे में माननीय सदस्य श्री गोपी चन्द जी ने भी सदन में बोलते हुए बताया था कि मेवात ऐरिया में बाढ़ आई थी तो उस समय चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री थे ओर उन्होने वहां किसानों को उनकी खड़ी फसलों का मूल्य देकर एक बहुत ही अच्छा काम किया था उसके बाद परमात्पमा की कृपा से मेवात एरिया में आज तक बाढ़ नही आई है। मै एक बात और कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदे ा के 40–45 वर्श के भाासन के बाद भी यहां पर निरन्तर बाढ़ और सूखा दोनों साथ–साथ चलते है। एक दीर्घगामी योजना बनाई जाए जिसमें बाढ़ के पानी को बाहर निकालने की व्यवस्था हो जाए दूसरी तरफ सूखे की स्थिति से निपटा जाए। पिछली सरकार की उपलब्यिों को भी मै जिक्र करना चाहता हूं कि पिछली बार बाढ़ और सूखे से दक्षिणी हरियाणा में जो स्थिति हुई थी उसको चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार ने बखूबी निपटाया है। पिछली सरकार की तुलना मे ंसेसबे ज्यादा बिजली काउत्पादन और डिस्ट्रीब्यू ान इस प्रकार के समय मे हुआ है। कई ऐसी उपलब्धियां है जिनके ऊपर जितनी चर्चा की जाए उनती थोड़ी है और यदि यदि चर्चा न की जाए तो मै समझता हूं कि अपने कर्त्तव्य के प्रति कोताही होगी। अग्रोहा मैडिकल कालेज

उनमें से एक है। मै समझता हूं कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व में 36 बिरादरी के लोग है। चौधरी देवी लाल जी का अपना व्यक्तित्व है जो आज जगत ताऊ के रूप में प्रसिद्ध है। और हरियाणा में बैठे हुए जितने भी राजनीतिज्ञ है, वे उनके राजनीतिक गुरू है। मै गर्व के साथ कहना चाहूंगा कि आधिकांश सदस्य चौधरी देवी लाल जी की देन है। चौधरी देवी लाल जी के चरणों में बैठकर जिनहोने ि ाक्षा ग्रहण की है, उस व्यक्तित्व के सामने हरियाणा नही बल्कि पूरा दे ा आज राजीनतिक दि ाा ले सकता है। इन्होने पिछली सरकार के द्वारा बन्द की गई अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट को बहाल करके अग्रवाल बिरादरी का जहां सम्मान बढ़ाया है वही पर इस हरियाणा के छात्रों को, हरियाणा की युवा पीढ़ी के मैडिकल स्टूडैट्स को 20वी सदी का तोहफा दिया है। 5100 रूपये कन्यादान की रा ि ा के रूप में देकर इस सरकार ने बहुत बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। आप सभी लोग इस बात को भली–भांति जानते है कि गरीब मां–बाप अपनी लड़की की भाादी योगय आयु होने के बाद कितने चिन्तित रहते है और सोचते है कि कोई उनकी मदद कर दे सरकार ने उसके घर जाकर 5100 रूपये की रा ि ा कन्यादान के रूप में दी, वह गरीब की बेटी की भाादी के लिए बहुत बड़ा सहारा होता है। अभी बहन अनीता जी कह रही थी कि वह कोरा झूठ है तो मै उनकी बात से असहमत होता हुआ कहना चाहूंगा कि भाई–बहन के रि ते से कोई पवित्र रि ता नही होता है। बाप–बेटी क रि ते से पवित्र कोई रि ता नही हेाता हैं हर मां–बाप की इच्छा होती है कि

उसकी बहर, उसकी बेटी अच्छी तरह से ससुराल जाए। इस कन्यादान योजना की इन्हें प्र ांसा करनी चाहिए थी। अगर बीच मे ंप्र ाासनिक दृश्टि से कोई बात हैं तो मुख्यमंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहिए था।

श्रीमती अनीताः अध्यक्ष महोदय, भगवान सहाय जी जो कुछ भी कह रहे है,वह गलत कह रहे है। यह पैसा नही मिल रहा है।

श्री अध्यक्षः मैडम प्लीट आप बैठिए।

श्री भगवान सहाय रावतः स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से बहन जी को कहना चाहूंगा कि ये इस तरह से मुझे बोलते हुए बची में रूकावट न डालें ओर जो कुछ भी कहें वह चेयर की अनुमति लेकर ही कहें। स्पीकर सर, जो 5100 रूपये की रा ि ा कन्यादान के लिए गरीबों को दी जाती है यह उनका बहुत बड़ा सहारा है। मै अपने विपक्ष के साथियों को बताना चाहूंगा कि मै किसी की भी अनाव यक प्र ांसा नही करता। जो बात सही होती है उसे सही कहता हूं ओर जो गलत होती है उसे गलत कहता हूं स्पीकर सर, बुढ़ापा पैं ान में प्र ाासनिक कमी की वजह से 70 साल के बुजुर्गो को तो पैं ान नही मिलती लेकिन जो 50 साल के या 55 साल के है उन्हें मिल रह है। इसी तरह से वोटर लिस्ट में भी कुछ प्र ाासंनिक कमियां है। स्पीकर सर, ये कमियां तभी दूर का सकती है जब स्थानीय नेता जागरूक होगें एक जागरूकता

का अभियान चलाया जाना चाहिए। जिसमें सभी जनता के प्रतिनिध, अधिकारी, गांव के सरपंच और पंच इकट्ठे हेाकर लेागों को जागरूक करें तभी लोगों को अच्छा दि ाा निर्दे ा मिल सकता है। स्पीकर सर, गन्ने के मूल्य में वृद्धि करके चौटाला साहब ने बहुत ही सराहनीय काम किया है क्येांकि गन्ना किसानो का प्रिय फसल होती है। ज्यादातर किसान गन्ने की बिजाई एक बार ही की जाती हैं दूसरी फसलों की तरह इसकी बिजाई बार–बार नही करनी पड़ती। किसान एक बार गन्ने की बिजाई करके नि ंचत हो जाती है ओर न ही गन्ने की फसल में रिस्क हेाता हैं स्पीकर सर, पिछली सरकार के वक्त में किसानों को गन्ने का उचित मूल्य नही मिला और किसान गन्ने को अपने खेतों में में ही जला देते थे। लेकिन चौटाला साहब ने किसानों को गन्ने का उचित मूल्य देकर सराहनीय काम किया हैं स्पीकर सर, मै मेवाल वैल्पमैंट बोर्ड के बारे में 3–4 बातें और कहना चाहूंगा जैसा कि चौधरी भजन ने कहा कि मेवाल डवैल्पमैंब बोर्ड कागठन उनकी सरकार के समय हुआ। सपीकर सर, जब 1987 में मै विधायक बनकर आया उस समय मेवात डवैल्पमैंट बोर्ड में 6 ब्लाक पड.ते थे और हथीन उनमें से एक है। उस वक्त चौटाला साहब मुख्यमंत्री होते थे। तब मैने उनसे निवेदन किया था कि चौटाला साहब आपकी अध्यक्षता में मीटिग होनी चाहिए, जिसमें मेवात डवैल्पमैंट बोर्ड की कार्य प्रणाली पर दृश्टि डाली जाये। स्पीकर सर, चौटाला साहब मुख्यमंत्री हाते थे। तब मैने उनसे निवेदन किया था कि चौटाला साहब ने तुरन्त मेरी बात स्वीकार करके सभीसम्मानित

मंत्रियों और अधिकारियों को बुलाकर इस बारे में एक मीटिंग की। स्पीक सर, चौटाला साहब ने उस समय अधिकारियों से पूछा था कि आप यह बताये कि पिछली सरकार ने हथीन में सिर्फ 2 प्रति ात पैसा ही खर्च किया था। स्पीकर सर, मेवात माड़ल स्कूल उस समय केवल दो ब्लॉक्स में ही होत`थे। मैने चौटाला साहब से आग्रह किया कि चौटाला साहब मेवात डवैल्पमैंटं बोर्ड पिछडे हुए इलाके के लिए बनाया गया है इसलिए हमारे यहां 6 के 6 ब्लॉकस में बराबर को बंटवारा होना चाहिए। स्पीकरसर, इस बात के लिए मै चौटाला साहब को बधाइ दूंगा कि उस समय इन्होन बजट को 6 हिस्सें मे प्रत्येक ब्लॉक के लिए 17 प्रति ात के हिसाब से पैसा दिया। चो वह हथीन हो, चाहू तावडू हो,चाहे फिरोजपुर झिरका हो, चाहे पुन्हाना ब्लॉक हौ। सभी ब्लॉक्स को बराबर हिस दिया गया था। स्पीकरसर, हमारे वहां ब्लॉक लैवल पर 2 माडल स्कूल होते थे। मैने इस बारे में उस समय चौटाला साहब से आग्रह किया कि सभी ब्लॉक लैवल पर 2 माडल स्कूल होते थे। मैने इस बारे में उस समय चौटाला साहब से आग्रह किया कि सभी ब्लॉक स्तर पर माडल स्कूल बनाये। चौटाला साहब ने हर ब्लॉक हैडक्वाटर पर 6 स्कूल खोल दिये। लेकिन पिछली सरकार ने दोबारा से डी0 पी0 एस0 के तहत इन 6 स्कूलों में से 2–3 स्कूलों को ही कंवर्ट किया। स्पीकर सर, मै फिरसे चौटाला साबब से आग्रह करूंगा कि वहां पर दोबारा से मेवात डवैल्पमैंट बोर्ड के तहत सभी स्कूलों को डी0 पी0 एस0 जो दिल्ली की सोसाईटी है उनहें उसके अंडर करने का प्रयास करें ताकि मेवात डवैल्पमैंट

बोर्ड के तहत हर ब्लॉक ठीक रूप से लाभान्वित हो सके। स्पीकर सर, मै एक ि ाक्षक रहा हूं और विधायक बनने का मुझे दोबारा अवसर मिला है, मै आपके माध्यम से यहां के जो सदस्य है, मंत्रिगण है और वि ोशतौर से मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि ि ाक्षक का मां–बाप के बाद तीसरा स्थान होता हैं इसदे ा का नव निर्माण महात्मा गांधी जी, जवाहर लाल नेहरू जी और चौधरी देवी लाल जैसी भाख्यिसतों ने किया जिनहोने भारत की आजादी के बाद पा चात्य सभ्यता और संस्कृति तथा भारत की सम्भ्यता और संस्कृति तथा भारत की सम्भ्यता और संस्कृति का वि ले ाण किया था। आज अगर मै एक ि ाक्षक और विधायक के नाते उनका वि ालेशण करूं तो हमारी सभ्यता और संस्कृति कही भी देखने को नही मिलती। हमारी प्राचीन गुरूकुल पद्धति में राजा और गरीब को बराबर ि ाक्षा ग्रहरण करने का अधिकार था और इसी कारण उनमें अच्छी संस्कृति होती थीवे माताएं भी ि ाक्षित होती थी तथा स्वयंवर की प्रथाएं होती थी। स्पीकर सर, संस्कृत सभी भाशाओं की जननी है। यह भाशा उस समय बगैर किसी जाति या साम्प्रदायिक भेदभाव के ि ाक्षा देने का माध्यम होती थी। मुझे राजा भोज की वह बात या हद आती है जब वहां के एक साधारण से आदमी ने राजा भोज को संस्कृति हमारी होती थी। आजादी के 40 साल के बाद आज मैं एक विधायक के रूप में और पहले ि ाक्षक के रूप में यह कहना चाहूंगा कि अगर इन 40 सालों में प्रदे ापर या दे ा स्तर पर ि ाक्षा नीति पर ध्यान दिया होता तो आज दे ा के नौजवानों को

वर्तमान और भविश्य और उज्जवत होता। यह बात मै बड़े गर्व के सथ कह सकता हूं। मै आज आदरणीय चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे दक्षिणी हरियाणा में एक यूनीवसिटी का अभाव है। यहां पर कुरूक्षेत्र यूनीवसिटी, हिसार यूनीवर्सिटी और रोहतक यूनीवर्सिटी है तथा रोहतक हमारे दक्षिण हरियाणा का एजूके ान सैन्अर रहा है। चौधरी साहब ने जब पलवल में दरबार लगायाथा तो वहां पर यूनीवर्सिटी खोलने का आ वासन दिया था। वही पर मेर पैतृक गांव है। और मै यह इसलिए नही आग्रह कर रहा हूं कि वहां पर मेरा गांव है बल्कि मै इसलिए आग्रह कर हर हूं किवहा पर 900 बीघा जमीन पडी हुई है उसमें से हम 200 बीघा या 400 बीघा जितनी भी जमनी चाहे यूनीवर्सिटी के लिए फ्री ओफ कोस्ट देने के लिए तैयार है। पंचायत की पहले भी जमीन देने की ऑफर थी और आज भ्झी है। इसलिए मै चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी से आग्रह करूंगा कि वहां पर रिजनल सैन्टर या एग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी की स्थापना की जाए। आज हाथ जोड़कर फिर मै चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी से आग्रह कर रहा हूं कि चौधरी देवी लाल जी आपक पिता है लेकिन वे जगत ताऊ भी है। वे हमारे मार्गद र्क है, वे इस सदनके अधिका ा राजनीति लोगों के गुय है ंवे हरियाणा प्रदे ा से प्रथम बार उप प्रधानमंत्री रहे ओर इस पद को सु ाोभित किया,वे स्वतंत्रता सेनानी हैं अरावली हिल्ज पर जब तक दुसरे काम होते है, जहां अरावली हिल्ज पर लाग प्रोपटी डिलिंग्ज तो कर सकते है लेकिन गुरूकुल जैसी संस्था ओर जवाहर लाल नेहरू

यूनीवर्सिटी के समान्तर एक यूनीवर्सिटी की मांग उनहोने कभी नही की। जवाहर लाल नेहरू यूनीवर्सिटी में हमारे आई0 ए0 एस0 औरआई0 पी0 एस0 तैयार होते है। हमारे उधर भी इसी तरह के रिजन सैन्टर की स्थापना आदरणीय चौधरी दी लाल जी के नाम पर की जाए जिससे सारे फरीदाबाद, गुड़गांव तथा दक्षिणी हरियाणा बल्कि मै यह कहूंगा कि समस्त हरियाणा लाभान्वित होगा और सभी विधायक गण भी मेरी इस बात से सहमत होगे। जवाहर लाल नेहरू यूनीवर्सिटी में पा चात्य सम्भ्यता और संस्कृति का थोड़ा प्रभाव है जो कि इसमें एक माइनस प्वाइंट है। ग्रामीण परवरि ा में पले हमारे बच्चे और बच्चियों चौधरी देवी लाल के द र्न में ग्रामीण आंचल में पैदा होकर ग्रामीण और धरती पुत्र के नाम से जाने जाते है। उनके भाुभ ग्रन्थ और उनकी जो थ्योरी है वह दे ा कोएक नई दि ाा देती है। उस रिजनल सैन्टर में बच्चे भाुभ ग्रन्थों पर अपने दृश्टिकोण से रिसर्च करेगे। हरियाणा की इस धरती पर जहां भाहीदों ने नाम कमाया है वहां हमारी युवा पीढ़ी ि ाक्षा के क्षेत्र में भी किसी से कम नही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि केनद्र में बाजपेयी जी की सरकार है और वे बहुत सात्वि प्रवृत्ति के हैं उनके सहयेाग से चौधरी देवी लाल जी के नाम परपलवल में एक यूनीवर्सिटी के रिजनल सैन्अर की स्थापना की जाए जिससे अरावली हिल्ज में बसने वाला पूरा गुड़गांव, फरीदाबाद, सारा दक्षिणी हरियाणा और मेवात काएरिया लाभान्वित होगा। दिल्ली में जो हवाएं चलती है जिसमें सारे भारत की नौजवान पीढ़ी बसी

तहै, वहां की लेटैस्ट टैक्नोलोजी, लेटैस्ट पुस्तके और सुविधाए इस रिजनल सैन्टर में उपलबध होसकती हैं हमारे हरियाणा की युवा पीढ़ी इस रिजनल सैन्टर का पूरा लाभ उठा सकेगी। अन्त में, आप सब का बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री नरेन्द्र सिंह (अटेली): अध्यक्ष महोदय, मै आपका आभारी हूं। कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा के लिए समय दिया। सेसबे पहले तो इस हरियाणा की वधिानसभा के चुनाव नजरिये पर नजर डालें तो पिछले लगभग 7 महीनेसे चौधरी ओम प्रका ा चौटाला के नेतृत्व में इनैलो–भाजपा गठबन्धार की सरकार जो कि 24 जुलाई 1999 से सत्ता में आई थी ओर आने के बाद लगभग 1 महीने के बाद लोकसभा के चुनाव हुए और उन चुनावां में हरियाणा के लोगों ने 85 सीटों पर इनैलो–भाजपा गठबन्दन को मै बढ़त दिलाकर विजय दिलाई थी। सिर्फ इस बात को देखते हुए जनता ने उन्हें विजय दिलाई थी कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला विपक्ष के नेता है इसलिए हरियाणा के लोगों को उनसे बहुत आ ाएं थी क्योंकि ओम प्रका ा चौटाला जी मुख्यमंत्री बनेगे तो इस प्रांत का उद्धार होगा किसानो का भला होगा।ज्ञ इस सरकार को चनाव होने तक बने हुए सात महीने हो गणे थे। इनसात महीने के दौरान ो नतीजे चुनाव के इलैलो व भाजपा के पक्ष में आये उन परलोगों को मिलाकर 53 सीटें मिली। मै समझता हूं कि ये 53 सीटें भी इसलिए आई क्येांकि इनकी सरकार थी। अध्यक्ष महोदय, चुनावों के दौरान

चुनाव आचार–संहिता का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन हुआ था। सभ्झी का`पता है कि वृद्धावस्था पैं ान की बढ़ी हुई रा ि ा उससी समय दी गई। चुनावों के दौरान ही गांवों में खम्भे वे तारें भेजी गई ताकिलोगय यह समझे कि सकरार हमारे लिए बिजली की पूरी व्यवस्था कर रही ळौ। इसी प्रकारसे कही पर बिल्डिंगें बनाये जाने के लिए ईंटे भ्ज्ञेजी गई। अध्यक्षम होदय, मेरे कहने कामतलब यह है कि चुनाव आचार संहिता का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन सरकार द्वारा हुआहै। चुनावों के दौरानसरकार की तरफ से झूठे प्रालोभन दिए गऐं चुनावों के दौरान मुख्यमंत्री जी ने खुद कहा कि एस0 एस0 एस0 बोर्ड का चैयरमैन आपके हल्के का बना दिय, है,वह आपके बच्चों को नौकरी देगा। इसी प्रकार सेपुलिस में भर्ती करने के लिए पहले ही लोगों की छातियों व कद नाल लिए ता ि उनको प्रलोभन दिया जा सकें कि उनकी पुलिस में भर्ती हो जाएगा ि ऐसे प्रालोभन देकर भी इनचुनावों के दौरान भाजपा तथा इनैलों गठबंधन केव 53 वीटें हीप्राप्त कर पाया। मेरा तो भाजपा को सुझाव है कि जिस प्राकर के नतीजे जिस ढंगसे आये है उनको ध्यान में रखते हुए भाजपा को सरकार से आपने सम्बन्धतोड़ लेने चाहिए। मै तो यह कहूंगा कि इनका एक गठबंधन न होकरयह एक धोखे बाज का गठबंधन था। हमारे माननीय साथ्ज्ञी श्री कृश्ण पाल गुर्जर फिर भी सरकार की तारीफ कररहे हैं (विध्न) अध्यक्ष महोदय, आप मेरा पिछला रिकार्ड उठा करदेख सकत`है कि जो सरकार की तरफ से च्दे काम हुए है चाहे वह बंसी लाल जी की सरकाररही है या चौटाला साहब की सरकार रही है, उन अच्छे कामों की मै

तारीफ की हैं आगे भी मौजूदा सरकार जो अच्छे कार्य करेगी उनकी मै तारीफ अव य करूंगा। मै इसबात का पक्षधर हूं कि चाहे कोई भी सरकार है अगर वह अच्छे कार्य करती है तो हम सभ्झी को उनकी सराहना करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने हरिजन भाईयों की बेटियों के लिए कन्यादान के तहत 5100 रूपये देने की जो स्कीम चलाई हुई है उस परसरकार को दुबारा विचार करना चाहिए क्योंकि इस समय जो कायदे कानून बने हुए है उनके तिहत उन गरीब हरिजन भाईयों को इस स्कीम का पूरा फायदा नही मिल पाता। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि इस अच्छी स्कीम के बारे में पुनर्विचार करते हुए नियमों में कुछसुधार करें ताक उनको इस स्कीम काफज्ञयदा मिल सकें। इसमें एक रूकावट तो उम्र की आती है नियमों के हिसाब से तो केवल जिस लड़की की भाादी 18 साल की उम्र में होगी उसकोइस स्कीम का फायदा मिल सकेगा लेकिन आप सभी जानते है कि देहात में कोई भी व्यक्ति अपनी लड़की को 15 साल की उम्र होने तक भाादी करने के लिए इन्तजार नही करता। देहाता में आमतौर पर 15–16 साल की उम्र मे ही लड़की की भाादी कर दी जाती है।

नगर एवम् गांव आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): नरेन्द्र जी, आपको पता ही है कि यह तो संविधन में लिखा है कि 18 साल की उम्र में भाादी होनी चाहिए। इसमें हम क्या कर सकते है।

श्री नरेन्द्र सिंहः आपकी बात से मै सहमत हूं। लेकिन इस पर पुनर्विचार करते हुए कोई न कोई रास्ता सरकार अव य निकाले ताकि उन गरीब हरिजनों को इसका फायदा मिल सके।

अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी सदन में बैठे हैं ये कहते है कि मौजूदा सरकार किसानों की सरकार है। इसी नाम पर इन्होने चुनाव भी लड़ा हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में और मुख्यमंत्री जी के नोअिसमें लाना चाहूंगा कि केन्द्र की सरकार ने जो अभी हाल ही में बजट पे ा किया है। उसमें उर्वरक महंगे किए गऐ है जिनका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा जिससे महंगाई भी बढेगी। इसी प्रकार से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत भी जो रा ान मिलता था वह भी केन्द्र सरकार के बजट में मंहगा हो गया है। इसलिए मेरी मुख्यमंत्री से निवेदन है कि वे केन्द्र सरकार पर दबाव डालें कि बजट में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जो वस्तुएं महंगी होगी उनकी महंगी ने होने दें ओर उनके जो मूल्य पहले थे वे रहने देने के लिए कहें।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर इस अभिभाशण में एस0 वाई0 एल0 का जिक्र आया है। मै मुख्यमंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा कि एस0 वाई0 एल0 दक्षिण हरियणा के लिए एक जीवन रेख हैं क्योंकि उसका पानी हमारे इलाके मे आना हैं डिस्ट्रिक्ट महेन्द्रगढ, रेवाड़ी और दादरी के अन्दर इसका पानी आना है। अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि इस मामले को चले हुए बहुत

साल हो गए है। इस अभिभाशण के अन्दर भी यह लिखा हुआ है कि इराडी कमी ान की जो रिपोर्ट है उसको इम्पलीमैंट करने के लिए हमारी सरकार केन्द्र सरकार को लिखा हुआ हैं कि इराडी कमी ान की जो रिपोर्ट है उसको इम्पलीमैंट करने के लिए हमारी सरकार केन्द्र सरकार को लिखेगी तथा उसे मजबूर करेगी कि वह इसआयेाग की रिपोर्ट को माने हुए उस फैसलो को भीघ्र ही लागू करे। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सदन को बताना चाता हूं कि हमारे मुख्यमंत्री जी का पंजाब के मुख्यमंत्री जी से बहुत नजदीकी सम्बन्ध है। इस बात का सारा हिन्दुस्तान जानता है। केन्द्र सरकार के अन्दर भी इस सरकार की हिस्सेदारी है। परमात्मा ने और हरियाणा की जनता ने इस सरकार को काम करने का मौका दिया हैं मेरा इस सरकार से अनुरोध है कि मेहरबानी करके किसी प्रकार से एस0 वाई0 एल0 कैनाल का जो काम बचा हुआ है, केन्द्र सरकार की किसी एजैंसी के माध्यम ेस उस काम को करवाने की कृपा करें ताकि हमारे इलाके के अन्दर भी पानी की सुविधा मिल सकें। नहरी पानी की तरफ मै सरकारका ध्यान दिलानाचाहूंगा। पिछली सरकार के मुख्या चौधरी बंसी लाल जी भी कहा करते थे कि हमारा उद्देय अन्तिम छोर तक टेल ऐण्ड का पानी पहुंचाना है और यह पानी पहुंचाया जाना चाहिए था परन्तु बड़े अफसोस की बात है। कि मेरे हल्के के अन्दर ताकीखेड़ा और नांगल चौधरी के इलाकों में आजतक नहर का पानीनही पहुंचा हैं इसलि मै सरकार से यह कहूंगा कि वहइस बारे में ध्यान दें और जिन क्षेत्रों में आज तक नहरी पानी नही जा

सकता। उन क्षेत्रों में नहरी पानी पहुंचाने की पूरा व्यवस्था करें। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै सरकार से निवेदन करूंगा कि नहरों के अन्दर जो पानी चल रहा है। उसक जिावाईज हिस्साकम से कम हम को मिलना चाहिए। हरियाणा के तमाम जिलों जिस रे ाों से पानी जारहा है। महेन्द्रगढ़ जिले के लिए भी उसी अनुपात मे हमें हिस्सा दिया जाए। जब तक एस0 वाई0 एल0 कैनाल कापानी नही आता तब तक पानी में हमें हमारा पूरा हिस्सा मिलना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मै सबसे मुख्य विशय की ओर सकरार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। जो 29 नगरपालिकाएं हमारी मौजूदा सरकार ने भंग की है उनसे एक गलत सन्दे ा जनता में गया हैं मै समयझता हूं कि हर व्यक्ति चाहे वह गांव में रहता है या भाहर में वह यह महसूस करता है। कि हमारी तरक्की होगी और हम कुछ ऊपर उठेगे। जो 29 नगरपालिकाएं भंग की गई है उनमें अधिकतर हमारे विपक्ष के विधायक है। चाहे वह बरवाला हो, चाहे तावडू हो या अटेली हो अथवा कनीना हो यहा सभी जगहों से विपक्ष के विधायकचुनाव जीत कर आए है इसलिए लोगो के अन्दर एक सन्दे ा गया है कि हमने अपोजी ान पार्टी का एम0 एल0 ए0 बना दिया है इसलिए हमारी नगरपालिकाएं भंग कर दी गई है भले ही चौटाला साहब कहें कि ऐसी बात नही है लेकिन यह एक वास्तविकता है। अटेली के लोगों को तो इस सरकार से यह उम्मीद थी कि वहां पर और अधिक विकास के कार्य होगे।

चौटाला साहब को सभी जातियों ने मिल कर वोट दिए है कम से कम यहां पर एस0 डी0 एम0 को तो बिठाएंगे ओर सब–डिवीजन बनाएंगे। मै कांग्रेस सरकार तथा चौधरी भजन लाल जी का आभारी हूं कि उन्होने अपने मुख्यमंत्र काल में एक नही बल्कि दो–दो तहसीले बनाई। (विध्न) मुख्यमंत्री जी से मेरा निवेदन है कि आप अपने इस फैसले पर पुनविचार करें अगर नगरपालिकाए घाटे के अन्दर चल रही है तो सरकार को चाहिए कि इस बारे में कोई ठोस कदम उठाए। चौधरी सम्पत सिंह जी जैसे काबिल वित्त मंत्री हमारे पास है इसलिए मै उनसे यह चाहूंगा कि वे कोई ऐसी व्यवस्था करें जिससे वे नगरपालिकाएं घाटे से उभर कर प्रोफिट में आ सकें। अगर ऐसा हेाता तो ज्यादा अच्छा होता। वहां के लोगों को ज्यादा सुविधाएं मिलनी चाहिए थी। इसलिए सरकारसे मेरा आग्रह है कि जो नगरपालिकाएं भंग की गई है। उनको फिर से बहाल किया जाए।

स्पीकर सर, इसके साथ ही मै यह कहना चाहूंगा कि तरफ से कोई ऐसा वि ोश प्रावधान नजर नही आया कि सरकार ने लोगो को रोजगार मुहैया कराने के लिए स्ट्रैस किया हो यहा इस बात पर दवाब डाला हो कि हम हरियाणा के बेरोजगारों को आर्थिक सहायता देगे या बेरोजगारी को मिटाने के लिए कोई या कदम उठाने जा रहे है। आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से मेरा निवेदनहै कि हरियाणा के अन्दर वि ोशतौर पर देहांत के अन्दर सैकड़ें नही बल्कि लाखेां की तादाद में बेरोजगार लोग है उन

बेरोजगार लोगों के लिए रोजगार उपलब्ध करवाने काक कोई वि ाश पोविजनकरे। इसके साथ ही मेरा यह निवेदन है कि जो पिछड़े हुए इलाके है जैसे कि महेन्द्रगढ़, इन पिछड़े हुए इलाकों के अन्दर उद्योग लगा सकें। गांवों के सभी लोगों को अगर सरकार नौकरी नही मिलनी तो कम से कम उनको कोई रोजगार तो मिलना चाहिए। चो वे लोग आई0 टी0 आई0 ट्रेड हो, चाहे दूसरे पढ़े लिखे लोग हो उनको फैक्टरीज के अन्दर रोजगार मिल सकेगा। इसके अलावा जो स्टेट हाईवे बने है जैसे कि रोहतक से नारनौल कोटपुतनी को जो रोड़ निकलता है या दिल्ली रिवाड़ी से नारनौल हाते हुए दूसरे प्रांतों में गुजरात या राजस्थान के अन्दर जाता है, मेरा आपसे निवेदन है कि आप केन्द्र सरकार से प्रस्ताव करें कि इन स्टेट हाइवेज को नै ानल हाईवेज बनाया जाए ताकि उनके साथ लगती किसानों की जो जमीन है उसका अच्छा भाव उनको मिल सकें अगर वे रोडज बनेंगी तो मै समझता हूं इससे किसानों को ज्यादा फायदा मिल सकेगा इसलिए मै उम्मीद करता हूं कि सरकार इस बारे में जरूर कार्यवाही करेगी क्योंकि यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण विशय है।

अध्यक्ष महोदय, अब मै एम0 एल0 ग्रांट के बारे में कहना चाहूंगा वर्श 1991–96 में कांग्रेस सरकार के समय सभी विधायकों के लिए यह ग्रांट दी गई थी चाहे वह विपक्ष से थे चाहे सत्ता पक्ष से थे सभी पाटियों के विधायकों को करीब 50 लाख रूपये की ग्रांट मिला करती थी। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी

जब विपक्ष में हमारे साथ बैठते थे तो वे भी कहा करते थे कि विधायक ग्रांट जरूर बहाल की जानी चाहिए। उस समय किसी भी कारण से वह ग्रांट बन्द की गई थी। अब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी खुद मुंख्यमंत्री है इसलिए उसे बहान करने की कृपा करे। प्रजातंत्र के अन्दर हर विधायक को मौका मिलता है कि वह अपने क्षेत्र के लोगों कीसेवाकरे। हम लोगों का यह फर्ज और धर्म बनता है कि, चाहे कोई विधायक सत्तापक्ष से हो या विपक्ष के हों सरकार पुरजोर मांग करें कि जब मुख्यमंत्री जी सेामवार को अपना रिप्लाई दें तो इस ग्रांट को हर हाल में बहानकरने की कृपा करें। अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि आज चहो सत्तापक्ष के विधायक होया अपोजी ान के विधायक हो वे सब इससे राजी होगें इसके साथ ही पिछली सरकार ने जो पांचवे वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू की ाी तोउस समय कुछ विभाग छोड़ दिए गऐ थे। जैसे हरियाणा हरिजन कल्याण और बैकवर्ड क्लासिज निगम है। इनको इसलिए छोड़ा गया था क्योंकि वे घाटे में चल रहे थे। अब कल कोई हास्पीटल घाटे में चलेगा तो क्या उसको भी छोड़ दिया जाएगा। मेरा आपसे निवेदन है कि ये तो कारपोरे ांज या बोर्डज है इनके कर्मचारियों को भी पांचवे वेतन आयोजग की रिपोर्ट में भाामिल किया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा डवैल्पमैंट की तरफ भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। हमारे महेन्द्रगढ़ के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी आप अपनी नजर

समान रखते हुए सभी क्षेत्रों का एक जैसा विकास करने की कृपा करें। आज महेन्द्रगढ़ सारे हरियाणा में सबसे पिछड़ा हुआ इलाका है आप इसकी डवैल्पमैंट करवाने की कृपा करें।

अध्यक्ष महोदय, मै अब आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का ध्यान ि ाक्षा की तरफ दिलाना चाहूंगा। आज हरियाणा में ि ाक्षा का स्तर गिरता जा रहा हैं हमारे जो सरकारी स्कूल के अध्यापक है। उनके बच्चे भी प्राईवेट स्कूलों में पढ़ने जाते है। इसका क्या कारण है। कि आज बच्चे सरकारी स्कूलों की बजाए प्राईवेट स्कूलों में पढ़ने के लिए जाते है। जबकि वहां पर फीसें भी ज्यादा हैं आप काबिल आदमियों के द्वारा इस बारे में जांच करवाएं कि क्यों हमारी ि ाक्षा का स्तर गिरता जा रहा है।

इसके साथ ही मै यह भी कहना चाहूंगा कि आप एक अहीरवाला विकास बोर्ड बनवाएं जैसा मेवात और ि ावालिक बोर्ड हैं यहां सदन में समय समय पर इस बारे में मैम्बर्ज द्वारा मांग की जाती रही है। कि अहीरवाला बोर्ड बनाया जाए और इसके लिए भी केन्द्र से रा ि ा आए ताकि हमारे क्षेत्र का विकास हो सकें।

अध्यक्ष महोदय, आज सड़कों का भी बहुत बुरा हाल है। कई इलाकों तो ऐस है जहां पर सड़कों की तो बहुत ही बुरी हालत है। वहां पर गांड़िया तो दूर रही साईकल वाला और पैदल ाअदमी भी नही चल सकता है। मेरे हल्के में नसीबपुर मं धसू और हाजीपुर तक अने जाने का रास्ता ही बंद पड़ाहुआ है। इस तरफ

भी सरकार का वि ोश ध्यान देना चााहिए। हम आपसे पूरी उम्मीद करते है कि जिला महेन्द्रगढ़ को पूरा सम्मान मिलेगा। इन्ही भाब्दों के साथ मे आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री राम भगत (नारनौंद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण यहां सदन में रखा है। मै उसका हार्दिक रूपसे उसका स्वागत करताहूं और समर्थन करता हूं। इस अभिभाशण में हर वर्ग का ध्यान रखा गया है और यह हरियाणा के चहुमंखी विकास को नई दि ाा देने में एक कारगर कदम है। मै इस चीज के लिए हरियाणा सरकार को बधाई देता हूं कि इन्होने, इसमें गांधी जी और चौधरी देवी लाल जी की जा प्र ाासनिक भौली है, उसका पूरी तरह से ध्यान रखा है मुख्य रूप से सरकार आपके द्वारा जो कार्यक्रम है वह हरियाणा तथा देंहात के विकास के लिए एक कारगर परियोजना है। यह कार्यक्रम वास्तव में देहात में रहने वालों के लिए बहुत अच्छा है। पिछले सालों में देखने को मिला कि गरीब किसान, गरीब मजदूर को चंडीगढ़ तक पहुंचने में या डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर तक पहुंचने में और अफसर ााही का मुकाबाला करने में बहुत परे ाानी होती थ्झी इसलिए वास्तव में सरकार ने इस पंचायती राज के माध्यम से गांधी राज की भाुरूआत की है जिसके लिए मै सरकार को बधाई देता हूं और उसका समर्थन करता हूं। अध्यक्ष मही, हमारे इस दस्तावेज में मुख्यरूप से तीन चर सकीम्ज का

जिक्र किया गया है जिनका संबंध सीधा मेरे हल्के के साथ है। अध्यक्ष जी, मै यहां इस माहनसभा मे अपने हल्के नारनौंद के बारे में वि ोश रूप से अपनी वेदना पको पकट करनाचाहता हू। पिछले तीस सालों में अलग–अलग सरकारों आयी और अलग–अलग नुमाइन्दे भी आये सत्ता पक्ष से भी और विपक्ष से भ्झी लेकिन उस हल्के की तरफ किसी ने भ कोइ ध्यान नही दिया। 1995 में वहां पर जबरदस्त बाढ़ आयी थी। इस बाढ़ में मेरे हल्के का पूर्वी हिस्सा जिसमें मुरू रूप से बात, बांडाला, मौल पूठठी गगनखेड़ी, खाड़ा, खराना आदि और भी बहुत से गांव प्रभावित हुए थे। इस बाढ़ से इन गांवों के लोगों की फसलें पूर तरह से बर्बाद हो गयी थी,सवारे घ्ज्ञर तबाह हो गये थे लेकिन उस समय की सरकार ने इनकी तरफ कोई ध्यान नही दिया। उस समय केन्द्र सरकार से बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए जो राहत रा ि ज्ञ आयी थी उसकसे उस समय की सरकार ने वाजिब हकदारों तक नही पहुंचाया और अफसरों की मिलीभगत से तत्कालीन मंत्री ने उसका राजनीतिक फायदा उठाने की को ि ा ा की। वे लोग आज भी अपने हको के लिए लड़ रहे है। (इस समय सभापतियों की सूची के एक सदस्य श्री रामपाल माजरा चेयर पर पदासीन हुए) चैयरमेन जी, उससमयबाढ़ रा ि ा के डिस्ट्रीब्यू ान में जो धांधलेबाजी हुई थी उसकी इंक्वायरी करवायी जानी चाहिए और उस समय के संबंधित मंत्री एवं आला अफसरान के खिलाफ कार्यवाही की जाए ताकि आगे से कोई भी इस तरह से प्रकृति के प्रकोप के बाद बंटने वाली रा ि ाका दुरूपयोग न कर सकते और उस रा ि ा का

सही इस्तेमाल हो सके। चेयरमैन जी, उस समय के के लोगों को पनि ामैन्ट दी जानी चाहिए। इस दस्तावेज में जिन तीन स्कीम्ज का जिक्र किया गया है उनमें से एक हिसार घग्घर ड्रेन का प्रोजैक्ट भ्भ हैं इसी तरह से दूसरी स्कीम इरीगे ान वाटर रिसोर्सिज कंसोलीटडेटेड है और तीसरी स्कीम पेयजल की आगेमेंटें ान स्कीम है। इन तीन विभागों के मंत्री एंव ओफिसर्ज यहां पर बैठे होगे। मेराउनसे कहना है कि इन तीनों स्कीम्ज का संबंध मेरे हल्के सेहै। मेरे हल्के नारनौंद का पूर्वी भाग जिसका जिक्र मैने अभी किया है वे काफी गांव उस विना ाकारी बाढ़ के प्रीााव से अभ तक भी उभर नही पाए है। आज भी यहां पर सड़क टूटी पड़ी हैं जब मैने अपने हल्के काइलैक ान के सय एवं उसके बाद धन्यवादीदौरा यिकाथा तो लोगों को, मां–बहनों को एवं विद्यार्थियों को यह ि ाकायत थी किवे अगने गाव सं बाहर आ जा नही सकते क्येांकि वहां पर सड़के टूटी हुई है खासकर पूठठी, बाडाला एवं आसपास केगांवों में। जब मैने इसबारे में जी0 एम0 और दूसरे अधिकारियोंसे बात की उन्होने भ्झी कहा कि सड़के टूटी हुई है हमव वह कैसे भेजे? ब उन सडकों की कुछ मरम्मत हो चुकी है। इसलिए वहां पर बसिज जरूर चलायी जानी चाहिए क्योंकि वे सड़के बसिज चलने के काबिल हो गयी है मेरी सरकार से निवेदनहै कि वहां पर अधिकारियों को बसिज चलाने के आदे ा दिए जाए। इसके अलावा तो बाढ़ रहात स्कीम घग्घर–हिसार परियोजना भ्ारू की गयी है उससे वहां के किसानों की जमीन बर्बाद हो गयी है, वे बेघर होते जा रहे हैं इसलिए मेरीा

मुख्यमंत्रीजी से निवेदन है कि यदि आप किसानों को बचाना चाहते है। तो जो 155 करोड़ रूपये का प्रोजैक्ट इस बारे में प्रौसस में है उसकों जल्दी इम्पलीमैंन्ट किया जाए। वित्त मंत्री जी यहां पर बैठे है इसलिए मेरा उनसे भ्ज्ञ कहनाहै कि अब इसके लिए बहुत कमसमय ही रह गयाहै क्योंकि तीन महीने बाद ही मानसून आ जाएगा। इसलिए इस बारे में जल्दी कार्यवाही की जाए। सर, मेरे हल्के में कई विरोधीभासी समस्याएं है। एक तरफ तो मेरे हल्के के पि चमी वैल्ट जिसमें मसूदपूर डाटा,गुडाना, खानापुर आदि गांव आते है, वे सूखे से जबरदस्त प्रभावित रहते है इन गांवों में पेयजल और सिंचाई जल दोनों का लगातार अभाव बना रहता है। मुझे बड़े दुःख के साथ कहना पड़ रहा है। कि एक मसूदपुर लिंक भाखड़ा जो सिस्टम हैं बरवाला ब्रांच यहां से मसूदपुर लिंक बनिहार ऐक्सटैं ान के नाम से स्कीम मंजूर हुए छह साल कासमय बीत चुका हैं औरउसक परएक करोड़ रूपया लगचुका है लेकिन उसमें अभी भी पूरी तरह से पानी नही छोड़ा गयाहैं उसमें अभ्ज्ञी काफी कमियां है। कल्वर्ट आदि बन रहे है वियाना खेड़ा और मसूदपुर के बीच अभ्ज्ञ उसकी लाइनिंग होनीहै ओर मै निवेदन करूंगा कि इस ड्राइ सीजन से पहले इस काम को सिरे चढ़ाया जाए। कैपेसिटी अथोराइजे ान का जल्दी किया जाए कि हमारे यहां के लोगो को पानी मिल सके। 10–12 गांव तो सूखे की वज से बर्बाद होते जा रहे हैं मै कोई गलत बात नही कर रह हूं आप पता करवासकते है। हमारे वहां तालाब सूखे पड़े है। मैने एस0 ई0 से बात की कि मसूदपुर में डब्लू0 जे0 सी0 का जो एग्जिसिटंग

सिस्टम है उसे हमारेयहां पर पानी दे दो लेकिन वहां परनहर का बुरा हाल है कही गड्डे है, कही ईटें उखड़ी पड़ी है। तो कही लाइनिंग गलत हो गई है मेरा निवेदन है कि आज जो री–वैलिडे ान स्कीम है उसकी रिपेयर वर्ल्ड बैंक स्कीम से जल्दी करवाई जाए ताकि मेरे हल्के के अन्तगत जो 15–20 गावं आते है उनको पूरी तरह से पानी मिल सकें। जहां तक पेयजल की बात है, जेा ऑगमैटे ान स्कीम है उनकी भी हालात बहुत खराब है। जब मै अपने धन्यवाद दौरो पर गया था तब मैने महिलाों की आंखों मे ंपानी देखा हैं थुराला, पेटवाड़, बड़छप्पर, ढाड, पुट्टी और मेरे अपने गांव मसूदपुर में पेयजल का विकराल संकट बना हुआ हैं अभी भी मैक्सिमम स्कीम प्रौसेस में है बाकी सभी गांवों को भी इसमें कवर किया जाए।

ि ाक्षा के बारे में भी राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण में जिक्र आया है। मै बधाई दूंगा कि सरकार ने ि ाक्षा की तरफ वि ोश ध्यान दिया है लेकिन मेरे हल्के नारनौंद में 70 प्रति ात स्कूलों में हैडमास्टर नही है चेयरमैन सर, यदि स्कूलों में जिम्मेदार आदमी नही होगा तो क्या आप समझते है कि काम ठीक ढंग से चल पाएगा। जमा दो स्कूलों में प्रिंसीपल नही है। टैक्नीकल इंस्टीच्यूटस में टैक्नीकल स्टाफ नही है,किस तरहसे बच्चों को ि ाक्षा मिल पाएगी? मेरा निवेदन है कि जहां स्टाफ की कमी है वहां स्टाफ का पूरा किया जाए।

सड़कों को बुरा हाल है पीछे पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से काफी सड़कों व गलियों के काम भाुरू करवाए है। लेकिन इलैक ान की वजह से रूक गए है मुझे आ ाा है कि वह काम अब जल्दी ही भाुरू करवाए जाएंगे।

अध्यक्ष महोदय, अब मै लोगों की मैडीकल फैसिललिटिज देने की बात कहना चाहूंगा। हमारे यहां पर पी0 एच0 सी0ज जो काम कर रही है उनके बारे में मै एक बड़ी ही चौंकाने वाली बात आपकों बताना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी भी यहां बैठेहै, उनको भी पता होगा कि बगैर बिल्डिंग के अस्पताल चल रही है क्येांकि कही पर बिल्डिंग है तो डॉक्टर नही है और कही पर डॉक्टर है तो बिल्डिंग नही है। जो प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज है वहां जाकर आप चैक करें, आज 60 परसैंट जगहों पर डॉक्टर नही है। जो भी नए डॉक्टर अपॉइन्ट हाते है।वेगांव में जाकर राजी ही नही है। पता नही उन्हें क्या दिक्कत हैं पी0 एच0 सी0 और सी0 एच0 सी0 में न डॉक्टर है न दवाइयां है। यही हाल वैटनरी हास्पीटल्ज का है। मै इस महान सदन के माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जो सुविधायें भाहरी लोगों को दी जाती है वही सुविधायें ग्रामीण इलाके के लोगों को दी जाएं चाहे वह पीने के ानी की बात हे चाहे बिजली की बात हो। भाहरों में बिजली केकट लगते ही लोगा लड़ाई लडऋने के लिए तैयार हहो जाते है। अब इस दि ाा में चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने काम भाुरू कर दिया हैं युवाओं खासकर

विद्यार्थियों, छात्र–छात्राओं के लिए होस्टल ओर स्पोर्ट्स के मामले में जो सरकार ने अच्छा काम किया है। मै उसका स्वागत करता हूं। लेकिन सबसे बड़ी एक ज्वलंत समस्या जो आज विद्यार्थियों को प्रभावित कर रही है वह यह है कि हमारे इलाके में जो कालेज है उनमें छात्रावास नही है जिसकी वजह से विद्यार्थियों को बसों में चढ़कर आना–जाना पड़ता है। और बसों में इतनी भीड़ होती है कि कोई विद्यार्थी बस की खिड़की में लट रहाहै तो कोई छत पर बैठे है ओर इस कारण विद्यार्थी आने–जाने में इतने थक जाते है कि उनकी पढ़ाई ठीक ढंग से नही हो पती। इसलिए मेरा सरकारसे निवेदन है कि उन कालेजों में छात्रावास का निर्माण किया जाए। मेरे हल्के नारनौंद में 25 किलोमीटर के इलाके में कोई कालेज नही है जिसके लिए विद्यार्थियों को दूर–दूर तक पढऋने के लिए जाना पड़ता है। मेरे हल्के की यह वि ोश डिमाण्ड है कि मेरह हल्के नारनौद में एक को–एजूके ान कालेज खोला जाये जिसमें अत्याधुनिक जॉब–ओरियंटिड कोर्सिज हो जैसे कंम्पयूटर एजूके ान, इलैक्ट्रोनिक्स आदि। जहां तक स्पोर्टस की बात है। गांवों के अन्दर स्पोर्ट्स के लिए जो सब सैन्टर और स्टेडियम खोले गये है उनमें कोच उपलब्ध नही है। मेरा अनुरोध है कि वहां पर कोच उपलबध कराये जायें। जहां तक महिलाओं के विकास का सवाल है, हालांकि हरिजन महिलाओं के विकास के लिए कन्यादान की स्कीम लागू करने का सरकारने एक अच्छा काम किया है। इसके साथ ही कारगिल में भाहीद हुए वीर जवानों के परिवारों को राहतक प्रदान करने की रा ि ा बढ़ाया हैं इसके लिए

मै सकरार को अभिनन्दन व्यक्त करता हूं और सरकार इसके लिए मुबाकरबाद की पात्र है। गांवों में जो एक वि ोश कठिनाई है वह है सुलभ भौचालयों का न होना जिसके कारण महिलाओं को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है क्योंकि भामलात की जमीन को तो पिछली सरकारों ने पता नही किस मजदबरी के कारण अपने चहेतो को दे डाला जिस जमीन पर नाजायज कब्जे किये हुए है और महिलाओं को लैट्रीन जाने के लिए बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। किसानों के लिए जो पास–बुक देने की स्कीम भुरू की थी उसे जल्दी जारी किया जाये क्येांक पासबुक न होने के कारण किसानों की फसल के लिए जो प्राइस फिक्से ान का कार्य केन्द्र के मार्फत कराया जाता हैं उसकी वजह से भी किसानों को बड़ी भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है क्योंकि अनाज मण्डी में उनकी फसल को उचितदाम समय परनही मिल पात हैं मेरे हल्के में आज आ की फसल का यह हाल है कि किसान कहता है कि उसको मजदूरी भी पूरी नही मिल पा रही है। मेरा सरकार से निवेदन है कि किसानों के लि कोडल्ड स्टोरेज में रख सके और जब उचित दाम मिल रहा हो तब अपनी फसल को बेच सके ताकि उसे अपनी फसल काउचित दाम मिल सके। मेरह हल्के की जनता ने 30 साल तक सत्तासीन लोगों को उखाड़कर मुझे अपना मनडेट दिया है ताकि मै अपने हल्के का सही तौर पर सुधार कर सकूं। मुझे आ ाा कि सरकार मेरे द्वारा बताये गये सुधार के कार्य करवाकर मेरे हल्के की जनता का ध्यान अव य रखेगी इसके लिए मै सरकार का आभार प्रकट करूंगा।

इसके साथ्ज्ञ ही मै अपना भाशण समाप्त करता हूं और राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का समर्थन करता हूं। धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत।

श्री बलवन्त सिंह (हसनगढ़): आदरणीय सभापति महोदय राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो चर्चा हो रही है मै उसके समर्थन में खड़ा हुआ हूं। सभापति जी, कल गवर्नर साहब ने हरियाणा सरकार द्वारा अगले वित्त वर्श में किये जाने वाले कार्यो का लेखा जोखा प्रस्तुत किया हैं सभापति महोदय, मै सभी सम्मानित साथियों से कहना चाहूंगा कि जब भी कोई नई सरकार आती है और वह अच्छे काम करती है तो सभी साथियों को उसकी सराहना करनी चाहिए। हमें लोग चुनकर यहां इसलि भेजते है कि हम हरियाणा प्रदे ा की जनता के लिए अच्छे सुझाव दे, न कि एक दूसरे पर छीटा कसी करे। अगर कोई सरकार गलत काम करती है तो हम उसकसे बताएं सभापति महोदय, हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। एस0 वाई एल0 हरियाणा प्रदे ा के लोगों की लाइफ लाइन है। कल महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे एस0 वाई0 एल0 नहर का जिक्र किया। मुझे इस बात की खु ाी है कि चौधारी ओम प्रका ा चोटाला ने सबसे पहले श्री चन्द्र भोखर की सरकार के समय एस0 वाई0 एल0 नहर का काम बी0 आर0 ओर को दिलवाया था। आदरणीय चौ० ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार ने आते ही अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट प्रदान करने का किया हैं आप सभी जातने है कि

पिछली सरकार ने अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रांट प्रदान करदी जो कि एक सरहनीय कमद है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने एक ओरजहां नौज्वानों के लिए मैडिकल कालेज की ग्रांट बहाल करने का काम किया है वहांदूसरी ओर पिछली सरकार ने पता नही किस नीयत से नौजवानों पर नाजायज तरीके से भारबा बेचेन के आरोप में जो मुकद्में बना दिए थे, इस सरकार ने अपते ही उन मुकद्मों को वापिस ले लिया। जो गरीब आदमी अपने बच्चों को अपनी मेहनत की कमाई से पढ़ता लिखाता है। और चाहता है कि उसका बेटा जाकर नौकरी करें, उन मुकद्मों की वजह से वे नौकरी से वंचित हो गए थे। उन नौजवानों के भविश्य को देखते हुए चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने जिने भीऐसे केस थे वेसारे के सारे वापिस ले लिए। पिछली सरकारके समय नौजवानों, जिनकी नौकरी लेने की उम्र निकल चुकी थी कि आयु सीमा 35 से 40 साल सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए कर दी है ताकि उन नौजवानों को नौकरी मिल सके और वे हरियाणा की जनता की सेवा करसकें। स्पीकर सर, जो कर्मचारी रिटायरहोता है तो उसे सरकार की तरफ से पैं ान मिलती है। इसी बात को ध्यान में रखे हुए चौधरी देवी लाल जी ने 100 रूपये बुढापा पैं ान हरियाणा के उन वृद्धों के मान—सम्मान के लिए जो 100 रूपये देवी लाल जी ने भाुरू किये थे, जमीन की आड़ लगाकर काटने का काम किया था। लेकिन चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने प्रदे ा की माताओं ओर बुजुर्गो को मान—सम्मान देने के लिए वह भार्त ही नही बल्कि पैं ान भी

100 रूपये से बढ़ाकर 200 रूपये कर दी हैं स्पीकरसर,यह बहुत ही सराहनीय काम हैं स्पीकर सर, इसके अतिरिक्त चौटाला साहब ने विकलांगों और विधवाओं को दी जाने वाली पैं ानभी 100 रूपये से बढ़ाकर 200 रूप्ये कर दी है। स्पीकर सर, चौटाला साहब ने व्यापारियों द्वारा जो 14, 15, 5 व 1 नवम्बर फार्म भरे जाते थे वे अब समाप्त कर दिये हैं तथा टैक्स माफ कर दिया गया है। इस बारे में पिछली सरकारें वायदे करती रही लेकिन उन्होने अपना वायदा नही निभाया। चौटाला साहब की सरकार बनते ही उन्होने अपनी कलम से यह काम सबसे पहले किया। स्पीकरसर, इसी तरह से चौटाला साहब ने उन माताओं को मान सम्मान देने के लिए जो अपने बच्चे कोदूध पिलाकर जवान करती है ओर दे ा की रक्षा के लिए सीमापर भेजती है, जिन माताओं के सपूत भाहीद होगये, पांच लाख रूपये भाहीद के माता–पिता को और पांच लाख रूपये उस ाहीद की पत्नी कोदेने काकाम चौटाला साहब ने किया है। जब पिछली सरकार थी तो भाहीद के परिवारको पांच लाखरूपये दिलवाने काकाम भी हमने बड़ी मु ि कल से करवाया था लेकिन चौटाला साहब की सरकार बनते ही चौटाला साहब ने वह रा ि ा पांच लाख रूपये से बढ़ाकर दस लाख रूपये कर दी। इस प्रका ासे चौटाला साहब ने यह भी सराहनीय काम किया है। और भाहीदों के माता–पिता को पूरा–पूरा मान–सम्मान किदया है। स्पीकर सर, भाई और बहन का पवित्र रि ता है, बहन अपने भाई को राखी बंधन के ऊपर राखी बांन्धती हैं बहनें अपने भाईयों को कलाई पर धागा बांध कर उसनसे वचन लेती है कि जब भी हम

पर मुसीबत आए तेा हमारी रक्षा करने का काम करें और जब बहन या बेटियो ंउनकी भाादी हो जाने पर पति के घर चली जाती है तो कभी भी भाईयों से हिस्सा लेकर नही जाती। अध्यक्ष महोदय, जब चौधरी देवी लाल की सरकार थी तो उस वक्त यह कानून था कि अगर बहनअपने भाईयों से हिस्सा लेने के लिए अदालत में जाकर ब्यान देंगी तो उनका हिस्सा उनको वापिस मिल जाताथा लेकिन पीछे चौधरी भजन लाल की सरकार ने यह फैसला लिया और कानून बना दिया कि बहने अपने भाईयों से हिस्सा नही सकती ओर रजिस्ट्री कराने का कानून लागू किया। (ाोर) अब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार आने पर उन्होने चौधरी देवी लाल जी के उसी फैसले को माने हुएदोबारासे यह कानून बना दिया कि जब भीबहने अपने भाईयों से अपनी जायदाद का हिस्सा लेने की मांग करेगी तो वे अदालत में जाकर ब्यानदें तो उन्हें उनका हिस्सा मिल जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से हरियाणा प्रदे ा के कर्मचारी जिनमें चाहे बिजली विभाग के कर्मचारी थे जो अपनी जान को खतरें में डालकर खम्बों पर चढ़ जाते है ओर अपेन जीवन का बलिदान देते है, चाहे मैडिकल की नर्से है जो बीमारी के दौरान जनता की सेवा करती है, चाहे नगरपालिका के वे कर्मचारी है जो अपने सिर पर गन्दगी उठाकर जनता की सेवा करते है,पहले वाली सरकार ने उनकी मांगों को न मानते हुए उनहें नौकरी से किनाल दिया था और सेवा मुक्त कर दिया था, इस सरकार ने इस बात को ध्यान में रखते हुए कि पहले ही प्रदे ा के अन्दर बेरोजगारी फैली हुई है। चौधीर ओम

प्रका ा चौटाला जी ने उन बिजली कर्मचारियों, मैडिकल नर्सों तथा नगरपालिका कर्मचारियों को बहाल कर दिया जो कि जनता की सेवा करते है और उनको वापिस नौकरियों देकर सराहनीय कार्य किया। अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा के अन्दर थोड़े ही समय में चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार द्वारा किये गये इतनेसारे कामों को देखकर मुझे एक बात याद आती है कि पीछे एक कहावत थी और कहा करते थे तथाहम सुना करते थे कि जो राजा होते थे, वे भेश बदल कर अपने नगरों में घूमा करते थे उसी तरहसे केवल हरियाणा प्रदे ा में ही हिन्दुस्तान आजादहोने के बाद पहली दफा ऐसा अवसर आयाकि हरियाणा प्रदे ा के मुख्य मंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने राजाओं के समय को संभव करते हुए दिखाया और हर विधान सभा क्षेत्र में वे खुद गए ओर हर जिले के सभी अधिकारी जैसे क डी0 सी0, एस0 पी0 एक्सीयनज, एस0 डी0 ओज0, तथा बी0 डी0 एण्ड0 पी0 ओज0 आदि सभी वहां मौजूद होते थे। मै उन सदस्यों को बताना चाहूंगा जेा यह कहते है कि उन्हें तेा इसबात का ज्ञान ही नही है कि उनके क्षेत्रों में मुख्य मंत्री महोदय गये है, हर विधान सभा क्षेत्रवार वहां पर जो–जो मांगे मुख्य मंत्री महोदय के सामने आई वो सारी रिकार्ड में दर्ज है। यह मै दावे के साथ कहता हूं हर गांव में कही पुरानी सड़कों की मरम्मत हो रही है तो कही नई सड़कें बन रही है, कही प ा चिकित्सालय बन रहे है। तो कही गऊ घाट बन रहे है ओर कही हैल्थ सैन्टर बन रहे है, तो कही रिटेनिंग वाल बन रही हैं इसके अलावा कही गलियों बन रही है तो कही सीमेन्ट की

पक्की गालियो का निर्माण किया जा रहा है। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने दिखा दिया कि वे प्रदे ा के विकास के लिए जो कह रहे है उसके कर के दिखा भी रहे है और लगातार विकास के कार्य हो रहे है। और इतने थोड़े समय में कितने काम कर के दिखाये। अध्यक्ष महोदय, मै ज्यादा न कहते हुए इतना ही कहूंगा कि हमें यहां पर अपने सुझाव रखने चाहिए तथा सरकार द्वारा किये जानेवाले कामों में कही कमी हो तो बताएं लेकन अच्छे कामों को अच्छाभी बताना चाहिए। मुझे याद है कि सांपला के अन्दर बाजार में एक कंकरीट की सड़क बनाने की बड़ी गुजारि ा मैने पिछली सरकारों से की थी लेकिन वह सड़क नही बन पाई। अब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार ने माननीय सदस्यगण जाकरदेख सकते है कि सांपला के बाजार में डेढ़ से दो फुट मोटी कंकरीट की सड़क बनने लग रही है और यह श्री ओम प्रका ा चौटाला जी की देन है। अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात सर छोटूराम के बारे में याद आती हैं चाहे मुख्यमंत्री भजन लाल जी रहे हो या बंसी लाल जी रहे उनके समय में सर छोटू राम के गांव गढ़ी को एक मार्डन गांव बनाने की स्कीम बनाई गई थी हमने तो इनकी सरकार के कागजों मे गढ़ी गांव को मार्डनगांव बनाने की कोई स्कीम नजर नही आई। लेकिन भजन लाल जी ओर बंसी लाल जी सर छोटूराम के नाम का सहारा चुनाव के दौरान अव य लेते थे लेकिन उनके गांव की तरफ ध्यान बिल्कुल नही दिया। मेरी मुख्यमंत्री ओम प्रका ा जी से प्रार्थना है कि पिछली सरकारों नेतोसर छोटूराम केगांव गढ़ी को मार्डन गांव नही

बनाया, लेकिन आप अव य बनवा दें ताकि लोग कह सकें कि जो काम बंसी लाल जी वे भजन लाल जी ने कर सकेवह काम चौटाला साहब ने कर दिखाया।

अध्यक्षम होदय, इसी प्रकारसे मेरा निवेदनहै कि मेरी कान्स्टीरूयूं ाी में स्कूलों में जो स्टाफ की कमी है। उसको भी सरकार पूरा करने की कोि ा ा करें।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर नहरी पानी की बात भी बहुत बार होतीहै। मेरे हल्के के जो टैल पर गांव पड़ते थे उन में नहरी पानी बिल्कुल नही पहुंचना भुरू हो चुका हैं हसरगढ़ की टेल पर कभी भी पानी डेढ़ फुट से ज्यादानही गया। नीये से जो रिपोर्ट आती थी उसी का`यहां परसदन में बात दिया जाता था कि फलां टेल पर इतना पानी पहुंच रहा है। इसबारेमें चौटाला साहब ने आदे ा जारी किए है। कि अकेले रीडरगेज मैन की ही रिपोर्ट सही नही मानी जाएगी बल्किगांव का सरपंच या नम्बरदार भी रिपोर्ट देगा कि फलां टेल पर पानी कितना पहुंचा है। सरकार ने यह एक बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। अध्यक्ष महोदय, अन्त में मै पुनः आपका धन्यवाद करते हुए राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाशण यहां पर दिया हैं उसका पूरा समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री राम कि ान (बवानीखेड़ा–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूं क अपने मुझे

गवर्नर महोदय, के अभिभाशण परबेालने के लिए समय दिया। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै आपके नोअिस में एक बात लाना चाहता हूं कि हमारा हरियाणा प्रदे ा तो पंजाब से अलग होकर 1966 में आजाद राज्य बन गया था लेकिन इसी राज्य के बवानीखेड़ा हल्के को जब से हरियाणा अपने अल अस्तित्व मे अया था तब से लेकर आज तक दो पूर्व विधायकों से मुक्ति नही मिल पाई थी। उनही की ही राजनीति इस क्षेत्र में आज तक चलती आ रही थी। अब पहली बार मैं वहांसे चुनकर आया हूं। जिस कारण उस क्षेत्र को उन दोनों से मुक्ति मिल पाई है। हमारे एरिया मे पीनें के पानी की बहुत ही गंभरी समस्या है। पानी की वहां पर इतनी अधिक कमी है कि बावानी खेड़ा के लोग सप्ताह में मु कल से एक दिन ही स्नान कर पाते है क्योंकि जो डिग्गियां बनी है उनमे ंपानी नही होता, बिना पानी के उनका क्या फायदा है अगर एक हफ्ता भी उनमे पानी आए तो सूखे के अन्दा तो वह पानी वैसे ही उड़ जाता हैं अध्यक्ष महोदय, मै तेा केवल इतना ही कहना चाहूंगा कि हमे ंसबसे पहले पीने का पानी मिलना चाहिए। हमारे लोगों को सरकारी नौकरियों चाहे मिलें या न किले, नौजवानों को बेरोजगारी भत्ता मिले या न किले लेकिन हमोर लोगों को पानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरी माननीय मुख्य मंत्रीजी से तथा सरकार स यह विनती है कि हमारे हल्के मे ंपानी कीसमस्या बहुत ही गम्भीर है इसलिए मेरे हल्के में पानी का उचित प्रबन्ध करवाने की कृपा करें। (विध्न) हमारे लोगों

को तो अगर पीने का पानी मिल जाए तो हम लोग तो सेम के इलाके में भी जाने को तैयार है। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः मै सभी मैम्बरान साहेबान से कहूंगा कि एक नयेसदस्य बोलने के लिए खड़े है ओर वे पहली बार बोल रहे है। इसलिए उनको बोलने का हौसला दीजिए।

श्री राम कि ानः अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै एक और बात भी यहां पर हाउस में कहना चाहूंगा कि फौजियों और पुलिस के आदमियों को भी सभी पार्टियों को टिकट देने चाहिएं। फौजी लोग बहादुरी से सीमा पर लड़ते है उसी प्रकारसेपुलिए के लोग भी बहादुरी से लड़ते है और लोगों कीसेवा करत है लेकिन हम लोगों को राजनीति में कोई हिस्सा नही मिलता है। क्या फौजी लोग सीमाओं पर केवल गोलिया खाने के लिए है? फौजियों और पुलिस के लोगों को इलैक ान लड़ने के लिए टिकट मिलने चाहिएं। सभी पार्टियों को चाहिए कि वे ज्यादा से ज्यादा फौजियों तथा पुलिस के लोगों को अपनी पार्टी के टिकट दें। कम से कम 30 प्रति ात टिकट अव य मिलने चाहिएं। इसके साथ ही मै एक बात और भी कहना चाहूंगा कि हमारे लोगों के पास इलैक ान लड़ने के लिए पैसा भी नही है इसलिए सभी पार्टियों को चाहिए क वे इलैक ानलड़ने के लिए हमें टिकट दे औरसाथ ही साथ इलैक ान खर्च के लिए पैसा भी दें। अध्यक्ष महोदय, हमारे यहां एक अम्बेदकर भवन बनायागयाथा लेकिन उस भवन पर कब्जा किसी और ने कर रख है इसलिए मै सरकार से विनती करता हूं

कि उसे कब्जे को छुड़ाने में सरकार हमें सहयोग करें। ई रवाल में हमारा अम्बेदकर भवन है जिस पर * * * * ने कब्जा कर रखा है। (विध्न)

श्री अध्यक्षः जो व्यक्ति हाउस में उपस्थित नही है, आप उसका नाम न लें।

श्री राम कि ानः अध्यक्ष महोदय, नाम तो लेना ही पड़ेगा।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। जो मैम्बर हाउस में जवाब नही दे सकता उनके ऊपर इल्जाम नही लगाना चाहए इसलिए मै आपसे निवेदन करूंगा कि नाम को कार्यवाही से निकलवा दिया जाए।

श्री अध्यक्षः ठीक है, नाम को रिकार्ड नही किया जाए।

श्री राम कि ानः अध्यक्ष महोदय, मै यह कहूंगा कि नये लोगों को ज्यादा श्रेय मिलना चाहिए और दल बदलुओं को टिकट नही मिलने चाहिए। अगर ऐा ही चलता रहा तो हम लोग भी दल–बदलू हो जाएंगे और हम पर भीउनका असर पड़ जाएगा। (विध्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, मै यह रिवेदन करूंगा कि बवानी खेड़ा की जमी में कड़वा पानी है ओर पीने का पानी खराब है। इसलिए हमारे इलाके की पानी की प्यास को बुझाना चाहिए और देसरे हल्कों से पानी लेकर कम से कम दो हफ्ते के लिए पानी जरूर देना चाहिए। सभी पार्टियों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

हमारी डिग्रियों और खेतों मे ंपानी मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इन भाब्दों के साथ मुझे गवर्नर साहब के अभिभाश्ण पर आपने बालने के लिए जो समय दिया है उसके लिए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री धर्मबीर सिंह (तो ाम): आदरणीय स्पीकर साहब, कल राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाशण पढ़ा और सत्ता पक्ष ने इसको बड़ा अच्छा बताया। जब भी कोई नई सरकार आती है तो भुरू भुरू के दिनों में राज्यपाल के अभिभाशण कोसारा सदन सराहता है लेकिन कुछ दिनों के बाद सारा प्रदे ा रोता हैं इसमें सबसे पहले पानी का जिक्र किया गया है स्पीकर सर, हरियाणा कृशि प्रधान प्रदे ा है। चौटाला साहब की सरकार भी किसानों के एजीटे ान के कारण सत्ता में आई है वर्ना बंसी लाल की सरकार को डेढ़ साल और मिलता। लेकिन इनकी सरकार बनने के बाद उन सब बातों को सदन केनता भूल गए। जब भी लोग इनको कहते थे कि आपने ऐसाी बात कही थी तो ये कहते थे कि मैने कोई ऐसा वायदा नही किया था। यहां पर एस0 वाई0 एल0 के बारे में भी जिक्र हुआ। इस पानी के अलावा हरियाणा को केवलयमुना सेपानी मिलता है। पंजाब प्रदे ा हमारा बड़ा भाई है। जब रावी नदी के ऊपर पूरा कंट्रोल नही हुआ था तो उस वक्त कहते थे कि रावी नदी पर डैम पूरा नही हुआ है इसलिए पानी नही मिलेगा। लेकन अब रणजीत डैम पूरा हो चुका है। और आज हम सबका फर्ज बनता है, आपका फर्ज बनता है क्योंकि ऊपर

भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। हम सब इकट्ठा हों। हम सब इकट्ठा हो। जिस प्रकार से कर्नाटक की जनता ने अपना हम मांगा है उसी तरह से आज हमें भी संकल्प लेना चाहिए। इस बात के लिए हम और प्रदे ा की जनता कई सालों से लड़ाई लड़ रही है। इस मुद्दे को लेकर कई सरकारे बनी हैं हमें यह सोचना चाहिए कि रावी के पानी को हरियाणा में कैसे लाएं। हर सरकार यह कह देती है। कि अर्थ वर्क हमने पूरा किया लेकिन वह कब पूरा हुआ उस बारे में हर आदमी जानता हैं हां, बंद जरूर 1988 में हुआ था। तब से लेकर आज तक उस पर न मिट्टी का काम हुआ है न कंकरीट का काम हुआ है। यह बड़े ही भार्म की बात है। हमारे प्रदे ा का अरबों रूपया उस पर लग गया है और वह अब बर्बाद हो रहा हैं पानी के आज बहुत बुरे हालत है। आधे से ज्यादा प्रदे ा मे ंपानीखेतों के लिए तो दूर की बात पीने के लिए भी नही हैं दक्षिणी हरियाणा, भिवानी जिला का 60 प्रति ात हिस्सा जिसमें बवानी खेड़ा, तो ाम भी आता है आधे से ज्यादा जिला ऐसा है जहां नीचे का पानी खारा है जैसा कि राम कि ान जी बात रहे थे हमारे यहां पीने के पानी की समस्या है। सिरसा जैसे जिले में 15 दिन पानी चलता है लेकिन हमारे जिले में 3 दिन ही पानी चलता है जो दुनिया भर में कही पर भी नही होगा। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, हमारे भी कुछ गांव है जैसे सडंवा गांव है जो सबसे पीछे है आप अबर वहां पर जाकर देखेगे तो लोगों की पब्लिक हैल्थ से एक ही डिमाण्ड है कि हमारे जोहड़ मे ंपानी डाल दो ताकि हम पानी पी ले। यह सरकार एक तरफ तो 70 लीटर

पानी प्रति व्यक्ति देने की बात कहती है लेकिन वहां पर दो दिन में एक लीटर पानी प्रति व्यक्ति भी नही मिलता है। वहां तो पीने के पानी की ही डिमांड की जाती है। (विध्न) जहां पर पानी एक महीने में तीन दिन ही आए और टेल परभी पूरा न जाएं तो वहां पर लेाग क्या करेगे। आज हमारे जो जुई और सिवानी फीडरया जितने भी इन फीडर के सिस्टमज है सारे के सारे लिफ्ट कैनाल सिस्टम है। उनकी आज ऐसी कंडी ानहै किउनकी एफिसिएं ी घटकर 50 प्रति ात तक चली गई हैं वहां पर मोटरों भी नही बदली जाती हैं अगर बदल भी जाती है तो बिजली चली जाती है जिसकी वजह से जो पानी आना होता है वह नही आताहैं कही कही तो 6–6 महीने पानी जात हैं आप भारीकस और छपार जोगियो जैसे गांवों में जाकर देखे जो दूसरे गांवों में जाकर पानी लाते है। औरयह सरकार कहती है कि 70 लीटर प्रति व्यक्ति पानी का प्रबन्ध कर दिया है और सत्ता पक्ष वाले इस अभिभाशण पर बहुत खु ा नजर आते है। भाखड़ा नहर से जो पानी आती है तो जब तक पक्ष, विपक्ष और भारत सरकार एक होकर रावी का पानी हमें न दिलवाये तब तक मेरी प्रार्थना है कि मौजूदा पानी के बंटवारे के सिस्टम को ठीक किया जाए। सिरसा के क्षेत्रफल में तो पानी एक महीने में 15 से लेकर 21 दिन चले और हमरे इलाके मेंं महीने में तीन दिन चले तो यह ठीक नही है। अध्यक्ष जी, मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि वह पानी का बंटवारा ठीक करें। यमुना नही का बहाव इन दिनोंसबसे कम यानी लगभग दो हजार क्यूसिक से कम हेा जता है। इतना पानी तो 6

जिलों में दिया जाए और आइ अजार क्यूसिक पानी केवल डेढ़ जिले में दिया जाए तो क्या यह ठीक बात है? अध्यक्ष महोदय, नार्बा से कुछ पैसा हरियाणा प्रदे ा में कैनाल और माईनर्ज के लिए आया था लेकिन सरकार बदलने के बाद यह काम अधूरा पड़ा है। मेरी गुजारि ा है क जिन माईनर्ज के लिए यह पैसाआया था उनको पूरा किया जाए ताक पीने का पानी दिलवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, पहले इस बात को ऐग्जामिन करने के लिए एक तहल कंसलटैन्सी कमेटी बनायी गयी थी। इसकमेटी कोकेवल यह पता करना था कि पानी का सोर्स कैसे बढ़ाया जाए लेकिन उन वर भी सरकार ने पांच करोड़ रूपये खा लिए परन्तु आज तक भी उस कमेटी की कोई रिपोर्ट नही आयी। पांच करोड़से जो तो जो खरबा पम्प हाउसिज थे उनको भी सुधारा जा सकता था। इसलिए हमारा कहना है कि ऐसे पैसे को सरकार को बचाना चाहिए क्योंकि आज प्रदे ाक` आर्थिक हालात कोर्ठ ज्यादा अच्छे नहीहै और हरबार केवल कर्ज लेकरकाम करने से प्रदे ा का भला नही होगा।सारा हाउस आज इसबात से चितिंत है हमें कर्ज लेने के बजाए अपने रिसोर्सिज पैदा करने चाहिए। जब तक ऐसा नही करेगे तब तक हरियाणा प्रदे ा का विकास नही होगा। हमने तो यह भ सुना है कि मार्किटिंग बोर्ड जैसे बोर्ड को जिसका बजट डेढ़ सौ करोड़ रूपये के आसपास का है, को भी लोन लेने की जरूरत पड़ रही है। कि कैसे सड़कों की मुरम्मत की जाए। अध्यक्ष महोदय, बिजली के मामले में हर सरकार नारा देती है कि हम बिजली देगे। लेकिन आज बिजली की आलत इतनी बुरी है। कि

खाने के समय से गांवों में देहात में बिजली नही आती। चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी कहते है कि हम किसानों को बिजली 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से देते है। जबकि सरकार को यह 2.5 रूपये के हिसाब से मिलती है। चौधरी देवी लाल काएक नारा था कि लोक राज लोक राजसे चलता है। वास्तव में उनका नारा सही था और हमनमें से भी काफी आदमी उन्ही की देन है। लेकिन देवी लाल जी के नारे को इम्पलीमैंट करना है तो हमें वैसे ही काम करने चाहिए। नेहरू जी ने गोबिन्द सागर के ऊपर एक हाईडल प्रोजेक्ट लगवाया था। इस प्रोजैक्ट से जो बिजली बनती है उस पर केवल बीस पैसे के हिसाब से खर्चा आता है। जबकि हम किसानों को पचासपैसे यूनिट के हिसाब से बिजली देते हैंसरकार को चाहिए कि वह किसानों को बीस पैसे यूनिट के हिसाब से ही बिजली दें। इसी तरह से पानी की चोरी भी एक बहुत गंभीर समस्या है जहांसे मेन कैनाल चलती है। उस इलाके में पानी की चोरी बहुत होती है जिसके कारण टेल तक पान नही पहुंचात। पिछले सालों में सरकार ने मेन चैलन में आउटलैट्स दे दिए जिनमे ंपानी नही पहुंचता था मेन कैनाल में कोई मांगा नही होना चहिाए। जहां भी मोगे है वहां 20–30 फुट के लम्बे पाई लगे ताकि मोरी को न तोड़ सकें। कुछ साल पहल बालू रेत के इलाके के लिए स्प्रिंकलर सैट्स खरीदे गए थे। 1–1 स्प्रिंकलर सैट्स के तहत 300 एकड़ में पानी लगाया जाता था। करोड़ों रूपये की लागत से यह सैट्स खरीदे गए थे उस योजना को लागू किया जाए ताकि कम पानी से ज्यादा इरीगे ान हो। दो–दो एकड़ के

तालाब बनाए जाएं ताकि थोड़े पानी से ज्यादा सिंचाई हो सकें। मार्किटिंग बोर्ड जिसका काम है कि किसान की फसल को कैसे बढ़ाया जाए लेकिन माकिटिंग बोर्ड भाहरों के विकास के लिए पैसा खर्च कर रहा है। जितनी अनाज मंडी बनी, वे सभी बेकार पड़ी है। आप किसी भी गावं में जाकर देखे मार्किटिग बोर्ड का सारा पैसा सड़के बनाने पर खर्च हो जात है। हरियाणा प्रदे ा में मौजूदा सरकार किसानो की सरकार मानी जाती है लेकिन खाद के भाव बढ़े है मेरी प्रदे ा सरकार से प्रार्थना है कि केन्द्र सरकार ने जो खाद का रेट बढ़ाया है। उसकी हरियाणा सरकार अपने पास से भरपाई करे किसानों को सबसिडी दे। हरियाणा के ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बनी हुई है। फिर भी नकली बीज बेचे जो है उन पर पूरा सोच विचार करना चाहिए। हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी तथा मार्किटिंग बोर्ड का फर्ज बनताहै जब भी कपास जैसे फसल पर कीड़ा लगता है तो ग्लाइडर के माध्यम से मुफ्त किसान का कपास की फसल को बचाया जा सकें। नकली दवाइयां होने के कारण कपास का कीड़ा

अध्यक्ष महोदय, 29 म्यूनिसिपल कमेटियां तोड दी गई है सरकार ने यह फैसला कैसे लिया हय तो मै नही कर सकता हूं लेकिन उन 29 कमेटियों के पास जो भी स्टाफ था खासकर सफाई कर्मचारियों का स्टाफ–दुसरी कमेटियां उनको ले नही पाएंगी दूसरी बात यह है कि इन कमेटियों को तोड़ने के बादवहां सफाई कौन करेगा? पंचायतों के पास फंड नही है। मै प्रार्थना करता हूं

कि सरकार इस बात पर विचार जरूर करें। उन कमेटियों की बजाय जब पंचायत होगी तब सफाई कैसे होगी? बाढ़मुक्त का नारा नयी सरकारने दिया है लेकिन बाढ़मुक्त के साथ–साथ मेराएक छोटा सा सुझाव है। हमारे बालूरेत के इलाके में जुई नहर और उसके साथ साथ लगते गांवों में सीपेज का काम इसलिए होता है कि बिजली चली जाती है और पम्प हाउस काम नही करत है और इसलिए वह सारा इलाका सेम का बना हुआ हैं खासकर उस इलाके में एम0 आई0 टीण सी0 टयूबवैल के माध्यम से पानी को नहरों मेें डालें ताकि सिंचाई ठीक से हो सके ओर समय से बिजाई की जा सकें। इसके अलावा बिजली बोर्ड ने जोसिंगल फसे की मोटरे डाली हुई थी मेरी प्रार्िन है कि उन सिंगल फेस की मोटरों को प्रात्साहन दिया जाए ताकि थोड़े बिजली खर्च में उन पर सिंचाई की जा सके। पिछली बार बागवानी क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए योजना लागू की थी लकिन उस बागवानी के लिए जितने टयूबवैल्ज का कनैक ान दिया गया उनका खर्च पांच रूपये प्रति यूनिट के आसपास हैं यह सरकार किसानों की हितेशी कहलाने वाली सरकार है इसलिए एग्रीकल्चर सैक्टर में जितना खर्चा किसानो को टयूवैल्ज लगवाने के लिए दिया जाता हैउतना ही खर्चा बागवानी क्षेत्र में भी दिया जाना चाहिए। टयूबवैल्ज के कनेक ांज हामरे इलाके में थोड़े से ज्यादा देने चाहिये क्यों वहां पर इनकी डिमाण्ड ज्यादा हैं सवीरेज सिस्टम पर तो ाम हल्के में 70 लाख रूपये खर्च हो चुके हैं लेकिन थोड़ा सा काम बकायाहै। मेरासरकारसे अनुरोध है कि थोड़ा सा पैसा औरदेकर उस काम

को पूरा किया जाये। नही तो जो सरकार का पैसा लगा है वह बर्बाद हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री जी ने पूरे दे ा में डिवैल्पमैंट ब्लॉक्स की 1350 के करीब लिस्ट बनाई थी जिनमें से 60 के करीब विकास खण्ड हरियाणा प्रदे ा में भी बनते थे जिनके लिए एक करोड़ रूप्या प्रति ब्लाक भारत सरकार की तरफ से दिया जात है। इस स्कीम के तहत बेरोजगार युवकों को रोजगार युवकों को कोई रोजगार देने का कार्यक्रम था लेकिन सरकार द्वारा उस पैसे को लोक निर्माण विभाग को ट्रांसफर कर दिया गया जहां पर ठेकेदार ओर दूसरें एजेंटों के माध्यम से काम करवाया जात है। और बेरोजगार युवको को कोई रोजगार नही दिया जाता है। मेरा सरकारसे निवेदन है कि उस पैसे कोखण्ड स्तर के मुख्यालय पर दिया जाये ाकि बेरोजगार युवकों को रोजगार देने का काम किया जा सकें। गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों का सरकार द्वारा एक सर्वे कराया गया था उस सर्वे कराया गया था उस सर्वे के अनुसार गरीब लोगों को पीला कार्ड देने की योजना थी लेकिन मै सरकार के ध्यान में लाना चाहूंगा कि जो धनाढय लोग है उनको भी पीला कार्ड जारी किया गया है और उससे वे लोग मिलियन कुवे टयूबवैल्ज के कनेक ान लेते है। और बाद में उन्हें ठेके पर देते है ऐसा एक केस चुनाव के दौरान मेरे हल्के में देखने को मिला। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस सर्वे को दोबारा करवाया जाये। जहां तक अस्पताल का मामला है। भाई रामभगत जी कोई गलत नही कर रहे थे। तो ाम हल्के में अस्पतालों के लिए 50 डाक्टरों की पोस्ट्स है परन्तु अस्पतालेां में केवल 2–4

डाक्टर ही उपलब्ध होगे। चुनाव के दौरान मुझे गएक अस्पताल में जाने का अवसर मिला। वहां मैने देखा कि अस्पला के रजिस्टर मेंएक भी मरीज का नाम दर्ज नहीहै। इसलि मै वित्त मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि अस्पतालों के लिए बजट में ज्यादापैसे देने की व्यवस्था करें ताकि गरीब आदमी सरकारी अस्पतालों में अपना इलाज करवा सकें। अमीर आदमी तो कही भी अपना इलाज करवा लेते हैं परन्तु गरीब आदमी के पास इतना पैसा नही होता कि वह प्राइवेट डाक्टरों की फीस अदा कर सके। अध्यक्ष महोदय, चोधरी देवी लाल जी की बात को आगे चलाने के लिए जो सरकार ने बुढ़ापा पैं ान औरविकलांगों की पै ान को दुगना किया है उसमें कुल दस लाख आदमी बताये है। जिन्हें हर महीने 200/– रूपये पैं ान के तौर पर मिलेगें पश्रतु इसके लिए पूरे साल को 163 करोड़ रूपया रखा गया है। परन्तु दस लाख लोगों के लिए तो पूरे साल का 250 करोड़ रूपये के लगभग बजट बनता है। इसलिए वित्त मंत्री महोदय, को इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए नही तो यह सकीमबची में ही बन्द करनी पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के लिए जहां प्राइमरी ि ाक्षा का लक्ष्य रखा गया है। उसको बढ़ाकर कम से कम माध्यमिक ि ाक्षा तक करना चाहिए क्योंकि मेरे हल्के में मिडल स्कूल तक जाने के लिए बच्चों को 4–5 किलोमीटर पैदल जाना पड़ता हैं लड़कियों के लिए अलग से कोलेज खोले जायें। अगर सरकार मेरे हल्के में लड़कियों के कालेज खोलनेके लिए कोई ग्रांन्ट मंजूर करती है तो हम बड़े से बड़े लोगों से मिलकर कालेज के लिए बिल्डिंग बनाने

के लिए तैयार हैं आजकल बैड एलीमैंट ज्यादा है। इसलिए लड़कियों के लिए स्कूलों और कालेजों में अलग से रोडवेज बस व्यवस्था करवाएं तो अच्छा होगा।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठ जाएं।

श्री धर्मबीरः अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे आखिरी प्रार्थना है कि हमारा तो ाम का सब डिवीजन तोड़ दिया गया है। उसकों दोबारा बनवाने के लिए मै मुख्य मंत्र से कहना चाहूंबा कि (ाोर) जितनेभी बड़े अधिकारी है। उनको येसही नजर से देखे औरऐसे न सोचे किफलां भजन लाल जी की पार्टी का है, फलां बंसी लाल जी की पार्टी का हैं ये अच्छा करेगे तो लोग इनको सराहेगे। ये तबादला नीति में भी थोड़ा परिवर्तन करें। मेवात के सिी आदमीका पंचकूला, सिरसा भेजने से सरकार का भी नुकसान है और कर्मचारी का भी नुक्सान हैं जय हिन्द।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाश्शण पर धन्यवाद प्रस्ताव परमै अपने आपको सम्मिलित करता हूं। 10वी विधान सभा का गठन हुआ है इसलिए इस विधान सभा में जो हमारे सम्मानित सदस्यगण है, सर्वप्रथम मैं इन सबका हृदय से स्वागत करता हूं और बधाई देता हूं। आओं मिलकर हम सभी सदस्यगण चाहे हम किसी भी पार्टी के हो, किसी भीपद पर हो इस सदन का एक–एक क्षण हरियाणा की समस्याओं का समाधान करने में लगाएं। सभी सदस्यगण गम्भीरता से

अपने–अपने पद की गरिमा को निभाएं चाहे वे सत्ता पक्ष के सदस्य हो या विपक्ष के सदस्य हो क्योंकि प्रजातंत्र में विपक्ष का भी रचनात्मक रोल होता है। जहां विपक्ष रचनात्मक रोल नही निभाता है वहां सत्ता पक्ष भी मर्यादा से बाहर जासकता है। समस्त हरियाणा प्रदे ा के लोगों के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि आधे विधान सभा क्षेत्रों में पहली बार इलैक्ट्रोनिक म ाीनों द्वारा मतदान प्रक्रिया को इंट्रोटयूस किया गया है। फरीदाबाद जिले में बल्लभगढ़, फरीदाबाद और मेबला महाराजपुर तीनों क्षेत्रों में इलैक्ट्रोनिक म ाीनों द्वारा मतदान हुआ है। वहां वि ोशकर ग्रामीण महिलाओं ने रूचि दिखाई और पहले से ज्यादा संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने अपने मत का प्रयोग किया हैं इसके लिए समस्त हरियाणा प्रदे ा के चपड़ाी से लेकर मुख्य सचिव तकसभी बधाई के पात्र है। पहली बार हरियाणा में भाातिपूर्ण तरीके से निश्पक्ष तरीके से चुनाव हुए जबकि दूसरे प्रदे ाों में जैसे बिहार आंध्र प्रदे ा में हम रोज अखबारों में पढ़ते है कि कई–कई हत्याएं हो रही है, कई बसें लूटी गई है। रेलगाड़ियों रोकीजा रही है। इस भाांतिपूर्ण मतदान के लिए आदरणीय ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार ओर सारा प्र ाासन बधाई का पात्र है। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने भी हरियाणा की भूरी–भूरी प्र ांसा की है। राज्यपाल के अभिभाशण में सभी महत्वपूर्ण विशयों की चर्चा की गई हैं यह अभिभाशण भविश्य की नीतियों और कार्यक्रमों को द ार्ाता है लेकिन कुछ विशय ऐसे है जो हम सबको मिलकर और अपने पूर्ण दायित्व को निभाते हुए चर्चा और

मंथन करने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै सर्व प्रथम यह बात कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा का निर्माण नवम्बर, 1966 को हुआ था तब से लेकरआज तक हरियाणा की जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधियों से एक प्र न करती रही है, चाहे सरकार चौटाला साहब की हो, भजन लाल जी की रही हो या बंसी लाल जी की रही हो। हर हरयाणवी यही कहता है कि हमारा कैसो प्रदे ा है जिसकी न तो अलग से राजधानी है, न अलग से हाईकोर्ट है, न अलग से सचिवालय हो। अध्यक्ष महोदय, जहां तक एस0 वाई0 एल0 के पानी की बात है इसमें मै समझता हूं कि आदरणीय ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार है ओर ये मुख्य मंत्री के साथ–साथ अपनी पार्टी के आला–कमांड भी है। क्योंकि कई बार ऐसे हालत होते है। कि मुख्य मंत्री कहता है कि हाई कमान ने ना कर दी इसलिए यह कार्य नही हो सका और मुख्य मंत्री के सामनेइस तरह की परे ाानियों आ जाती है। लेकिन चौटाला साहब अपनी पार्टी के हाई कमान भी है। इसलिए इनक सामने इस तरह की समस्या नही आयेगी और दिल्ली की सरकार से इनको कोई समस्या नही आयेगी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता ने चौटाला साहब को मेनडैट भी क्यलीयर दिया है, इनके अपनी ही पार्टी के 46 विधायक है। मै वि ोश तौर से चौधरी भजन लाल जी और चौधरी बंसी लाल जी से निवेदन करूंगा कि एस0 वाई0 एल0 के पानी के मुद्दे पर वे राजनीति से ऊपर उठकर वोट बैक का ख्याल न रखते हुए, चौटाला साहब को पूरा साथ दे ताकि काफी काफी वर्शो से हरियाणा की जनता के सामने चली आ रही

पानी कीसमस्या समाप्त होसके। स्पीकर सर, हरियाणा और पंजाब दोनां भाई–भाई हैं पंजाब हमारा बड़ा भाई है। बंटवारे में कभी–कभी थोड़ी बहुत कमीपे ीरह जाती है हमें यह नही माननाचाहिए कि पंजाब दूसरा दे ा हैं इन दोनों प्रदे ाों में हिंदुस्तान–पाकिस्तान जैसे बात नही होनी चाहिए। इसलिए मै दोबारा से चौधरी भजन लाल जी और चौधरी बंसी लाल जीसे निवेदन करूंगाकि इन तीन चार मुद्दों के लिए वे वोट बैक को ध्यान में रखकर चौटाा साहब का पूरा–पूरा साथ दे और उनसे इस बारे में बात भी करें। मै चौटाला साहब से भी अर्ज करना चाहूंगा कि वे इस बारे में प्रधान मंत्री जी से बात करें। अध्यक्ष महोदय, जब हम सब इन समस्याओं के बारे में मिलकर लड़ने का मनबना लेगे तभी हम इन समस्याओं को दूर कर सकते है अन्यथा ये समस्या दूर नही होकी। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने कुरूक्षेत्र में ओथ सरमेनी की इसके लिए भी वे बधाई के पात्र है। सभी विधायक वहां पर गये थे, मै भी वहां पर गया था। नि चत रूप से कुरूक्षेत्र हमारे दे ा मे नही बल्कि वि व की ज्योग्राफी में भी कुरूक्षेत्र सबसे पवित्र स्थान है। यह हम सबके लिए बड़े ही फख्र की बात है वहां पर चौटाला साहब ने संस्कृत में अपनी भापथ ली। इसलिए भी चौटाला साहब बधाई के पात्र हैं अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै एक–दो बातें और कहना चाहूंगा कि सारा वि व जानता है कि कुरूक्षेत्र की पवित्र धरती पर श्री कृश्ण भगवान ने समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए गीता काउपदे ा दिया था। चाहे वह मानव किसी भी दे ा के किसी भी

पहाड़ी, रेगिस्तानी अथवा समुद्री क्षेत्र में क्यो न रहता हो और किसी श्री धर्म को मानने वाला क्यो नह हो। लेकिन बड़े खेद की बात है कि हमारे स्कल और कालेजों में गीता सन्दे ा से संबंधी कोई ज्ञान बच्चें को नही दिया जाता। इसलिए मै आपके माध्ेय से श्री ओम प्रका ा चौटाला जी से निवेदन करूंगा कि गीता समस्त मानव जाति के कल्याण का ग्रन्थ है। और गीता, उउपनिशद वेद तथा दूसेर जोभी उच्च ग्रन्थ है उन सब का पाठ्यक्रम प्रदे ा के स्कूल और कालेजों में रखना चाहिए ताकि जो हमारे बच्चे है,बहन बेअियें है वे इनका अध्ययन करके आध्यत्मिक और सांस्कृतिक गुणों को ग्रहणकरते हुए अच्दे संस्कार सीखे। इसलिए इस तरह के पाठ्यक्रम को लागू आप कर सकते हैं इसमें कोई अड़चन भी नही है। कल ही राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में बाढ बगैरह के बारे में जिक्र किया हैं अध्यक्षम होदय, निि चत रूप से पहली सरकारों ने भी बाढ़ के बारे में अच्छे प्रयास किये है। मै आपके माध्ये से चौटाला साहब से निवेदन करूंगा कि प्रदे ा में हर जिले में बाढ़ का प्रकाप आत है। लेकिन हमारे फरीदाबाद जिले में जब बारि ा होती है औरयमुना के अन्दर पानी जात है तो हर साल बाढ़ के दौरान वहां के घर काफी प्रभावित होत है। इसिलए मेरा निवेदन है कि जिला प्र ाासन को कड़े आदे ा दें कि जिन लोगों को वहां बाढ़ दुश्प्रभावों को भागना पडता है उनसे बचाने के लिए सख्त इंतजमा हों तथा पैसे का भी पूरा प्रबन्ध किया जाए। ाअध्यक्ष महोदय राएढज्यपाल महोदय ने बहुत ही सुन्दर भाब्दों में जिक्र किया है। कि भ्रश्टाचार, जो राज्य में चारों

ओर कैंसर की भाति फैल रहा है ओर महत्वपूर्णू स्त्रोतों का नश्ट किये जा रहा है, पर काबू पाने के लिए सतर्कता, चातुर्य तथा तल्लीनता से कानून ओर व्यवस्था की स्थापना का अभूतपूर्व विकास करते हुए क्रान्ति के युग में लाकर हरियाणा को संध के समस्त राज्यों में आद र्ा राज्य बनाया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से निवेदन कना चाहूंगा कि आज भ्रश्टाचार एक ऐसी समस्या है कि कोई भी एक व्यक्ति चाहे वह मुख्यमंत्री के पर हो, चाहे प्रधान मंत्री के पद पर हो वह इससे अकेला नही लड़ सकता। आज जहां समाज में चारित्रिक ओर नैतिक मूल्यों का पतन हुआ है वहां भ्रश्टाचार से हर घर प्रभावित हुआ ह। मै कहना यह चाहता हं कि अगर आम आदमी किसी थाने, तहसील या बिजली के बिल भरने या फिर छोटे–मोटे कामां से दफ्तरों में जाता है। तो उनके इस तरह से काम बिना पैसे दिये हो जाने चाहिए क्योंकि 80 फीयदी तो आम आदमी के ही ये काम होते हैं वैसे तो समाज में ऐसे भी लाग है जो यह समझते है कि किसी की भी सरकार हो और काई भी आफिसर हों हम तो पैसे देकर काम करा लेगे लेकिन समाज के नीचे के वर्ग के तहसील, थानों के या दूसरे छोट–छोटे जो सरकारी दफ्तरों में काम हाते है वह तो बगैर पैसे के हो जाने चाहिए। इस तरह से भ्रश्टाचार को तुश्रनत रूप से समाप्त करके स्वच्छ प्र ाासन देने की मै सरकारसे अपेक्षा करता हूं। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने औद्योगिक नीति के बारेमें चर्चा की है। और बाहर के लोग आकर औ़द्योगिक यूनिट लाग देते है लेकिन उन किसानों से कोई

हमदर्दी नही होती जिनकी जमीन एक्वायर की गई। मै आपके माध्ये से सरकार को बताना चाहूंगा कि कम से कम इससे आगे तो जमीन कम एक्वायर करे। दिल्ली के साथ लगताएरिया चाहे वह फरीदाबाद है, गुड़गांव है, सोनीपत है या रोहतक है उसकस रहन–सहन ऐसा लगता है कि जैसे वह हरियाणा का हिस्सा नही है। उनकी वे ाभू ाा और खान–पान में पहले की अपेक्षकाफी बदलावा अया हआ है। इसलिए मेरी सरकार से निवेदन है कि दिल्ली के ाथ लगते एरिया में लोगों की जमीन एक्वायर न की जाये। यदि जमीन एक्वायर कीए जाएयऐए तएो बहुतही आव यक हेाने पर एक्वायर की जाये। जमीन एक्वायर होने पर जब वहां पर इण्डिस्ट्रीयल यूनिटस लगते है तो वहां पर जिन लागों की जमीन एक्वायर की जाती है उन लागों के बच्चों को उन यूनिट्स में नौकरी मिलनी चाहिए जबकि ऐसा नही हेाता।वे लाग बिहार, गोरखपुर या केरला से आदमी लो आंएगे लेकिन हमारे लोगों की जिनकी जमीन एक्वायर हेाती है, नौकरी पर नही रखते। इस बारे में मेरा सरकारसे निवेदन है कि सरकार ऐसी कोई नीति बनाए कियदि जिन लोगों की जमनी एक्वायर हेाती है तो वहां पर जो यूनिट्स लगे उनमें जिनलोगों की जमनी ली गई है उनके बच्चें को नौकरी अव य मिले। मेरा पुनः निवेदन है कि सरकार इस पर अव य विचार करें।

अध्यक्ष महोदय, अब मै बिजली के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हं। मेरे से पहले भी कई साथियों ने इस

बारे में अपने–अपने सुझाव रखते है। जैसे कहा जात है क जीवन सुझाव रखे है। जैसे कहा जात है कि जीवन के लिए हवा और पानी जरूरी है मै समझता हूं कि आज के हालत मे ंहवा औश्र पानी के साथ साथ बिजली का होना भी बहुत जरूरी है। मै समझता हूं चाहे कोई व्यक्ति किसी झुग्गी में रह रह है या एक कमेर के मकान में रह रहा है या बड़े मकान या कोठी में रहा रहा है, बिजली सभी के लिए बहुत जरूरी हो गई है। सभी सरकारों ने अपनी अपनी तरफ से पूरे प्रयास भी किए ह लेकिन इन प्रयासों में हमें अभी तक सफलता नही मिल पाई है कि हम अपने लोगों को 24 घंटे बिजली दिए जाने का प्रबन्ध करें अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में एन0 टी0पी0 सी0 गैस पर आधिारित प्लांट है। जब इस प्लांट को लगाने की बात आई थी तोउस वक्त वहां के लोगों को कहा गया था कि इस प्लांट से जो बिजली पैदा हेागी उसमें से इस एरिया को पूरी बिजली मिलेंगी। मेरे हल्के के साथ कृश्णपाल गुर्जरसहाब का एरिया लगाताहै मेरे कहने का मतलब यह है कि जब जमीन सक्वायर हुई थी तो उस वक्त यह कहा गया था कि फरीदाबाद के लोगों को इस प्लांट के लगने से पूरी बिजली मिल सके। वहां पर जो बिजली पैदा हो रही है। वहा सारी की सारी सेन्ट्रल पूलमे ंचली गाजती ै जिस कारण वहां पैदा हुई बिजली उस क्षेत्र को मिलने की बजाये दूसरे क्षेत्रों को लि रही है। अध्यख महोदय, वहां पर पूरी बिजली ने मिलने के कारण लोगों में बड़ा भारी आक्रो ा हैं खासकर जिन लोगों ने टयूबवैलज लगा रखे है उनमें तो बहुत बड़ी बेचैनी है। यदि इससमस्या कासमाधान

नही किया गया तो होसकता है कि लोग अपनी इस मांग के लिए सड़कों पर न उतर आएं। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मेरा सरकार से निवेदन है कि सरकार इस बोर में गम्भीरता से सोचे और इस समस्या का समाधान करें। मुझे पूरी उम्मीद है। कि चीफ मिनिस्टर सहाब इस पर गम्भीरता से विचार करेगे।

अध्यक्ष महोदय, हमारे पूर्व मुख्य मंत्री श्री बंसी लाल जी ने बिजली के नेटवर्क को काफी प्राथमिकता दी थी। बंसी लाल जके वक्त करोड़ों रूपये के नए ट्रांसफारमर्ज ओर बिजल उत्पादन बढाने पर र्ख किए गए थे मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि मेरे हल्के बल्लबगढ़ में कोई काम नही हुआ, बल्कि मै तो यह कहूंगा कि मेर हल्के के साथ एक तरह से सौतेले व्यवहार किया गया। मेरी सकरार से मांग है कि मेरे हल्के मं ज्यादा पैसे देकर वहां पर ट्रांसमि ान और स्ट्रैग्थंन काकाम सरकार को प्राथमिकता के आधार पर करना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, सरकार ने सिंचाई के बारे में भी प्राथमिकता दी हैं नि चित रूप से हमारा हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान प्रदे ा है। हमारे एक साथी ने पहले चर्चा की हैकि कही पर पानी की अधिक मात्रा है। तो कही पर पानी की बहुत किल्लत ह। अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता है कि कही पर तो नहरी पानी इतना अधिक है कि वहां पर 5–5 फुट के नीचे पानी है जिस तरह से सेम की भी समस्या बनी हुई अज्ञैर कही–कही पर पानी पहुंच ही नही पा रहा है मै आपके माध्यम से सरकार के

नोटिस में लाना चाहूंगा कि अहीरवाल क्षेत्र जिसमें महेन्द्रगढ़, गुड़गांव, रिवाड़ी, फरीदाबाद आदि क्षे आते है वहां पर पानी की बहुत भारी कमी हैं वहं के लोग पानी के लिए तरसते है। फरीदाबाद में इंडस्ट्रियल यूनिट्स अधिक होने के कारण पानी की काफी कमी है। मै एक बात और नोटिस में लाना चाहूंगा कि जिन गांवों में पहले मीठा पानी था उन गांवों का पानी भी अब खराब हो चुका है। इस बारें में वहां परएक सर्वे की रिपोर्ट भी है। वहां पर पीने के पानी के सिस्टम को बदलने की जरूरत है। जितनी भी इंडस्ट्रीज है उनमें पीने के पानी का सिस्टम पूर्ण रूप से उपलबध करवाना चाहिए क्योंकि नई–नई बीमारियों का प्रकोप वहां पर फैलना भुरू हो गयाहैं अध्यक्ष महोदय, मै समझता हूं कि जब सभी लोगों के प्रयासों से एस0 वाई0 एल0 का पानी आएगा तो टोटल फरीदाबा, गुडगांव, महेन्द्रगढ़ वगैरा जिलों को निि चत रूप से पूरा पानी मिलेगा और हम सभी के लिए वह दिन बहुत ही सौभाग्य का दिन होगा। (विध्न)

अध्यक्ष महोदय, कृशि के बारे में महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाश्ण मे जिक्र करना चाहूंगा कि कृशि की जमनी धीरे धीरे कम हेाती जा रही है ओर परिवार बढ़ रहे है इसलिए किसान की आमदनी कम होती जा रही है इसलिए हमं नये–नये और माडर्न सिस्टम्ज को एडॉप्ट करना चाहिए और लोगो को एक एसी तकनीक उपलब्ध करवानी चाहिए जिससे उसकी आमदनी बढ़ सकें नई फसल, फूल और पोधे लगाने के लिए लोगों को बताना

चाहिए जिससे उनको मार्किट में बेच कर उनकोसोर्स ऑफ इन्कम बनाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, दूसरे अभी रोहतक बल्लभगढ़ दुग्ध संयन्त्र के बारे में कहा गया है।, इसमें भी काफी सुधार की गुजाईश है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार द्वारा महाराजा अग्रेसन महाविद्यालय की ग्रांट बहाल करने के लिए धन्यवाद करता हूं। महाराज अग्रसेन के नाम पर जो चिक्त्सिा महाविद्यालय है वह अग्रवालसमुदाय के कारण से नही है। वास्तव में पहले क्या होता था कि इस प्रकार के जो संस्थान थे वे महापुरूशों के नाम परही चला करते थे। कई बार यह समझ लिया जाता है। कि महाराजा अग्रसेन का नाम होने से वह महाविद्यालय अग्रवालों को लेकिन ऐसा नही होना चाहिए। आज के आधुनिक काल में चिक्त्सिा ि ाक्षा पर बहुत ज्यादा खर्च होता है। इससे पहले अस्पताल स्कूल और कालेज की जो ग्रांट बहाल की गई हैं उसके लिए मै सरकार का बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। यह चिक्त्सिा महाविद्यालय केवल अग्रसेन महाराज के नाम परह ही नही बना हुआ है बल्कि यह सभी के लिए है। आज यह एक राश्ट्रीय चिन्तर का प्र न है और इससे दे ाभक्ति की प्रेरणा मिलती हैं एक–एक रूपया इकट्ठा करके को ा स्थापित कियागया था और इसकॉलेज की ग्रांट बहाल करने के कारण यह सरकार नि चत रूप से बधाई की पात्र हैं अध्यक्ष महोदय, राश्ट्रीय राजधनी दिल्ली के नजदीक हमारा हरयिाणा लगता है इसलिए हम कोई ऐसा सिस्टम डिवैल्प करसकते है जिससे किसान की पैदावार को मुल्क से बाहर भेजा जासके। यूरो के कई कण्ट्रीज में ऐसा सिस्टम है

कि वहां के फूल या दूसरे प्रोडक ान्ज बाई ऐयर दूसरी जगहों पर ले जाई जाती है लेकिन हमारे यहां परऐसी कोई बात नही हैं दिल्ली ऐयरपोर्ट से हरियाणा का प्रोडक ान ले कर नौ–दस घंटे इंगलैंड या पैरिस में लैण्ड करसकताहै। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की कोर्ठ योजना सरकार को अव य बनानी चाहिए इससे हरियाणा के किसान को प्रोडक ान बाहर भेजा जा सकता है ओर किसान को अधिक फायदा मिल सकता है। मैसमझता हूं कि इस के बारे में सरकार नि चत रूप से ध्यान देगी और नया सिस्टम डिवैल्प करेगी। इसे साथ ही प ाुपालन बहुत ही अच्छा आय का साधन है। सारे दे ा में हरियाणा में अच्छी गाय और भैएसें हैं प ाुओं के स्वास्थ्य के लिए हर गांव के अन्दर प ाु डिस्पैसरीज जरूर खोलनी चाहिए अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं एक किसान है और अच्दी तरह से जानते है। कि एक अच्छी भैंस 40–50 हजार रूपये से कम नही आती है, लेकिन उनमें ऐसी बीमारी होती है जिसका कई दफा उनका उपचार नही होता है ओर प ाु मर जाता है। आज प ाुओं को नई नई बीमारी होती है। सर, कम से कम हरियाणा में लेटस्ट टैक्नीक की चिकित्सा होनी चाहिए ओर लेटस्ट सुविधा के चिकित्सालय होने चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने जो कारगिल युद्ध की बात की है यह समस्त हरियावासियों के लिए गौरव की बात है। जब भी कारगिल युद्ध की बात आती है तेा उस वक्त कौन सा हरियाणी है जिसको इसके लिए गौरव नही होता है जहां तक

आर्मड फोर्सिज की बात है, हरियाणा उसमे ंपहला प्रदे ा है। वैसे भी हरियाणा की भूमि कहा गया है यह बहुत ही गौरव की बात है। चाहे 1962 की लड़ाई हो, पाकिस्तान के साथ 3–3 हुए हो ंया कारगिल की लडाई में 18 हजार फीट ऊंची चोटी पर हमारे 114 जवान मारे गए हैं अध्यक्ष महोदय, हम 1962 की लड़ाई कि किताब पढ.ते है तो उससे पता चलता है कि उस वक्त आर्मी की कॉमिनिके ान टूट गई थी और उनको कह दिया गया कि भाग जाओं। लेकिन हमारे बिग्रडियर होि ज्ञयार सिंह ने कहा था कि नही हम भागेगे नही। उन्होन `एक नया इतिहास रचा था अैर लड़ते लड़ते भाहीद हो गए थे। इस प्रदे ा के लोग कर्मठ निश्ठा और प्रतिभा ाली हैं आदरणीय चौटाला साहब ने भाहीद के परिवार वालो ंाके जो 10 लाख की रा ि ा और परिवार केसदस्या को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरी दी है इसके लिए वे और इनकी सरकार बधाई की पात्र है।

अध्यक्ष महोदय, आज अंग्रेजी के अखबार में एक बहुत बड़ा एडिटोरियल है वह बहुत ही खेद की बात हैंआज का युग आपा–धापी के साथ पैसे से नापा जाता है। अध्यक्ष महोदय, बहुत भारी संख्या में सेना के अाफिसर और जवा इस्तीफा देकर लोट रहे है औश्र जबकि आर्मड फोर्सिज में हजारों पद पहले से ही खाली पडत्रे हुए है। आज लोग सोचते है कि फौज में जांएगे तो 3000 ही मिलेगा इतना तो रेहड़ी लगा कर ही कमा लिया जाएगा। आज अगर नौजवान दे ा पर मर मिटने के लिए नही गया तो मै

मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस परसोचने की ओरगौर करने की जरूरत है। यह सब क्यों है इसको दूर करना चाहिए। फौज में हरकोई आदमी नही लड़ सकता है। जो मा र्ल रेस का आदमी है वही जाकर वहां पर मरता है। इसलिए इस बात को सरकार को बड़ी गंभीरता से लेना चाहिए।

श्री अध्यक्षः बिसला जी, अब आप वाइन्ड अप करें।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, मै पांच मिनट और लूंगा। सर, मै आपके माध्ये से निवेदन करना चाह्ूाकि हमें हर जिले के अंदर बार मैमोरियल स्मैट्री होती है अगर हमारे यहां भी ये हर जिले में खेल दी जाएं तो यह एक बहुत ही अच्छी बात होगी। जो भी हरियाणा के जवान या अधिकारी भाहीद हुएहै उनके फोटो या उनके लड़ते हुए के चित्र वहां पर होने भी हरियाणा के जवान या अधिकारी भाहीद हुए है उनके फोटों या उनके लड़ते के चित्र वहां पर होने चाहिए। आज तो कारगिल युद्ध की पूरी फिल्म दिखायी जाती है। अगर हम ऐसा करेगे तो इससे ज्यादा अच्छा इतिहास हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए और कहोठ नही हो सकता। जब लोग इनस्मैट्रीज में आकर अपने भाहीदों को देखेगे तो उनमं दे ाभक्ति की भावना बढ़ेगी और फिर वे राश्ट्र पर अपना सब कुछ न्यौछावर करने के लिए प्ररेणा ले सकेंगे। अध्यक्षम होदय, आप भी इस सदन के पुराने साथी है इसलिए आप भी कमेट्रीज के साथ बाहर गए होगे। जब हम उस समय कोहिमा में गए थे तो हमने वहां की बार मैमोरियल स्मैट्री में देखा और पढ़ा

कि जो भाहीदों के नाम वहां पर थे उनमें सबसे ज्यादा नाम हमारे हरियाणा और पंजाब के ही थी। इनको पढ़कर हम सभी एम0 एल0एज0 बहुत खु ा हुए थे इसलिए मै चाहूंगा कि इस तरह से इतिहास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि लोगों को उनसे प्रेरणा मिले।

अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा के बारें में भी अभिभाशण में जिक्र किया गया है। मै आपके माध्ये से निवेदन करना चाहूंबा कि हर जिले के गांव मेंएक महिलओं का सरकारी कालेज खोला जा ना चाहिए क्योंकि आज हकारी बहन बेटियों को इसकी बड़ी भारी दिक्कत है। उन्हें बीस किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। उनके जानेके लिए बसिज कीसुविधा भी नही है ंजो वहंा भी थ्री व्हीलर चलते है उनकी बहुत बुरीहालत है। हर आदमी के पास तो कारया स्कूटर नही है। समाज का आधा भाग साईकिल या ट्रैक्टर से चलते है। इसलिए हर जिले में ,गांव में महिला कालेज विदहोस्टल फैसेलिटीज खोलने चाहिए ताकि हमारी बहन बेटियेां कोभला हो सकें। इसी तरह से खेलकूद के बारे में ही हमारे भाईगोपी चन्द ने कहा है अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के खिलाड़ियों ने हमे ाा ही रा ट्रीय एवं अन्तर्राश्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए है जोकि हम सभी के लिएगौरव की बात है। हर जिले स्तर पर स्टेडियम वगैरह का निर्माण होना चाहिए। इसी तरह से मै परिवहन के बारे में भी निवेदन करना चाहूंगा। यह ठीक है कि पहले जब हमारी सरकार थी तो हमने ही यह निर्णय दिलवाया था कि

ट्रांसपोर्ट का प्राइवेटइजे ान होना चाहिए लेकिन कई बार अच्दी स्कीम्ज भी फेल हो जाती है लोग उसे समझ नही पाते। आज हरियाणा का कोई भी गांव ऐसान ही है जो अच्दी बस सेवा से जुडा हुआ हो। पहले गांवों के बच्चों ने जो लोन वगैरह लेकर बसिज चलायी थी वेसफल नही रही। 80 परसैंट के करीब वे बसिज बैकों के हाथों में खड़ी है क्येांकि बैकों ने उनको फाईनेंस दिया था और जो गांवों में थ्री व्हीलर चजते है उनकी बहुत बुरी हालत है जिसकी वजह से लोग ऐक्सीडैट्स में मरते है इसलिए आज आम आदमी यहाी चहाता हे कि पहले की ही तरह सभी गांवों में हरियाणा रोडवेज की बसजि चलायी जानी चाहिए। आज गांव के लोगों को अपने जाने के लिए बिल्कुल भी सुविधा उपलबध नही हैं इसी तरह से जहां तक कानून व्यवस्था का प्र न है यह पूर्ण रूप से किसी के भी राज में राम राज रहा है। क्राइम होते है लेकिन प्र ाासन का यह दयित्व है कि कानून तोड़ने वालों को हथकड़ी लगाकर न्यालय में पहुचाया जाए। लेकिन यह बहुत खेद के ाथ कहना पड़ता है कि ला एण्ड आर्डर में जो धीरे–धीरे गिरावट आ रही है हम सीाी के लिए यह चिंता का विशय है वि ोश कर ऐसे जिले जैसे फरीदाबाद है एक तरफ दिल्ली लगती है दूसीर तरफ उत्तर प्रदे ा या राजस्थान लगमते है वहां का प्र ाासन जब उन पर प्रै ार डालता है। वहां से भागकर वे हरियाणा में फरीदाबाद या गुडगांव में आ जाते हैं और हीनियमस क्राइम ऑपरेट करते है मै निवेदन करूंगा कि वहां हमें थानों की संख्या बढ़ानी चाहिए, फोर्स बढ़ानी चाहिए। Our Police shold be

equipped with latesh communication system. जैसे जीप है, 30 साल पूरानी जीप यदि किसी थानेदार को दी गई है तो वह क्राइम रते है उनके पास मोबाईल भी हेाते है। इस प्रकार जो दिल्ली के नजीदक के जिलसे कहैं उनमे पैसा खर्च करके पूर्ण रूप से पुलिस सिस्टम को स्ट्रैग्थन करनपा चाहिए। थाने बना दिए जाते हैं आखिरकार जवान भी तो ह्यूमैन वीइंग है यदि आप किसी जवान से 15–20 घंटे ड्यूटी लेते हो और उनसके पास रहने क लिए वह परिवार को रखने के लिए क्वार्टर भी नहीळै जाक उसकी मूलभूत आव यकता है तो वह कैसे ठीक ढंग से काम कर सकेगा? स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे प्र ाासन के अंदर तो एक बड़ी कमी है वह एकाउंटेबिलिटी की है। बसें पलट जाती है। या 50 लाख की लागत से सड़क बनाई जाती है और वह नाली के ओवरफलों से अगले दिन भर जाती है। तो कह दिया जात है कि अधिकारियों ने गलत कर दिया है। मै कहना चाहूंगा कि जहां निर्माण कार्य पर पैसा खर्च होता है वहां अगर कोई कमी होती है। है तो अकाउंटैबिलिटी तय होनी चाहिए आटोमौटिकली जिसआदमी की गलती की वजह से ऐसा होता ळै उसको सजा मिलनी चाहिए बजाय इसके कह दिया जाता है कि ट्रांसफर कर रहेहैं बिजली की तररें कहई जगह 15–15 फुट तक नीचे आ जाती है। जिससे बस ऐक्सीडैंट हो जते है और कई लोग मारे जाते है। ऐसे में जेा अधिकारी वहां से गुजरते है उनका यह सब देखाना चाहिए औरयदिवे नही देख्तो है तो ऐसे अधिकाारियों को

ऑटोमौटिकजली सजा होनी चाहिए। दूसरे, मेरे हल्के मे ंएक बड़ा प्रैस्टीजियस प्रौजैक्ट हैं मुख्य मंत्री जी को पता है कि वहां यमुना का ब्रिज बनाने का काम भाुय किया हैं यह प्रोजैक्ट मोहना में है, वहां 24 घंटे काम चलात था। मेरे चुनाव हारने के बाद वहां किसी ने सुध नही ली। जो लोग बनारहे ळे उन्होने कहा कि यदि हमें सरकार की तरफ से सहयेाग हो तो यह काम जल्दी हो सकताहैं मे तो इसबार इंडिपैडेंट जीतकर आया हूं और मै 36 बिरादरारियों को प्रत्या ाी था उसमें मैने कहा हुआ है कि इस बाने वाले दिसम्बर तक इस पुल को पूरा करा देगे ओर मुख्यमंत्री से उद्घटना करेएंगे। मै निवेदन करूंगा कि वहां 24 घ्झंटे उसी स्पीड़ पर काम होना चाहिए क्योकि दस हजार आदमी रोजना हां से आते जाते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया और गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण यहां दिया है उसका समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री अजय सिह (रेवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा करने के लिए मै खड़ा हुआ हू। यह बात ठीक है कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी को प्रदे ा की जनता ने मेनडैट दिया है लेकिन जहां तक दक्षिणी हरियाणा का सवाल है वहां पर 19 में से 12 स्थानों पर विपक्षी पार्टी के सदस्य चुनकर आये है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि जब से हमारा दे ा आजाद हुआ तब से आज तक दक्षिणी हरियाणा के साथ भेदभाव हुआ है इसमे ंचाहो रोजगार का सवाल हो, चाहे

बिजली का सवाल हो, चाहे ि ाक्षा का मामला हो और इसके लिए सरकार को चिन्तन करना पड़ेगा। इस अभिभाशण में लड़कियों को 5100/– रूपये देने की बात कही गई हैं इसके बारे में मै सरकार से एक बात कहना चाहूंगा कि इस बारे में जो गरीबी रेखा का सर्वे हुआ है। उसको अगर दोबारा करवाया जायेगा तो पता चलेगा कि काफी परिवार इस योजना से वंचित रह गये है उन योग्य परिवारों को भी इस योजना का लाभ मिल सकेगा। इस अभिभाशण में अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रांट बहाल करने का जिक्र किया गया हैं इसके बारे में मै मुख्यमंत्री जी के ध्यान में एक बात लाना चाहूंगा कि मेरे हल्के के मीरपुर गांव में रीजनल केन्द्र था जिसकी आधारि ाला तत्कालनी मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल जी ने रखी थी ओर उसके निर्माण परसरकार ने लगभग एक रोड़ रूपयो लगाया था लकिन दुर्भाग्या की बात यह है कि चौधरी बंसी लाल जी ने उस रीजनल सैन्टर को बन्द करवा दिया। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से ि ाक्षा मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्शित कराना चाहूंकि इस रीजनल सैन्टर को भीघ्र चालू किया जाये। सरकार ने हर जिले में डाईट सैन्अर खोले है लेकिन हमारे इलाके में ने तो कोई डाईट सैन्टर है, न कोई गवर्नमैंट कालेज है, न कोई मैडीकल कोलजहै, कोई इंजीनियरिंग कालेज है ंवहां पर एक पोलिटैकनिक कालेज की आधारि ाला रखी गई थी लेकिन पिछली सरकार ने वहां होट मिक्स प्लांट लगा दिया और बची मे ंउसका काम रोक दिया। जब इस सरकार को पिदल सात महिनों में भाासन रहा तब मुख्यमंत्री जी ने हमारे इलाके को लेागों

को आ वासन दिया था कि रिजनल सैन्टर को एक हफ्तें के अन्दर दोबारा खोल देगे। मै मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि वे बजट में इन बातों का ध्यान अव य रखे। इसके अलावा अभिभाश्ण में वीर सैनिकों के परिवारों को राहत देने की बात कही है। हमारे इलाके के सबसे ज्यादा वीर सैलिक भाहीद हुए है। आपने ाहीदों के परिवारों को दस लाख रूपये देने की बात कही हैं मै आपके ध्यान में एक बात लाना चहाूंबा कि मेरें इलाके में डबान गांव मे ंएक सूबेदार सिंह राम 13 कुमाऊं रेजीमैं के 114 जवार हमारे इलाके के भाहरी हुए थे इसके बारे मेंसरकार को विचार करना चाहिऐ। जहां तम म्यूनिकसपिल कमेटी जाक एबोलि ा करने कासवाल है सरकार ने 29 म्यूनिसिपल कमेटीज को एबोलि ा किया है मै इसके बारे में कहना चाहूगा कि लोग ने तो म्यूनिसिपिल कमेटीज और न ही पंचायतों के चुनावों में भाग ले पाये अैर न ही लोकर बॉडीज के चुनावों में भाग ले पाये हैं इसलिए सरकार को इसबारे में पुनः विचार करना चाहिए। इसके सथ सरकारने इराडी ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट लागू कराने के लिए कदम उठा रही है। अध्यक्ष महोदय, यह हमारा सबसे मामला हैं इराडी कमी ान की रिपोट को लागू करवाने के लिए सकरारको कदम उठाने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय, से कहना चाहूंगा कि कावेरी नदी क`पानी के बटवारे के बारे मेंवहां की जो रिपोर्ट है, वह लागू होसकती ळै ओर इससे पहले तो बंसी लाल की सकरारथी उस समय बी0 जे0 पी0 रिपोर्ट है, वह लागू होसकतीहै ओरइससेपहले तो बंसी लाल कीसरकारथी

उस समय बी0 जे0 पी0 भी केन्द्र मेंथी और आज भी वही हालता है। इस सरकार का बी0 जे0पी0 के साथ गठबन्धन सही है या गलत है ये तो इनका ही पता है। अगर इनका बी0 जे0पीक0 के साथ गठबन्धर सहीळै तो मै मुख्यमंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि एस0 वाई0 एल0 के बारे में इराडी कमी ान की जो अन्तिम रिपेार्ट है उस पर बाकायदा एक कमेटी बनाई जाए जैसे कावेरी की अन्तिरम रिपोर्ट लागू करवाने के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जिसके चेयरमैन प्रधानमंत्री थे और उन स्टेट्स के मुख्य मंत्री उसकमेटी के मैम्बर है। उसी प्रकार एस0 वाई0 एल0 के बारे में एक कमेटी बनाकर इराडी कमी ान की रिपोर्ट यहां पर लागू करवा दें तो यह दक्षिणी हरियाणा के लोगों पर इस सरकार को बहुत बड़ा उपकार हेागा क्योकि राबी–ब्यास का पानसही मायने में हमारे ही इलाके का है। 1.8 एम0 ए0 एफ0 पानी में से 80 प्र ात पानी सिरसा और हिसार दोनों जिले ही ले रहेहै तो कि हमारा हिस्सा पड़ताहैं इसके बारे में हर विधान सभा मेंयह बात उठी है कि दक्षिणी हरियाणा के लोगों को ही मिलना चाहिए लेकिन आज तक उस पानी का समुचित बटवारा नही किया गया। अध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने भाशण में बताया कि इन्होने पंजाब को 10. 84 करोड़ रूपये भाखड़ा मेन लाइन जो कि पंजाब में आती है की गाद निकलने उसकी सफाई औरउसके ठीक रख–रखाव के लिए दिए थे, क्या सरकार बताएगी कि उसके बारे में क्या हुआ कि वह गाद निकाली गई है या नही निकाली गठ तथा वह पैसा कहां गया है उउसके बारें में पंजाब से कोई बातचीज हुई? उसी प्रकारसे

भाखड़ा मेन लाइन की कैपेसिटी 10700 क्यूसिक से घटरकर 9100 क्यूसिक हो गई हैं आगुमैटे ान कैनाल की कैपेसिटी 4500 क्यूसिक से घटकर 2800 क्यूसिक रह गई है जिसका सबसे ज्यादा खामियाजा दक्षिणी हरियाणा भुगत रहा हैं अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा के कई इलाकों में सेम आ रहा हैं मुख्यमंत्री महोदय ने अभी बताया कि वे सिरसा मे बाढ़ की रोकथाम के लिए उपाय करे रहे है लेकिन हमारे यहां सूखा पड़ा हुआ हैं कई–कई गांव ऐसे है। जहां लोगों को पीने के लिए पानी नही मिल रहाहैं औरलोग पानी के लिए तरस रहे है जैसा की थोड़ी देर पहले बहन अनीता जी ने बताया कि गईगावं ऐसे जहां पर लोगों को 3–3 रूपये के हिसाब से पानी का मटा मिलता हैं इसी प्रकार से मेरे हल्के की निखरी डिस्ट्रीब्यूटरी एक्स्टे ान जीतपुरा डिस्टीब्यूटरी को एक्सटै ान के लिए नाबार्ड द्वारा बकायदा बड़ी–बड़ी स्कीम्ज बनाई हुइ ळै, लेकिन जानबूझकर इस ामले का `लटाया जा रहाहै। ताकि इनडिस्ट्रीबयूटरी से ज्यादा पानी लेने की कैपेसिटी न बढ़ जाए। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि हमोर इलाके की बालावास डिस्ट्रीब्यूटरी, लाघ्झूवास डिस्ट्रीब्यूटरी और रालियावास डिस्ट्रीब्यूटरी है जिनकी टेल्स पर आज तक पानी नही पहुंचा हैं इसके अलावा लिफ्ट इरीगे ान कैनालस की कैरिंग कैपेसिटी मात्र 25 फीसदी रह गई है। जहां परमोटर जल गई ह उनकी कोई रिपेयर नही करता है, उनके वा ार्ज, वाल्वा, पम्प सैट्स की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि उनका पानी कैसे आगे पहुंचे। उसका मुख्य कारण यह है कि उनके लिए न तो वर्ल्ड

बैंक से कोई पैसा लिया गया है और न ही नाबार्ड से कोई बात की गई हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्ये सक हना चहूंबा कि खासकर मेरे इलाके की लिफ्ट इरीगे ान कैनाल्स के रख रखाव की तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। मै यह बात इसलिए विस्तार से कह रहा हूं कियद इन लिफ्ट इरीगे ज्ञन कैनालस का रख–रखाव ठीक हो जाएगा तो वहां के लोगों में आत्म वि ावास पैदा होगा। इसके अलावा मासानी ब्रांच का मुद्दा है, राजस्थान में जब ज्यादा बरसाल तोहती है तो वे पानी हमारे यहां छोड देते है जिसके कारण हमारे यहां फल्ड आजात है ओर वह पानी झज्जर तक नुकसान करता है, उसके बारे में हमारी सरकार को राजस्थान सरकार से बात करनी चाहिए कि वे फालतु पानी को रोकने का कोई सिटम बनाएं जिससे हमारे यहां के किसानों का सिचाई का काम ठीक प्रकार से हो कसे। अध्यक्ष महोदय, मै पावन सैक्अर केबारेमें कहनाचाहूंगा कि अखबरों में अया है कि वर्ल्ड बैक से 2400 करोड रूपये का लोन आया है ओर उसकी पहली कि त 240 करोड़ रूप्ये की मंजूर हुई है लेकिन उस 240 करोड़ रूपये में से मात्र 130 करोड़ रूपये ही पहुंचे है। क्या सरकार इस बारेें में सदन को बताएगी कि उनको आज तक कितना लोन मिला है ओर उस लोन से रिफोरमिंग ओर रिस्ट्रक्चरिंग के लिए क्या कदम उठाए गए है? इसी प्रकार मै ट्रांसमि ान सिस्टम के बारेम ें कहना चहूंबा,यहां परआप लोग हि है कि हमने इतना बिजली काउत्पादन कर दिया लेकिनगांव के घरेां में बल्ब नही जलते हैं जिसका मुख्य कारण यह है कि 11 के0 वी0 की ट्रांसमि ान लाइनों की हालत

बहुत ही दयनीय है। जब 11 के0 वी0 लाइनों का ट्रांसमि ान पर लोड़ आता है तो ट्रांसफारर्मस जल जाते है। बिजली डिस्ट्रीब्यू ान का काम सरकार को मेन काम है, खासकर 11 के0 वी0 की लाईनें है जो गांव में जातीहै उसके बारे में सरकार क्या कर रही है? अध्यक्ष महोदय, हमारे वहां परगांव और टयूबवैल्ज के कनैक ान एक ही ट्रांसफार्मर से कर रखे है। जिसकी वजह से वहां पर कुछ ऐसे गांव वे कालोजित है जहां पर लैम्प से तो पढ़ा जासकता है। लकिन बल्ब की लाईट से नही पढ़ा जा सकता क्योंकि बल्ब की रो ानी लैम्प की रो ानी से भी कम है।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। विपक्ष के नेता ने कहा कि हमारी सरकार जो पंच महने पहले बनी ओर बची में लोक सभा के चुनाव भी आये। इसलिए अभी कुछ कहना ठीक नही हैं फिर भी कैप्टन साहब ट्रांसस्फार्मर्ज के बारे में बात कर रहे हैं अध्यक्ष महोदय, मै कैप्टन साहब से पूछना चाहता हूं कि क्यो ये इकट्ठे कनैक ांज हमारी सरकार ने किये है, पहले अलग अलग थे? अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब भी मंत्री रहे है उस वक्त इन्होने ये कनैक ान अलग–अलग क्यों नही किये? (विध्न) अध्यक्ष होदय, कैप्टन साहब 1991 से 1996 तक मंत्री रहे और चौधरी भजन लाल जी उस समय मुख्य मंत्री थे और इन्ही के नेतृत्व मे ंवि वास सभा का चुनाव हुआ था। उस वक्त कैप्टन साहब दक्षिणी हरियाणा से एक मात्र कांग्रेस के विधायक बने थे।

श्री नरेन्द्र सिहं: अध्यक्ष महोदय, मै भी दखिणी हरियाणा से ही चुनकर आया था।

श्री घीरपाल सिह: अध्यक्ष महोदय, ठीक है, राव नरेन्द्र सिह जी भी दक्षिणी हरियाणा से ही चुनकर आये थे। सिर्फ दो ही विधायक उस समय दक्षिणी हरियाणा में कांग्रेस के बने थे। इससे पता लगता है। कि उ वक्त इनकी सरकार ने अध्यक्ष महोदय, क्या कार्य किये थै। अध्यक्ष महोदय, जब से हमारी सरकार बनी है तब से हमने बिजली की सप्लाई सुधारने की कोि ा ा की है।

श्री अजय सिह: अध्यक्ष महोदय, मै सरकार पर आरोप नही लगा रहा। मै तो अपने हल्के की समस्याएं बना रहा हूं ओर यह सरकार का दायित्व है कि वे उन्हें सुने। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय के धन में एक बात ओर लाना चाहूंगा कि हमार इलाका टयूबवैल बेसड़ इलाका है वहां पर नहरों को जाल नही हैं हमारे वहां के लाखों टयूबवैल कनैक ान पैडिंग है। उनकी टेसिटक रिपोर्ट भी हो चुकी हैं ओरइस बारैं में सरकार ने भी कहा थाकि हम वे कनैक ान रिलीज कर देगे लकिन अब तक नही किए हैं इस बारे में सरकार क्या सोच रही है?

श्री भागी राम: अध्यक्ष महोदय, मै कैप्टन साहब से जानना चाहूंबा कि वे कनैक ान किसने काटे थे?

श्री अजय सिंह: अध्यक्ष महोदय, वे कनैक ान पिछली सरकार के समय में काटे गये थे। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः गोपी चन्द जी, प्लीज आप बैठिये। कैप्टन साहब,वे कनैक ान 1991 में आपकी सरकार के समय काटे गये थे।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह तो रिकार्ड की बात है आप रिकार्ड मंगवाकर कर देख सकते है। कि वे कनैक ान पिछली सरकार के समय में कटे थी या हमारीसरकार ने काटे थे। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्म मै मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान सिंग विंडोंसर्विस की रतफ दिलाना चाहूंगा। एच0 एस0 आई0 डी0 सी0 ने मानेसर औरबावल के अंदर कम्पलैकस बनोय है जबकि धारूहेड़ा में बहुत पुराने कंपलैक्स बने हुए है वे तो आज तक भी डवैल्प नही हुए हैं जब पुरान कंपलैकस ही डवैल्प नही हुए है तो नेय बनाने की क्या जरूरत थी? वहां पर किसानों की जमीन एक्वायर करके वे कंपलैकस बनाए गये है ओर किसानों कोबेरोजगार कर दिया गया है। इस बारे में मै मुख्य मंत्री महोदय, को कहना चाहूंगा कि अगर सिंगल विंडो सर्विस को ठीक तरीके से चलान है तो पहले, पहले वाले कंपलैक्स को डवैल्पमैंट है। वह कैसे हेा गई। जबकि हमारेयहां बिल्कुल ीाी नही हैं अध्यक्ष महोदय, डवैल्पमैंट नह होने का मुख्य कारण यह ह कि वहां पर आज तक भी जो प्लॉट्स दिये गये है उनकी रजिस्ट्रीज नही हुई हैं इंडस्ट्री प्लॉटस का भी यही हाल है। वहां पर बहुत पहले सहगल मिल आई थी, उस बारे में आज तक कोर्ठ कार्यवाही नही हैं उसको सरकार को दोबारा से रि–आक ान करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय,

हमारे वहां पर डवैल्पमैंट न होने का मुख्य कारण यही है। कि हमने वहां पर सिंगल विंडों सर्विस को ठीक तरीके से लागू नही किया । इसलिए मेरा मुख्यमंत्री महोदय, से अनुरोध है कि इसको ठीक तरीके से लागू करें। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त अर्बन डवैल्पमैंट में जेा मेन दिक्कत आ रही है वह यह है कि धारूहेड़ा के अंदर हुडा के प्लॉट्स पर लोगों ने पोजे ान ही नही लिया है। जबकि हुडा ने पोजै ान दिए काफी समय हो गया हैं इसके अतिरिक्त चारां तरफ ईललीगल कालेनियां भी बनी हुई है। इस बारे में सरकार ने भी कोई पोलिस ीनही बनाई है उन कालोजिनज मेंस्लम्ज भी बहुत ज्यादा है इसलिए लोग वहां पर प्लॉट खरीदते है। हुडा को इस बारे में कोई पोलिसी बनानी चाहिए ताकि हुडा के प्लॉटस की तरफ लोगों का झुकाव हो। इस बारे में मै मंत्री महोदय, को कहना चाहूंग कि ऐसे–ऐसे इंडस्ट्रीज वैल्टस में छोटे–छोट प्लांट काटे जाए ताकि गरीब आदमी उन्हें खरीद सके ओर किस्तों की सहूलियत भी दी जानी चाहिए।

श्री धीरपाल सिंहः आप इंडस्ट्रियल प्लॉटस की बात कर है या रिहाय ी।

श्री अजय सिंहः सर, मै रिहाय ी प्लॉटस की बात कर रहा हूं। जबकि बराबर में रिवाड़ी इतना अच्छा बना है। मै यह कहनाचाहता हूं कि जो इललीगल कलोनाइजे ान चल रही है वह प्र ाासन की मिलीभगत से हो रहीहै प्र ाासन के लोग कलोलाइजर्ज से मिले हुए है। गुडगांव, रिवाड़ी और बड़े टाऊन्ज

के अन्दर जो इस तरह की क्लोनाइजे ान है उसके बारे में सरकार कुछ कार्यवाही करे। इसी तरह से मैं लोकल सैल्फ गवर्नमैंट के बारे में कहना चाहूंगा। कई ऐसे–ऐसे एरियाज है जहां पर स्लम पैदा हो रहे हैं जैसे कि मेरे हल्के के अन्दर ऐसे एरियाज है जाहं न तोसीवरेज की काइ व्यवस्था है ओर न कोइ स्ट्रोम वाटर ड्रेनेज की व्यवस्थाहैं ि ाव कालोनी, रामसिंह पुरा के अन्दर ने तो कोई सीवरेज की व्यवस्था है, न ड्रेनेज की व्यवस्था है और न कोई पीन की व्यवस्था है। इसी तरी रामसिंहपुर–अजय नगर के अन्दर एक स्कूल है जेा सरकारी पैसे से बना हुआ है ओर वह बिल्डिंग गिरने वाली है मैने सरकार के नोटिस में भी यह बात लाई थी औरवहां के डिप्टी कमी ानर के नोटिस में भी यह बात लाई कि कि इस तरह की अनसेफ बिलिडग्ज जो कि गिरने वाली है। उनके बारे में कुछ कार्यवाही करें लेकिन कोई भी कार्यवाही नही हो रही हैं अध्यक्ष महोदय, मै यक कहना चाहता हूं कि महम जैसे कस्बे के अन्दर तो बाईपास है जबकि रिवाड़ी इतना बड़ा टाउन है वहां पर बाईपास नही बनाया गया है। ण्ज्जर जैसे भाहर में बाई पास बना गया है जो बाद में जिला बन गया है। (ाोर)

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, कप्तान साहब जो कह रहे है। मै उकनी बात में कुछ सं ाोधन करना चाहूंगा। जब कप्तान साहब विपक्ष में बैठे थे, मै भी विपक्ष में बैठा था तो हाउस के नेता चौधरी बंसी लाल थे जिन्होने बार–बार सदन को गुमराह किया था कि झज्जर

में बाई पास बन रहा है। मैने वहां पर जाकर मौका देखा तो कोई बाई–पास नही मिला। फिर मैने हाउस मे ंसवला उठाया तो उन्होने कहा कि एन0 सी0 आर0 के तह बाई–पास को बनाया जाएगा फिर मैने एन0 सी0 आर0 को मामला देखातेा एन0सी0 आर0 में भी कुछ नही मिला। अब कैप्टन साहब पता नही कौनसे बाई पास को झज्जर में देख कर आये है।

श्री अजय सिहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने भाशण में कह रखा है झज्जर में बाई–पास का काम चल रहा हैं (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, वो तो आगे की बात है अब बाई पास बनेगा। (ाोर) जबकि कप्तान साहब तो अपने भाशण में यह कह गये कि झज्जर मे बाई–पास बन गया है।

श्री अजय सिंहः मैने कहां कि बन रहा हैं (ाोर)

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आप चेयर को संबोधित करके अपनी बात कहें।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह तो भेदभाव की नीति है उसी का परिणाम है कि उधर आज 18 में से 12 सीटें हमने जीती है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः कप्तान साहब, आपके दो मिनट भोश है।

श्री अजय सिंहः अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, ने अपने अभिभाशण में कह रखा है कि मार्किट बोर्ड का रूलर सैस

कम किया गया है। इस रूलर सैस के इकट्ठा होने से इनकी सड़के बनती थी, जो एक्सीडैट हुआ करते थे और जिन किसानों के हाथ कट जाये करते थे उनको बाकायदा आर्थिक मदद दी जाती है। इसके अलावा बाकायदा इस सैस में चौरी भी हुआ करती थी। इन्होने जो रूरल सैस कम कर दिया है उससे अब 1 प्रति ात में भी चोरी तो होगी ही। अभी भाई धर्मबरी कह रहे थे कि क्या कारण हैकि मार्किट बोर्ड की पोजि ान खराब हैं उसका मुख्य कारण यही है कि इन लोगों ने केवल व्यापारियों और आढतियों को फायदा पहुंचाया है। जो किसान है जिसको फायदा होना चाहिए जिसके लिए सड़के बनती थी, उस रूरल सैस को कम कर देना सरकार की कोई उपलब्धि नही है।

श्री धीरपाल सिहः सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है। अभी माननीय सदस्य श्री धर्मवरी ने एक बात की भांका जाहिर की थी कि मार्किट बोर्ड से भाहरों में गलियों और सड़कें बनाने का काम हो रहाहै तो मै आपके माध्यम से श्री धर्मबीर जी ओर हाउस के सदस्यों को यह जानकारी देनाचाहूंगा कि श्री ओम प्रका ा चौटाला जी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार के बनने के बाद ही यह फैसला लिया गया कि भविश्यय में मार्किट बोर्ड के पैसे से भाहरों में गलियों और सड़कों को निर्माण और रख–रखाव नही होगा। जब चौधरी भजन लाल 1991 से 1996 तक सदन के नता थे और जयप्रका ा जी मार्किट बोर्ड के चेयरमैन थे तो करनाल के भाहरों में सड़कों के रख रखाव परपैसा खर्च हुआ। अध्यक्ष महोदय, ऐसी

परम्पराएये तो इन लोगों ने डाली थी जबकि हम तो उन परम्पराओं को दुरूस्त कर रहे है।

श्री अध्यक्षः कैप्टन अजय सिह दोपहर बाद होने वाली सिटिंग में कान्टीन्यू करेगे।

Now, the House stands adjourned till 2-00 P.M. today, the 10th March, 2000.

13.30 P.M.

(The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. today the 10th March, 2000)